



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 5, 1994/माघ 16, 1915
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 5, 1994/MAGHA 16, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए विधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government
of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)
(न्यायिक खंड)
सूचना

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)
(Judicial Section)
NOTICE

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1993

New Delhi, the 24th December, 1993

का.आ. 368.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जसवीर सिंह परमार, एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे फगवाड़ा, जिला कपूरथला (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

S.O. 368.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Jasbir Singh Parmar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Phagwara, District Kapurthala (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[सं. 5(144)/93—न्यायिक]
पी. सी. कणन, सक्षम प्राधिकारी

[No. F. 5(144)/93-Judl.]
P. C. KANAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1994

का.प्रा.369.—केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे उल्लिखित केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित अभियोजन अधिकारियों को, भारत के ऐसे किसी राज्य या संघ शासित क्षेत्र में, जिसको पूर्वोक्त धारा के उपबंध लागू होते हैं, विधि द्वारा स्थापित विचारण न्यायालयों में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन द्वारा संस्थित मामलों का और पुनरीक्षण या अपील न्यायालयों में इन मामलों से उद्भूत अपीलों, पुनरीक्षणों या अन्य विषयों के संचालन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

सर्वश्री

1. आर. सी. सेठी, के. अ. ब्यूरो, एसीबी कलकत्ता
2. जे. एस. राजावन, के. अ. ब्यूरो, जयपुर
3. सुभाष भट्टाचार्य, के. अ. ब्यूरो, जोधपुर

[संख्या 225/44/93-ए.वी. डी-II]

आर. एस. बिष्ट, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 19th January, 1994

S.O. 369.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints the following Prosecuting Officers of the Central Bureau of Investigation as Special Public Prosecutors for the conduct of cases instituted by the Delhi Special Police Establishment in Trial Courts and appeals, revisions or other matters arising out of such cases in revisional or appellate Courts, established by law in any State or Union territory to which the provisions of the aforesaid section apply:—

- (1) Shri R. C. Sethi, CBI, ACB Calcutta.
- (2) Shri J. S. Rajawat, CBI, Jaipur.
- (3) Shri Subhash Bhattacharya, CBI, Jodhpur.

[No. 225/44/93-AVD.II]

R. S. BISHT, Under Secy.

विजय मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1994

क.प्रा.370.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और नस्लीय निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/19/93-सी. शु. 8 दिनांक 16-3-94

यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री संदीप कुमार उर्फ मन्नी सुपुत्र श्री वेद कुमार मरीन (i) मकान नं. 66/12, गली नं. 1, गुरु तेग बहादुर नगर, फगवाड़ा, जिला-कपूरथला पंजाब (ii) मैराम स्पीन सीमेंट स्टोर, पीसीओ., जे.सी. टी. मिल्स के सामने, फगवाड़ा को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, जालंधर में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से रोका जा सके जो कि विदेशी मुद्रा के संवर्धन के लिए हानिकारक हो।

2 केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक, पंजाब, चंडीगढ़ के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/19/93-सी. शु. 8]

रूप चन्द, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 21st January, 1994

S.O. 370.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/19/93-Cus. VIII dated 16th March, 1993 under the said sub-section that Shri Sandeep Kumar @ Sunny S/o Shri Ved Kumar Sareen (i) House No. 66/12, Gali No. 1, Guru Teg Bahadur Nagar, Phagwara, District Kapurthala (Punjab) (ii) M/s. Sareen Cement Store/PCO Opposite J.C.T. Mills, Phagwara, District Kapurthala, Punjab be detained and kept in custody in the Central Prison, Jalandhar with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Chandigarh, Punjab within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/19/93-Cus. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1994

का.प्रा.371.—यह सामान्य सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1)(VIII) के प्रयोजनार्थ मैसर्स पायब्रनाथ हाउसिंग फार्निश कारपोरेशन लिमिटेड, हरमिद्धा चैम्बर, तीसरा तल, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380014 को केन्द्रीय सरकार आवास वित्त

कंपनी के रूप में निर्धारण वर्ष 1987-88 और 1991-92 से 1994-95 तक के लिए अनुमोदित करती है।

2. इसका अनुमोदन इन शर्तों पर किया जाता है कि कंपनी आयकर अधिनियम की धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत निहित प्रावधानों के अनुरूप होगी और उनका अनुपालन करेगी।

[अधिसूचना सं. 9456/फा. सं. 204/24/93-आयकर (नि-II)]

अजय कुमार, अवर सचिव

Central Board of Direct Taxes

New Delhi, the 13th January, 1994

S.O. 371.—It is notified for general information that M/s. Parashwanath Housing Finance Corporation Limited, Harsiddha Chambers, 3rd Floor, Ashram Road, Ahmedabad-380014 have been approved by the Central Government as a Housing Finance Company for the purposes of section 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961 for the assessment years 1987-88 and 1991-92 to 1994-95.

2. The approval is subject to the condition that the company will conform to and comply with the provisions u/s 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961.

[Notification No. 9456/F. No. 204/93-ITA.II]

AJAY KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1993

का.आ. 372.—यह सामान्य सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के प्रयोजनार्थ मैसर्स मनोज हार्जिना फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, 501, ब्लू मून अपार्टमेंट, लिथ रोड, बान्द्रा, बम्बई - 400050 को केन्द्रीय सरकार आवास वित्त कंपनी के रूप में निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए अनुमोदित करती है।

2. इसका अनुमोदन इन शर्तों पर किया जाता है कि कंपनी आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत निहित प्रावधानों के अनुरूप होगी और उनका अनुपालन करेगी।

[अधिसूचना सं. 9435/फा. सं. 204/50/91-आयकर नि-II]

अजय कुमार, अवर सचिव

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का.आ. 374.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध स्कीम) 1970 के खण्ड 7 के उप खण्ड (ज) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एन.ए.सी. नीचे दी गयी सारणी के कालम (2) में निर्दिष्ट व्यक्तियों को उक्त सारणी के कालम (3) में निर्दिष्ट व्यक्तियों के स्थान पर कालम (1) में निर्दिष्ट राष्ट्रीयकृत बैंकों का निदेशक नियुक्त करती है:—

सारणी

1	2	3
1. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	श्री के. श्रीनिवासन, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री एन. एन. मुखर्जी

New Delhi, the 24th December, 1993

S.O. 372.—It is notified for general information that M/s. Manoj Housing Finance Company Limited, 501, Blue Moon Apartment, Lith Road, Bandra, Bombay-400 050 have been approved by the Central Government as a Housing Finance Company for the purposes of Section 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961 for the assessment years 1993-94 to 1995-96.

2. The approval is subject to the condition that the company will conform to and comply with the provisions under section 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961.

[Notification No. 9435/F. No. 204/50/91-ITA.II]

AJAY KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1993

का.आ. 373.—यह सामान्य सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के प्रयोजनार्थ मैसर्स परिवार फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, 104, गजानन मार्केट, ओल्ड काटन मार्केट, अकोला, महाराष्ट्र को केन्द्रीय सरकार आवास वित्त कंपनी के रूप में निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए अनुमोदित करती है।

2. इसका अनुमोदन इन शर्तों पर किया जाता है कि कंपनी आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत निहित प्रावधानों के अनुरूप होगी और उनका अनुपालन करेगी।

[अधिसूचना सं. 9436/फा. सं. 204/2/92-आयकर नि-II]

अजय कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 24th December, 1993

S.O. 373.—It is notified for general information that M/s. Pariwar Finance Company Limited, 104, Gajanan Market, Old Cotton Market, Akola, Maharashtra have been approved by the Central Government as a Housing Finance Company for the purpose of Section 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961 for the assessment years 1992-93 to 1994-95.

2. The approval is subject to the condition that the company will conform to and comply with the provisions under section 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961.

[Notification No. 9436/F. No. 204/2/92-ITA.II]

AJAY KUMAR, Under Secy.

1	2	3
2. केनरा बैंक	श्री ए. के. जैन, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री के. श्रीनिवासन
3. बैंक ऑफ इंडिया	श्रीमती राजलक्ष्मी निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री के. श्रीनिवासन
4. देना बैंक	श्री डी. आर. एस. चौधरी निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री बाई. पी. सेठी
5. बैंक ऑफ महाराष्ट्र	कु. मोना शर्मा, संयुक्त निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री बाई. पी. सेठी
6. इलाहाबाद बैंक	डा. अरविन्द विरमानी सलाहकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, आर्थिक प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री के. जी. गोयल

[सं. एफ. 9/41/91—बी. जो. 1(1)]

एम. एस. सीतारामन, अव्वर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, 12th January, 1994

S. O. 374.—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints the persons specified in column (2) of the Table below as Directors of the nationalised banks specified in column (1) thereof in place of the persons specified in column (3) of the said Table :

TABLE

1	2	3
1. Central Bank of India	Sh. K. Srinivasan, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. N.N. Mookerjee.
2. Canara Bank	Sh. A.K. Jain, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. K. Srinivasan

1	2	3
3. Bank of India	Smt. Rajalakshmi, Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. K. Srinivasan
4. Dena Bank	Sh. D.R.S. Chowdhary, Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. Y.P. Sethi.
5. Bank of Maharashtra	Kum. Mona Sharma, Joint Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. Y.P. Sethi.
6. Allahabad Bank	Dr. Arvind Virmani, Adviser, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Economic Division, New Delhi.	Sh. K.G. Goel

[No. F. 9/41/91-B.O.I.(i)]
M.S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का. आ. 375.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खण्ड 3 के उपखण्ड (ज) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा नीचे दी गई सारणी के कालम (2) में निर्दिष्ट व्यक्तियों को उक्त सारणी के कालम (3) में निर्दिष्ट व्यक्तियों के स्थान पर कालम (1) में निर्दिष्ट राष्ट्रीयकृत बैंकों का निदेशक नियुक्त करती है :-;

सारणी

1	2	3
ग्रान्धा बैंक	श्रीमती अनिता कपूर, निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली।	श्री पी. एन. रामामूर्ति
विजया बैंक	श्री सुधीर भागवत, उप सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली।	श्री के. जी. गोयल

[संख्या एक. 9/41/91-बी. ओ. I(ii)]
एम. एस. सीतारामन, अवसर सचिव

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 375.—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government hereby appoints the persons specified in column (2) of the Table below as Directors of the nationalised banks specified in column (1) thereof in place of the persons specified in column (3) of the said Table :

TABLE

1	2	3
1. Andhra Bank	Smt. Anita Kapur, Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. P.N. Ramamoorthy
2. Vijaya Bank	Shri Sudhir Bhargava, Deputy Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. K.G. Goel

[No. F. 9/41/91-B.O.I. (ii)]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का. आ. 376.—भारतीय औद्योगिक पुर्ननिर्माण बैंक अधिनियम, 1984 (1984 का 62) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के उपखण्ड (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एन. एन. मुखर्जी संयुक्त सचिव वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली को श्री दिनेश चन्द्र के स्थान पर भारतीय औद्योगिक पुर्ननिर्माण बैंक के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं. एफ 9/41/91-बी. ओ.-1 (iii)]

एम. एस. सीतारामन, अवर सचिव

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 376.—In pursuance of sub-section (i) of clause (e) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984), the Central Government hereby nominates Shri N. N. Mookerjee, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi, as a Director of the Industrial Reconstruction Bank of India vice Shri Dinesh Chandra.

[No. F. 9/41/91B.O. (iii)]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का. आ. 377.—भारतीय निर्यात आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ङ) के उपखण्ड (स) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार,

एतद्वारा डा. शंकर एन. आचार्य, मुख्य आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (आर्थिक प्रभाग), नई दिल्ली को श्री अशोक वी. देसाई के स्थान पर भारतीय निर्यात-आयात बैंक के निदेशक पद पर निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं. 9/41/91-बी. ओ. I(iv)]

एम. एस. सीतारामन, अवर सचिव

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 377.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (e) of sub-section (1) of section 6 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government hereby nominates Dr. Shankara N. Acharya, Chief Economic Adviser, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Economic Division), New Delhi as a Director of the Board of Directors of the Export-Import Bank of India vice Shri Ashok V. Desai.

[No. F. 9/41/91-B.O.I.(iv)]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का. आ. 378.—भारतीय निर्यात आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ङ) के उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ए. के. जैन, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली को श्री आर. व्ही गुप्ता के स्थान पर भारतीय निर्यात-

आयात बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में मनोनीत करती है।

[संख्या एफ 9/41/91-बी. ओ. I (V)]

एम. एम. सीतारामन, अवर सचिव

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 378.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government hereby nominates Shri A. K. Jain, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Banking Division), New Delhi, as a Director of the Board of Directors of the Export-Import Bank of India vice Shri R. V. Gupta.

[No. F. 9/41/91-B.O.I.(v)]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का. आ. 379.—भारतीय स्टेट बैंक (अनुपंगी बैंक) अधिनियम 1959 (1959 का 38) की प्रांग 25 की उपप्रांग

(1) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बाई. पी. सेठी, उप सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली का श्रीमती अनिता कपूर के स्थान पर स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं. एफ. 9/41/91-बी. ओ. I (vi)]

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 379.—In pursuance of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the Central Government, hereby nominates Shri Y. P. Sethi, Deputy Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi, as a Director of State Bank of Hyderabad vice Smt. Anita Kapur.

[No. F. 9/41/91-B.O.I.(vi)]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.आ. 380.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 12-1-1994 की अधिसूचना सं. एफ. 9/41/91—बी. ओ. 1(1) का अधिग्रहण करते हुए और राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण डाबधस्कीम) 1970 के खण्ड 7 के उप खण्ड (ज) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा नीचे दी गयी सारणी के कालम (2) में निर्दिष्ट व्यक्तियों को उक्त सारणी के कालम (3) में निर्दिष्ट व्यक्तियों के स्थान पर कालम (1) में निर्दिष्ट राष्ट्रीयकृत बैंकों का निदेशक नियुक्त करती है :—

सारणी

1	2	3
1. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	श्री के. श्रीनिवासन, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री एन. एन. मुखर्जी
2. केनरा बैंक	श्री ए. के. जैन, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री के. श्रीनिवासन
3. बैंक ऑफ इंडिया	श्रीमती राजलक्ष्मी, निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री के. श्रीनिवासन

1	2	3
4. बैंक ऑफ महाराष्ट्र	कु. मोना शर्मा, संयुक्त निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री बाई. पी. सेठी
5. इलाहाबाद बैंक	डा. अरविन्द विरमानी सलाहकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, आर्थिक प्रभाग, नई दिल्ली।	श्री के. जी. गोयल

[सं. एफ. 9/41/91-बी.ओ. 1 (i)]

एम. एस. सीतारामन, अवर सचिव

New Delhi, 17th January, 1994

S.O. 380.—In supersession of Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) 's notification No. F. 9/41/91-B.O.I. (i) dated 12th January, 1994, and in pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management) and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints the persons specified in column (2) of the Table below as Directors of the nationalised banks specified in column (1) thereof in place of the persons specified in column (3) of the said Table :

TABLE

1	2	3
1. Central Bank of India	Sh. K. Srinivasan, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. N.N. Mookerjee
2. Canara Bank	Sh. A.K. Jain, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. K. Srinivasan
3. Bank of India	Smt. Rajalakshmi, Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. K. Srinivasan
4. Bank of Maharashtra	Kum. Mlna Sharma, Joint Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. Y.P. Sethi.
5. Allahabad Bank	Dr. Arvind Virmani Adviser, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi.	Sh. K.G. Goel

[No. F. 9/41/91-B.O.I(i)]

M.S.SEETHARAMAN, Under Secy.

समाहृतिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क

अधिसूचना संख्या 275/1993

इन्दौर, 20 दिसम्बर, 1993

का. भा. 381.—इन्दौर समाहृतिय के निम्नलिखित अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह "ख" निवर्तन आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-93 को अपरान्ह में सासकीय सेवा से निवृत्त हुए।

सर्व श्री

1 जी. एल. धीगरा

2 ए.यू. खान

[प. सं. 11(3)9-गोप/93]

गोविन्द शे. तंपी, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

NOTIFICATION NO. 275/1993

Indore, the 20th December, 1993

S.O. 381.—The following Superintendents, Central Excise, Group 'B' of Indore Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government service on 31st October, 1993 in the afternoon.

1. Shri G. L. Dhingra.

2. Shri A. U. Khan.

[C. No. II(3)9-Con/93]

GOVINDAN S. TAMPI, Collector

अधिसूचना संख्या 276/1993

इन्दौर, 20 दिसम्बर, 1993

का.भा. 382.—श्री एन. धार. धावनकर, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह "क" समाहृतिय इन्दौर निवर्तन आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-93 को अपरान्ह में शासकीय सेवा में निवृत्त हुए।

[फा. सं. 11(3) 9-गोप/93]

गोविन्द शे. तंपी, समाहर्ता

NOTIFICATION NO. 276/1993

Indore, the 20th December, 1993

S.O. 382.—Shri N. R. Dhawankar, Assistant Collector, Central Excise, Group 'A' of Indore Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government service on 31st October, 1993 in the afternoon.

[C. No. II(3)9-Con/93]

GOVINDAN S. TAMPI, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

प्रादेश

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1994

का. भा. 383.—केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण) और निरीक्षक अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक समीचीन है कि सन भाग का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए,

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) 178 GI/94—2

(नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है,

अतः सब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आशेष या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसकी राजपत्र को आदेश युक्त प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतानीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद प्राप्ति टावर, ग्यारहवीं मंजिल 26 राजेन्द्र प्लेन, नई दिल्ली -110008 को भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करता कि सब भाग का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा ;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में सन भाग श्रेणीकरण और बिन्हाकन नियम, 1942 के अनुसार निरीक्षण का यह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे सन भाग पर लागू होगा,

(3) सन भाग श्रेणीकरण और बिन्हाकन नियम, 1942 के अधीन बनाई गयी श्रेणी, अधिदान को मान्यता देना ;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में सन भाग के निर्यात को सब तक प्रतिबन्धित करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण) और निरीक्षण अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश की कोई भी बात एक किनोशन (शुद्ध) भार से अधिक सन भाग के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में सन भाग से भारत में उद्भासित सन भाग अभिप्रेत है।

[फाईल सं. 6/2/93-ई आई एच ई पी]

कुनारी सुभा मुख्या निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 383.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Sann Hemp should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of

the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Sann Hemp shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Sann Hemp, Grading and Marking Rules, 1942 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Sann Hemp prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Sann Hemp Grading and Marking Rules, 1942;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Sann Hemp unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Sann Hemp not exceeding one kilogramme in weight (nett).

3. In this Order Sann Hemp means Sann Hemp produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. मा. 384.—केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि तंबाकू का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षाानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है ;

मतः ध्या, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आपेक्ष यह सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसकी राजपत्र को आदेश मुक्त प्रतिप्रेषणता को उपलब्ध करा दी जाती है पेंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद प्रगति टावर, रजद्वी मंजिस, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि तंबाकू का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा ;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में तंबाकू श्रेणीकरण और चिह्नकन नियम, 1937 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे तंबाकू पर लागू होगा

(3) तंबाकू श्रेणीकरण और चिह्नकन नियम, 1937 के अधीन बनाई गयी श्रेणी, अभिधान को मान्यता देना ;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में तंबाकू के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अभिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश को कोई भी बात एक किलोग्राम (सकल) भार से अधिक तंबाकू के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3 इस आदेश में तंबाकू से भारत में उत्पादित धूम्र संसाधित बिरजीनिया, धूप संसाधित बिरजीनिया, स्मॉक और मोतीहारी तंबाकू अभिप्रेत है।

[फाईल सं 6/2 /93-ई आई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुबबान्णा निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 384.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Tobacco should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Tobacco shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Tobacco prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Tobacco unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Tobacco not exceeding one kilogramme in weight (nett).

3. In this Order 'Tobacco' means Flue-cured virginia, Sun-cured virginia, White barley, Natu and Motihari Tobaccos produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

भादेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. घा. 385—केन्द्रीय सरकार की नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि शूक का निर्यात में पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए,

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं, और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है;

प्रतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2 यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई प्रश्न या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसको राजपत्र की आदेश, युक्त प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं पचासीवें दिन के भीतर नियति निरीक्षण परिषद प्रगति टावर, ग्यान्हर्वी मजिस्ट, 26 राजेन्द्र लेन नई दिल्ली 110008 को भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि शूक का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में शूक श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम 1950 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे शूक पर लागू होगा;

3. शूक श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1950 के अधीन बनाई गई श्रेणी, अधिवास को मान्यता देना;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अनुक्रम में शूक के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुक्रम में ही और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश की कोई भी बात 225 ग्राम सकल भार से अधिक शूक के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में शूक से मुधर शूकर और ब्राह्म से अभिप्राप्त और भारत में उत्पादित पशुतूल के शूक अभिप्रेत हैं।

[फाईल सं. 6/2/93 ई आई एण्ड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बान्णा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 385.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Bristles should be subject quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Bristles shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Bristles Grading and Marking Rules, 1950 as the type of quality control and inspection which shall apply to much Bristles prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Bristles Grading and Marking Rules, 1950;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Bristles unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Bristles not exceeding 225 grammes in weight (nett).

3. In this Order 'Bristles' means Bristles of animal origin obtained from pigs, hogs and boars and produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

भादेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. घा. 385—केन्द्रीय सरकार की नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है कि नैमनग्राम तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं, और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसको राजपत्र की आवेदन युक्त प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर ग्यारहवीं मंजिल, 26 राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि लैमनग्रास तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा ;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में आवश्यक तेल श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1954 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे लैमनग्रास तेल पर लागू होगा ;

(3) आवश्यक वस्तु श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1954 के अधीन बनाई गयी श्रेणी अभिधान को मान्यता देना ;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में लैमनग्रास तेल के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1993 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अभिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश की कोई भी बात दो किलोग्राम सकल भार से अधिक लैमनग्रास तेल के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में लैमनग्रास तेल से भारत में उत्पादित लैमनग्रास तेल अभिप्रेत है।

[फाईल सं० 6/2/93 ई.आर.एण्ड ई.पी.]

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 386.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Lemongrass Oil should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Lemongrass Oil shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Essential Oil Grading and Marking Rules, 1954 as the type of quality control and inspection which shall apply to such;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Essential Oil Grading and Marking Rules, 1954;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Lemongrass Oil unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Lemongrass Oil not exceeding two kilogrammes in weight (gross).

3. In this Order 'Lemongrass Oil' means Lemongrass Oil produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. प्रा. 387.—केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और [समीचीन है कि उन का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2 यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से राजपत्र की आदेश युक्त प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, ग्यारहवीं मंजिल, 26 राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली -110008 को भेज सकते हैं;

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि उन का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा ;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में उन श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम 1961 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे उन पर लागू होगा ;

(3) उन श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम 1961 के अधीन बनाई गई श्रेणी अभियान को मान्यता देना ;

प्रावेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में ऊन के निर्यात को तब तक प्रतिबंधित करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा जारी किया प्रमाणपत्र न हो।

2. इस प्रादेश की कोई भी बात 2.5 किलोग्राम सकल भार से अधिक ऊन के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस प्रादेश में ऊन से भेड़ से अभिप्राप्त और भारत में उत्पादित ऊन अभिप्रेत है।

[फाइल सं. 6/2/93-ई आई एण्ड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बन्ना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 387.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Wool should be subject to quality control and inspection prior to export ;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Wool shall be subject to quality control and inspection prior to export ;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Wool Grading and Marking Rules, 1961 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Wool prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Wool Grading and Marking Rules, 1961;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Wool unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Wool not exceeding 2.5 kilogrammes in weight (nett).

3. In this Order 'Wool' means Wool obtained from sheep and produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

का. भा. 388—केन्द्रीय सरकार का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि चंदन काष्ठ तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की प्रपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है;

प्रतः प्रब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करता है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आपत्ति या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसकी राजपत्र को प्रावेश युक्त प्रतियां जनता की उपलब्ध करा दी जाती हैं पैंतालास दिन के भीतर नियति निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, ग्याङ्गुवी मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि चंदन काष्ठ तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में चंदन काष्ठ तेल श्रेणीकरण और चिन्होक्कन नियम, 1954 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे चंदन काष्ठ तेल पर लागू होगा;

(3) चंदन काष्ठ तेल श्रेणीकरण और चिन्होक्कन नियम, 1954 के अधीन बनाई गयी श्रेणी, अभियान को मान्यता देना;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में चंदन काष्ठ तेल के निर्यात को तब तक प्रतिबंधित करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस प्रादेश की कोई भी बात 40 तोला (सकल) भार से अधिक चंदन काष्ठ तेल के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस प्रादेश में चंदन काष्ठ तेल से भारत में उत्पादित चंदन काष्ठ तेल अभिप्रेत है।

[फाइल सं. 6/2/93-ई आई एण्ड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बन्ना, निदेशक

New Delhi, the 17th January, 1994

ORDER

S.O. 388.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Sandalwood Oil should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Sandalwood Oil shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Sandalwood Oil Grading and Marking Rules, 1954 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Sandalwood Oil prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Sandalwood Oil Grading and Marking Rules, 1954;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Sandalwood oil unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Sandalwood Oil not exceeding 40 Tolas in weight (gross).

3. In this Order 'Sandalwood Oil' means Sandalwood Oil produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. आ. 389—केन्द्रीय सरकार को निर्यात वालिडो नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए करना आवश्यक और सर्वांगीण है कि बकरी बाल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अवशानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों को जानकारी के लिए प्रकाशित करता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसकी राजपत्र की आदेश युक्त प्रतियाँ जनता की उपलब्ध करा दी जाती हैं, पेंतालिस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, म्यारट्टी गेट, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि बकरी बाल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में बकरी बाल श्रेणीकरण और चिह्नंकन नियम, 1960 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे बकरी बाल पर लागू होगा;

(3) बकरी बाल श्रेणीकरण और चिह्नंकन नियम, 1960 के अधिन बतवाई गयी श्रेणियों, अभियान की मान्यता देना

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में बकरी बाल के निर्यात को जब तक प्रतिबन्धित करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधिन स्थापित किया गया निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उक्त धारा के अधिन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र नहीं।

2. इस आदेश को कोई भी बात 0.500 किलोग्राम (सकल) भार के अधिक बकरी बाल के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में बकरी बाल से भारत में उत्पादित बकरी बाल अभिप्रेत है।

[फाईल सं. 6/2/93-ईआईएण्ड ईपी]

कुमारी. सुमा सुबबन्ना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 389.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Goat Hair should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with res-

pect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Goat Hair shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Goat Hair Grading and Marking Rules, 1960 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Goat Hair prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Goat Hair Grading and Marking Rules, 1960;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Goat Hair unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Goat Hair not exceeding 0.500 kilogramme in weight (nett).

3. In this Order 'Goat Hairs' means Goat Hairs obtained from Goats and produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.प्र. 390 -- केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि बोड़ो तंबाकू का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे बिलिंदिट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की प्रवृत्तानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है,

धन: इस, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों को जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने का संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की वास्तविक कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस मारग में जिसको राजपत्र की आदेश युक्त प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी जायें हैं पैनावास बिन के भोतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, 11वीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं;

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि बोड़ो तंबाकू का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में बोड़ो तंबाकू श्रेणिकरण और चिन्हांकन नियम, 1947 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार बिलिंदिट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे वाडा तंबाकू पर लागू होगा,

(3) बोड़ो तंबाकू श्रेणिकरण और चिन्हांकन नियम, 1947 के अधीन बनाई गई श्रेण, अभिधान को मान्यता देना,

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में बोड़ो तंबाकू के निर्यात को जब तक प्रतिबिद्ध करना जब तक कि वह उक्त मातृ मानक बिलिंदिटों के अनुसरण में हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सहायकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) का धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र नहीं।

2. इस आदेश का कोई भी भाग एक किर्लोयान (सकल) भाग से अतिरिक्त बोड़ो तंबाकू के वाणिज्यिक नमूनों के समूह, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगा।

3. इस आदेश में बोड़ो तंबाकू से भारत में उत्पादित तंबाकू को लाल चपोंदिया या जूटो किस्म या बाइल तंबाकू पत्रक 18 अभिप्रेत है।

[फाईल नं. 6/2/93-ई आई एंड ई पा]

कुमारो सुमा सुबबान्ना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 390.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Bidi Tobacco should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

प्रस्ताव

1. (1) To notify that Bidi Tobacco shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Bidi Tobacco Grading and Marking Rules, 1960 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Bidi Tobacco prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Bidi Tobacco Grading and Marking Rules, 1947;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Bidi Tobacco unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by and agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Bidi Tobacco not exceeding one kilogramme in weight (nett).

3. In this Order 'Bidi Tobacco' means Lal Chapodia or Judi varieties of tobacco or bidi tobacco flakes produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

प्रदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.प्र. 391 -- केन्द्रीय सरकार को निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि पाम रोसा तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) का अधेक्षणानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है,

प्रतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों का वास्तविक कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसको राजपत्र को आदेश युक्त प्रतियाँ भेजना की उपलब्ध करा दी जाती हैं, तैत्तल्य दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, प्यारगटो मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं;

1. (1) यह अधिसूचित करना कि पाम रोसा तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में आवश्यक तेल श्रेणीकरण और चिह्निकन नियम, 1954 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे पामरोसा तेल पर लागू होगा;

(3) आवश्यक तेल श्रेणीकरण और चिह्निकन नियम, 1954 के अधिन बनाई गयी श्रेणी, अधिधान को मान्यता देना;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में पामरोसा तेल के निर्यात को जब तक प्रतिबद्ध करना जब तक कि वह उसे सामू मानक विनिर्देशों के अनुक्रम न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को धारा 7 के अधिन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधिन मान्यताप्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश को कोई भी बात 250 ग्राम (सकल) भार से अधिक पामरोसा तेल के बाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में पामरोसा तेल से भारत में उत्पादित पामरोसा तेल अभिग्रेत है।

[फाईल सं. 6/2/93-ई आई एण्ड ई सी]

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 391.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Palmarosa Oil should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

1. (I) To notify that Palmarosa shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the essential oil Grading and Marking Rules, 1954 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Palmarosa prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the essential oil Grading and Marking Rules, 1954;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Palmarosa oil unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Palmarosa Oil not exceeding 250 grammes in weight (gross).

3. In this Order 'Palmarosa Oil' means Palmarosa Oil produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.आ. 392 --केन्द्रीय सरकार को निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1962 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि हरीतकी का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना आवश्यक है।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षाकृत निर्यात निरीक्षण परिपक्व भी भेजा है;

आ. अर केन्द्रीय सरकार, उक्त उद्देश्य के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों को जानकारी के लिए प्रकाशित करता है जिनके उनसे प्रभावित होने का संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों को जानने की इच्छा या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसकी गणना की आदेश युक्त प्रतियाँ जनता की उपलब्ध करा दी जाती हैं, पंचांगम रि. के अंतर्गत निर्यात निरीक्षण परिपक्व, प्रति डावर, गोरहरी मंदिर, 26 मई 1994, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिनियमित करता कि हरीतकी का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में हरीतकी अपेक्षाकरण और चिह्निकन नियम, 1962 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे हरीतकी पर लागू होगा;

(3) हरीतकी अपेक्षाकरण और चिह्निकन नियम, 1962 के अधीन बनाई गयीं श्रेणियाँ, अभिधान और मान्यता देना,

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में हरीतकी के निर्यात को तब तक प्रतिषेध करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुक्रम में ही और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यताप्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश की कोई भी बात 1000 ग्राम (सकल) भार से अधिक हरीतकी के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में हरीतकी से भारत में उत्पादित हरीतकी अभिप्रेत है।

[फाइल नं. 6/2/93-ईआई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुब्बाना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 392.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Myrobalans should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 25-Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Myrobalans shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Myrobalans Grading and Marking Rules, 1962 as the type of quality control and

inspection which shall apply to such Myrobalans prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Myrobalans Grading and Marking Rules, 1960;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Myrobalans unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by and agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Myrobalans not exceeding 1000 grammes in weight (gross).

3. In this Order 'Myrobalans' means Myrobalans produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.प्र. 393 -- केन्द्रीय सरकार को निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रस्तावित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और सही है कि अखरोट का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षाानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करारित है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आपत्ति या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसकी राजपत्र की प्रतिलिपि प्रतियाँ जनता को उपलब्ध कर दी जाती हैं, पतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, ग्यारहवीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि अखरोट का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा।

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में अखरोट श्रेणीकरण और चिह्निकन नियम, 1963 के अनुसार निरीक्षण का यह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे अखरोट पर लागू होगा।

(3) अखरोट श्रेणीकरण और चिह्निकन नियम, 1963 के अधोक्त बनाई गयी श्रेणी, अभिधान को मान्यता देना।

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में अखरोट के निर्यात को तब तक प्रतिबन्धित करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप हो और उसके साथ भारत सरकार के द्वारा निर्यात सहायकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किमी. निर्यात निरीक्षण अभिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यताप्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश को कोई भी बात 2,500 किलोग्राम (सकल) भार से अधिक अखरोट के वाणिज्यिक नमूनों के सूद, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगा।

3. इस आदेश में अखरोट से भारत में उत्पादित अखरोट अभिप्रेत है।

[फाईम सं. 6/2/93-ई आई एंड ई ए]

कुमारी सुमा सुब्बान्ना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 393.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Walnuts should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same, within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council Pragati Power, 11th floor, 20-Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Walnuts shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection is accordance with the Walnuts Grading and Marking Rules 1963 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Walnuts prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Walnuts Grading and Marking Rules, 1963;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Walnuts unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Walnuts not exceeding 2,500 kilogrammes in weight (nett).

3. In this Order 'Walnuts' means Walnuts produced in India.

[File No. 6/2/93-El&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.आ. 394.—केन्द्रीय सरकार का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के निम्नलिखित कारणावली और समर्थन है कि टेबल पोटेटो का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (3) का अधिनियम द्वारा निर्यात निरीक्षण परिषद की सेवा है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों की उन बातों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने का संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसका राजपत्र का आदेश युक्त प्रतियाँ जनता की उपलब्ध करा दी जाती हैं, पचास दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, ग्यारहवीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1 (1) यह अधिसूचित करना कि टेबल पोटेटो का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में टेबल पोटेटो श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1964 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे टेबल पोटेटो पर लागू होगा;

(3) टेबल पोटेटो श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1964 के अधिनियम बनाई गयी श्रेणी, अधिष्ठान का मान्यता देना;

(4) आंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में टेबल पोटेटो के निर्यात को तब तक प्रतिबंधित करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुक्रम न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विभाग सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963

(1963 का 22) की धारा 7 के अधिनियम स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिनियम द्वारा या उस धारा के अधिनियम मान्यताप्राप्त किसी अन्य अधिनियम द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश का कोई भी बात दो किलोग्राम (सकल) भार से अधिक टेबल पोटेटो के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात का लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में टेबल पोटेटो से भारत में उत्पादित टेबल पोटेटो अभिप्रेत है।

[फाईल सं. 6/2/93-ई आर्डीएण्ड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बान्ना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 394.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Table Potatoes should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Table Potatoes shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Table Potatoes Grading and Marking Rules, 1964 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Table Potatoes prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Table Potatoes Grading and Marking Rules, 1964;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Table Potatoes unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government

of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Table Potatoes not exceeding two kilogrammes in weight (gross).

3. In this Order 'Table Potatoes' means Table Potatoes produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.आ. 395.—केन्द्रीय सरकार की नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) का धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि पशु के सिंग का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) का अधेक्षानुसार नियति निरीक्षण परिपद को भेजा है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है ।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आशय या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसको राजपत्र की आदेश यथा प्रतियां जनता की उपलब्ध करा दी जाती हैं, पंचांगम दिन के भीतर नियति निरीक्षण परिपद, प्रगति टावर, ग्यारहवीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं ।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि पशु के सिंग का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा ;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में पशु के सिंग श्रेणीकरण और चिह्नित निधम, 1964 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे पशु के सिंग पर लागू होगा ;

(3) पशु के सिंग श्रेणीकरण और चिह्नित निधम, 1964 के अधीन बनाई गयी श्रेणी, अभिधान का मान्यता देना ;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में पशु के सिंग के निर्यात को जब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस द्वारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो ।

2. इस आदेश की कोई भी बात 500 ग्राम (सकल) भार से अधिक पशु के सिंग के वाणिज्यिक नमूनों के समूह, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात की लागू नहीं होगी ।

3. इस आदेश में पशु के सिंग से ऊपर (गाय, भैंस) भेड़, बकरी और मुँधर ने अभिप्राय और भारत में उत्पादित पशु के सिंग अभिप्रेत है ।

[फाईल सं. 6/2/93-ई आई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुबबाना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 395.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Animal Casings should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Animals Casings shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Animal Casings Grading and Marking Rules, 1964 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Animal Casing prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Animal Casings Grading and Marking Rules, 1964;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Animal Casings unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Animal casings not exceeding 500 grammes in weight (gross).

3. In this Order 'Animal casing' means casings obtained from cattle (Cow, Buffalo) Sheep, Goats and Pigs and produced in India.

IFile No. 6/2/93-El&EP

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.प्रा. 396.—केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समर्थित है कि प्याज का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए,

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण पत्रिका की सेवा है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उपयोगी की जाणकारी के लिए प्रकाशित करता है जिसके उनसे प्रभावित होने का सम्बन्ध है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसकी राजपत्र की आदेश युक्त प्रतियाँ जनता की उपलब्ध करा दी जाती हैं, पचास दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, प्यारहवीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 की भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिमूर्चित करना कि प्याज का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा,

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में श्रेणीकरण और चिह्नकन नियम, 1964 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे प्याज पर लागू होगा;

(3) प्याज श्रेणीकरण और चिह्नकन नियम, 1964 के अर्धन बनाई गये श्रेणी, अभिधान को मान्यता देना;

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में प्याज के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि वह उने लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सहायकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अर्धन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अर्धन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश की कोई भी बात दो किर्लोस्कर (नकल) भार से अधिक प्याज के बाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा निर्यात की लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में प्याज से भारत में उठावित प्याज अभिप्रेत है।

[फाईल सं. 6/2/93-ईआईएनईपी]

कुमारी सुमा सुब्बान्ना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 396.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Onion should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi - 110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Onion shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Onion Grading and Marketing Rules, 1964 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Onion prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Onion Grading and Marking Rules, 1964;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Onion unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Onion not exceeding two kilogrammes in weight (gross).

3. In this Order 'Onion' means Onion produced in India.

[File No. 6/2/93-El&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी 1994

का.आ. 397.—केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि तेंदु पत्ता (बीडी रैपर) का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों को जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आपेक्ष या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसको राजपत्र की आदेश युक्त प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, ग्यारहवीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिमूर्खित करना कि तेंदु पत्ता (बीडी रैपर) का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में तेंदुपत्ता (बीडी रैपर) श्रेणीकरण और चिह्नंकन नियम, 1963 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे तेंदु पत्ता (बीडी रैपर) पर लागू होगा;

(3) तेंदु पत्ता (बीडी रैपर) श्रेणीकरण और चिह्नंकन नियम, 1963 के अधीन बनाई गयी श्रेणी, अभिधान को मान्यता देना;

(1) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में तेंदु पत्ता के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अभिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश की कोई भी बात दो किलोग्राम (सकल) भार से अधिक तेंदु पत्ता के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में तेंदु पत्ता से भारत में उत्पादित तेंदु पत्ता अभिप्रेत है।

[फाईल सं. 6/2/93-ई आई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुबबन्ना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 397.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is

necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Tendu (Bidi Wrapper) leaf should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi - 110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Tendu Leaf shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Tendu (Bidi Wrapper) Leaf Grading and Marking Rules, 1963 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Tendu Leaves prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Tendu (Bidi Wrapper) Leaf Grading and Marking Rules, 1963;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Tendu Leaves unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Tendu Leaves not exceeding two kilogrammes in weight (nett).

3. In this Order 'Tendu Leaves' means Tendu Leaves produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.आ. 398. —केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि बेटरीवल तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आपत्ति या सूझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसकी राजपत्र की आदेश यक्त प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, स्मारकी मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं;

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि बेटरीवल तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में बेटरीवल तेल श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1954 के अनुसार निरीक्षण का यह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे बेटरीवल तेल पर लागू होगा;

(3) बेटरीवल तेल श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1954 के अधीन बनाई गयी श्रेणी, अधिघात को मान्यता देना;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में बेटरीवल तेल के निर्यात को नष्ट तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुक्रम में न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण), अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश की कोई भी बात 50 ग्राम (सकल) भार से अधिक बेटरीवल तेल के वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, सूँ में या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में बेटरीवल तेल का भारत में उत्पादित बेटरीवल तेल अभिप्रेत है।

[फाईल सं. 6/2/93-ई आई एंड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 398.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Oil of Vetrivel should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule

11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Praga'i Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Oil of Vetrivel shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Oil of Vetrivel Grading and Marking Rules, 1954 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Oil of Vetrivel prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formula'ed under the Oil of Vetrivel Grading and Marking Rules, 1954;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Oil of Vetrivel unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Oil of Vetrivel not exceeding 50 grammes in weight (nett).

3. In this Order 'Oil of Vetrivel' means Oil of Vetrivel produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.प्रा. 399.—केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि इस आदेश के साथ उपावद्ध अनुसूची के अनुसार वनस्पति तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाना चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाब में कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसको राजपत्र की आदेश युक्त प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, प्रगति टावर, ग्यारहवीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं;

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि वनस्पति तेल का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में वनस्पति तेल श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1955 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे वनस्पति तेल पर लागू होगा;

(3) वनस्पति तेल श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1955 के अधीन बनाई गयी श्रेणी, अभिधान को मान्यता देना,

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में वनस्पति तेल के निर्यात को तब तक प्रतिबद्ध करना जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन गलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अधिकरणों द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो।

2. इस आदेश की कोई भी बात जो क्लोग्राम सकल भार से अधिक ऐसे वनस्पति तेल के जो अनुसूची में विनिर्दिष्ट ह वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में वनस्पति तेल से अनुसूची में विनिर्दिष्ट और भारत में उत्पादित तेल अभिप्रेत है।

अनुसूची

1. एरंड तेल
2. मूंगफली का तेल
3. अलसी का तेल
4. बिनीला तेल
5. सूर्यमुखी तेल

[फाईल सं. 6/2/93-ई आई एण्ड ई पी]

कुमारी सुमा सुबबन्ना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 399.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Vegetable Oil as per Schedule annexed with this Order should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said

proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi - 110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Vegetable Oil shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Vegetable Oil Grading and Marking Rules, 1955 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Vegetable Oil prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Vegetable Oil Grading and Marking Rules, 1955;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Vegetable Oils as specified in the Schedule unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Vegetable Oils as specified in the schedule not exceeding two kilogrammes in weight (nett.).

3. In this Order 'Vegetable Oils' mean the oils as specified in the schedule and produced in India.

SCHEDULE

1. Castor Oil
2. Ground nut Oil
3. Linseed Oil
4. Cotton seed Oil
5. Sunflower Oil

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. शा. 400.—केन्द्रीय सरकार की नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि इस आदेश के साथ उपाबद्ध अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट दारों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी और निरीक्षण किया जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव तैयार किए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) को प्रोत्साहित निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है,

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त उपाबद्ध के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें उस तारीख से जिसको राजपत्र की आदेश युक्त प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद प्रगति टावर, ग्यारहवीं मंजिल 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकते हैं ;

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि वालों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा;

(2) क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में वालों श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1964 के अनुसार निरीक्षण का वह प्रकार चिनिदिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसी वालों पर लागू होगा;

(3) वालों श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1964 के अधिन बनाई गयी श्रेणी, अधिघात को मान्यता देना;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में वालों के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि वह उसे लागू मानक चिनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्यात निरीक्षण अधिकरण द्वारा या उस धारा के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अधिकरण द्वारा जारी किया प्रमाण पत्र न हो ।

2. इस आदेश की कोई भी बात दो किलोग्राम (मकल) भार से अधिक ऐसी वालों के जो अनुसूची में चिनिदिष्ट हैं वाणिज्यिक नमूनों के समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी ।

3. इस आदेश में वालों से अनुसूची में यथाचिनिदिष्ट और भारत में उत्पादित वालों अभिप्रेत हैं ।

[फाइल नं. 6/2/93-ई आई एंड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बान्णा, निदेशक

अनुसूची

1. मूंग (साबुत, छिलका सहित और दली हुई)

2. उड़द—

(क) साबुत, छिलका सहित और दली हुई,

(ख) छिलका रहित दली हुई ।

3. भरहर (साबुत छिलका सहित और दली हुई)

4. लेटिल (मसूर) साबुत छिलका सहित और दली हुई ।

5. मटकी या मोठ (साबुत, छिलका सहित और दली हुई) ।

6. बंगालचना (साबुत, छिलका सहित और दली हुआ)

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 400.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Pulses as specified in the Schedule annexed to this Order should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

178 GI/94—4

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26-Rajendra Place, New Delhi-110 008.

PROPOSALS

1. (1) To notify that Pulses shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the Pulses Grading and Marking Rules, 1964 as the type of quality control and inspection which shall apply to such Pulses prior to export;

(3) To recognise the grade, designations formulated under the Pulses Grading and Marking Rules, 1964;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Pulses as specified in the Schedule unless it conforms to standard specifications applicable to it and accompanied by a certificate of inspection issued by Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

2. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Pulses as specified in the Schedule not exceeding two kilogrammes in weight (nett).

3. In this Order 'Pulses' means the Pulses as specified in the Schedule and produced in India.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

SCHEDULE

1. Green Gram (Whole, husked and split);
2. Black Gram—
 - (a) Whole, husked and split;
 - (b) Unhusked split
3. Red Gram (Whole, husked and split);
4. Lentil (Masoor) (Whole husked, and split);
5. Matki or Moth (Whole, husked and split);
6. Bengal Gram (Whole, husked and split).

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

आदेश

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1994

का.आ. 401.-में एग्रीकैल् हैबरीज एण्ड फूड्स लि., बम्बई को निर्यात संवर्धन पूंजीगत माल स्कीम के अंतर्गत गेल्बन मूची के अनुसार पूंजीगत माल के आयात के लिए 48,62,106 रुपये (अड़तालीस लाख बासठ हजार एक सौ छः रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस सं. पी/सी जी/2130274 दिनांक 12-3-93 मंजूर किया गया था ।

फर्म ने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन की अनुमति इस आधार पर जारी करने के लिए आवेदन किया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन की मूल-प्रति खो गई है अथवा ग़ुम हो गई है। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सीमाशुल्क मूल्य बम्बई में पंजीकृत कराई गई थी और 48,62,106 रुपये की राशि के लिए उसका इस्तेमाल किया गया है और शेष राशि शून्य बची है।

2. अपने तर्कों के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी कसब, बम्बई के समक्ष विधिवत शपथ लेकर स्टाम्प पेपर पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। तबनुसार मैं सन्तुष्ट हूँ कि फर्म से आयात लाइसेंस सं. पी/सी/जी/2130274 दिनांक 12-3-93 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है या ग़ुम हो गई है। यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (गग) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एपीटेक हेबरीक एंड फूड्स लि., बम्बई, को जारी की गई मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सं. पी/सी/जी/2130274 दिनांक 12-3-93 को एतद्वारा निरस्त किया जाता है।

3. पार्टी को उक्त लाइसेंस की दूसरी सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खलग से जारी की जा रही है।

[फा. सं. 18/एएम-93/1799/ई पी सी जी-2/588]

माया डी. केम, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(Office of the Director General of Foreign Trade)

ORDER

New Delhi, the 7th January, 1994

S.O. 401.—Agritech Hatcheries & Foods Ltd., Bombay were granted import licence No. P/CG/2130274 dated 12-3-93 for Rs. 48,62,106/- (Forty eight lakhs sixty two thousand one hundred and six only) import of CG as per list enclosed under EPCG Scheme.

The firm has applied for issue of duplicate copy of Custom purpose of the above mentioned licence on the ground that the original custom purpose copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the custom purpose copy of the licence was registered with Customs House, Bombay and has been utilised for a sum of Rs. 48,62,106 leaving an unutilised balance of Rs. NIL.

2. In support of their contention, the licence has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Bombay. I am accordingly satisfied that the original custom purpose copy of import licence No. P/CG/2130274, dt 12-3-93 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dt. 7-12-1955 as amended the said original custom purpose copy No. P/CG/2130274 dt. 12-3-93 issued to M/s. Agritech Hatcheries & Food Ltd., Bombay

3. A duplicate custom purpose copy of the said licence is being issued to the party separately.

[F. No. 18/AM/93/1799/EPCG-II/588]

MAYA D. KEM, Dy. Chief Controller of Import & Export

नागरिक प्रति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1994

का.प्रा. 402 —भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (i) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों का./के विवरण नीचे अनुसूची दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (को) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस : 26-1992 टिनके इंगट—विशिष्ट (चीथा पुनरीक्षण)	आईएस : 26-1979	92-08-31
2.	आईएस : 209-1992 जस्ते के इंगट—विशिष्ट (चीथा पुनरीक्षण)	आईएस : 209-1979	92-09-30
3.	आईएस : 328-192 यूकिलिप्टस ग्लोबुलस का तेल—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 328-1957	92-10-30
4.	आईएस : 405 (भाग 1)—1992 सीसे की चद्दर और पट्टियाँ—विशिष्ट भाग 1 रासायनिक प्रयोजनों हेतु (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 405 (भाग 1); 1977	92-10-31

(1)	(2)	(3)	(4)
5.	आईएस : 817 (भाग 1)—1992 बेल्टरो का प्रशिक्षण—रीति संहिता भाग 1 मैनुअल मैटल आर्क वेल्डिंग (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 817-1966	92-09-30
6.	आईएस : 902-1992 अग्निशमन प्रयोजनों हेतु चूषण होज कपलिंग— —विशिष्ट	आईएस : 902-1974	92-10-31
7.	आईएस : 1070-1992 अभिकर्मक पेड जल—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 1070-1977	92-09-30
8.	आईएस : 1326-1992 गैरकोनीफसीय स्वान इमारतों लकड़ी छाल और सेन्टलिंग—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1326-1976	92-10-31
9.	आईएस : 2630-1992 नाइट्रो-बैन्जीन—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस-2630-1973	92-10-31
10.	आईएस : 2705 (भाग 1)—1992 धारा ट्रांसफार्मर—विशिष्ट भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 2705 (भाग 1)—1981	92-10-31
11.	आईएस : 3644-1992 शल्य चिकित्सा यंत्र—धमनी बिमटी (ह्रासस्टेड मास्कीटो पैटर्न) आकार और आयाम (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 3644-1966	92-10-31
12.	आईएस : 4092 (भाग 1)—1992 औद्योगिक और व्यापारिक उपयोगों में प्रयुक्त वास्केट एवं बाडल तथा कंपन टाइप सेन्ट्रीगेज भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 4092-1981	92-11-30
13.	आईएस : 4839 (भाग 3)—1992 नहरों के रखरखाव की रीति संहिता भाग 3 नहर संरचना, जलनिकास, निकास, जंगल, सफाई पामेडेशन और नियंत्रण (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 4839 (भाग 3)—1979	92-07-31
14.	आईएस : 5933-1992 रोलिंग बेयरिंग—अस्टबाल बेयरिंग—छूटें (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 5933-1970	92-07-31
15.	आईएस : 6002-1992 बाक्स पानो हेतु टॉमी सरिए—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 6002-1971	92-10-31
16.	आईएस : 6390 (भाग 3)—1992 बिजली की घरेलू कपड़े धोने की मशीन विशिष्ट भाग 3 स्पिन निष्कर्षक हेतु अपेक्षाएं		92-09-30
17.	आईएस : 6680-1992 रेलगाड़ियों के लिए पंखे—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 6680-1972	92-10-31
18.	आईएस : 6831-1992 कास्टिक पोटाश—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 6831-1982	92-11-30
19.	आईएस : 6936-1992 नहर एम्पेक का स्थान चयन और द्रवचालित डिजाइन के मार्गनिर्देश (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 6936-1973	92-10-31
20.	आईएस : 7326 (भाग 1)—1992 जल विद्युत स्टेशन और प्रणाली तु पन स्टॉक और टरबाइन अंतर्गत के बटरफ्लाई वाल्व भाग 1 संरचना और द्रवचालित डिजाइन की कसौटी (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 7326 (भाग 1)—1974	92-10-31

(1)	(2)	(3)	(4)
21. आईएस 7328-1992 संचकन और एक्टूजन हेतु उच्च घनत्व पाली-इथाइलीन-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 7328-1974		92-08-31
22. आईएस : 9165 (भाग 2) 1992-शल्यक्रिया यंत्र-नीडिल, सुक्षर, भाग 1 नेट्र हेतु नीडिल-साइज, आकार, आयाम	—		2-10-31
23. आईएस : 9337 (भाग 3)-1992 वस्त्रादि मशीनरी और सहायकांग-बोबिन और निरनस-वर्गीकरण भाग 3 प्लास्टिक फ्लायर बोबिन	—		92-10-31
24. आईएस : 9764 (भाग 1)-1992 सादा बेयरिंग-सादा बेयरिंग और रेडबुश हेतु वाशर भाग 1 रिंग टाइप थस्ट वाशर (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 9764-1981		1992-09-30
25. आईएस : 10386 (भाग)-1992 नदी घाटी परियोजना के निर्माण, प्रचालन और रखरखाव-सुरक्षा संहिता भाग 4 विस्फोटकों का प्रहस्तन, भंडारण और परिवहन	—		1992-08-31
26. आईएस : 11502-1992 शल्यक्रिया यंत्र-चिमटी ऊतक, एडसन आउन पैटन-आकार और आयाम	आईएस : 11502-1985		1992-11-30
27. आईएस 11558-1992 शल्यक्रिया यंत्र वैसल चिमटी डीवाके पैटन साइज, आकार और आयाम (पहला पुनरीक्षण)	आईएस -11558-1986		1992-10-31
28. आईएस : 11821 (भाग 1)-1992 कृषि ट्रैक्टरों के रक्षी संरचनाओं हेतु परीक्षण विधि और स्वीकार्य शर्तें भाग 1 गत्यात्मक परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 11821 (भाग 1)-1986		1992-07-31
29. आईएस : 11821 (भाग 2)-1992 कृषि ट्रैक्टरों के रक्षी संरचनाओं हेतु परीक्षण विधि और स्वीकार्य शर्तें भाग 2-स्थैतिक परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 11821 (भाग 2)-1992		1992-09-30
30. आईएस : 12970 (भाग 2 खंड 1)-1992 अर्द्धचालक युक्तियां-एकीकृत परिपथ भाग 3 डिजिटल एकीकृत परिपथ-मापन विधियां खंड 1 सामान्य	—		1992-10-31
31. आईएस : 12970 (भाग 6/खंड 3)-1992 अर्द्धचालक युक्तियां-एकीकृत परिपथ भाग 6 एनलॉग एकीकृत परिपथ मापन विधियां खंड 3 रेगुलेटर	—		1992-10-31
32. आईएस : 13193-1992 संचकन और एक्सट्रूजन हेतु पालीएल्कीन टरफ्लैटेल (पैट और पेबेट)-विशिष्ट	—		1992-09-30
33. आईएस : 13230-1992 खान आयोजना में प्रयोग हेतु आफीय प्रतीक	—		1992-08-31
34. आईएस : 13276 (भाग 1)-1992 सम्पूर्ण शरीर में कम्पन के लिए मनुष्य का मूल्यांकन भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं	—		1992-09-30
35. आईएस : 13276 (भाग 2)-1992 सम्पूर्ण शरीर में कम्पन के लिए मनुष्य का मूल्यांकन भाग 2 भवनों में सतत और झटका प्रेरित कंपन (1 हर्ट्ज से 80 हर्ट्ज तक)	—		1992-06-30

(1)	(2)	(3)	(4)
36. आईएस : 13339-1992 बहुप्रचालक टाइप आर्क वेल्डिंग ट्रांसफार्मर—विशिष्ट	—		1992-09-30
37. आईएस 13360 (भाग 5/खंड 13)-1992 प्लास्टिक-परीक्षण विधियां भाग 5 यांत्रिक गुणधर्म खंड 13 राकबेल कठोरता का निर्धारण	—		1992-10-31
38. आईएस : 13380-1992 वानिकी औजार छेद पंच बोझारी के ब्लेड—विशिष्ट	—		1992-09-30
39. आईएस : 13402-1992 कृषि कीटनाशक एमीलोफॉस तकनीकी ग्रेड—विशिष्ट	—		1992-09-30
40. आईएस : 13473 (भाग 1)-1992 क्रेन-शब्दावली भाग 1 सामान्य	आईएस : 13473 (भाग 1 से 4)- —1984		1992-07-31
41. आईएस : 13477-1992 औद्योगिक जल ट्यूब बायलर श्रेता आंकड़ापत्र	—		1992-08-31
42. आईएस : 13483-1992 लॉन एवं गार्डन राइड ऑन (सवारी)-ट्रेक्टर-पावर ट्रेक आफ	—		1992-10-31
43. आईएस : 13495-1992 गाद निकालने वाले का डिजाइन-मार्गनिर्देश	—		1992-10-31
44. आईएस : 13497-1992 विलेय एसिटिलीन गैस मिलिन्डर हेतु विगलनीय प्लग	—		1992-09-30
45. आईएस : 13501-1992 वस्त्रादि-आक्सीजनांक द्वारा ज्वलनशीलता का निर्धारण	—		1992-09-30
46. आईएस : 13503-1992 रोधन द्रवों का सामान्य वर्गीकरण	—		1992-08-31
47. आईएस : 13504-1992 प्रतिरोधकों में अरेखिता की मापन विधि	—		1992-09-30
48. आईएस : 13519-1992 विसंरचना और संस्थापन के दौरान समुद्र तट पर जड़ित संरचनाओं का निरीक्षण	—		1992-09-30
49. आईएस : 13560-1992 वस्त्रादि मशीनरी और सहायकांग-रिंग स्पिनिंग और बोहरा फ्रेम में ड्रम धिरनी—विशिष्ट	—		1992-11-30
50. आईएस : 13561-1992 वस्त्रादि मशीनरी और सहायकांग-रिंग स्पिनिंग और टिक्विस्टिंग हेतु आकार दिये नाइलॉन ट्रेवलर—विशिष्ट	—		1992-11-30
51. आईएस : 13568-1992 एसी परिपथ युक्त मोटर साइकिल और ऐसे ही वाहनों हेतु हल्की संग्राहक बैटरी	—		1992-10-31
52. आईएस : 13571-1992 द्रवचालित द्रव पावर-द्रवों में निलंबित कणों की गणना हेतु स्वचालित गणनायंत्रों का अंशशोधन-वर्गीकृत एसी सूक्ष्म परीक्षण धूल संदूषक प्रयुक्त विधि	—		1992-10-31
53. आईएस : 13630 (भाग 3)—1992 सिरेमिक टाइल-परीक्षण विधियां भाग 3 उबलते जल का प्रयोग करके नमी प्रसार का निर्धारण —बिना ग्लेज :कए टाइल	—		1992-12-31

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक व्यूरों, मानक भवन, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, राजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध है।

[सं. के.प्र.वि./13:2]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION
BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 10th January, 1994.

S.O. 402—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987. The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established of the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard ² for Standards, if any, superseded by the new Indian Standard.	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS:26—1992 Tin ingot-specification ;Fourth revision)	IS:26—1979	1992-08-31
2.	IS:209—1992 Zinc ingot-Specification (fourth revision)	IS:209—1979	1992-09-30
3.	IS:328-1992 Oil of eucalyptus gbbublus-specification (Second revision)	IS : 328-1957	1992-10-30
4.	IS:405(Part 1)-1992 Lead sheets and strips specification Part 1 for chemical purposes. (third revision)	IS:405(Part1)—1977	1992-10-31
5.	IS:817(Part 1)—1992 Training of welders-code of practice part 1 Manual metal arc welding. (second revision)	IS:817-1966	1992-09-30
6.	IS:902-1992 Suction hose couplings for fire fighting purposes—specification (third revision)	IS:902-1974	1992-10-31
7.	IS:1070-1992 Reagent grade water-specification (third revision)	IS:1070—1977	1992-09-30
8.	IS:1326-1992 Non-coniferous sawn timber (baulks and scantling)-specification (second revision)	IS:1326-1976	1992-10-31
9.	IS:2630-1992 Nitroenzene-specification (second revision)	IS:2630-1973	1992-10-31
10.	IS:2705 (part 1)-1992 current transformers-specification Part 1 general requirements (second revision)	IS:2705(Part 1)-1981	1992-10-31
11.	IS:3644-1992 Surgical instruments—artery forceps (halsied's mosquito pattern)—shape and dmensions (first revision)	IS:3644-1966	1992-10-31
12.	IS:4092 (Part 1)-1992 Centrifuges of the basket and bowl and vibrating type for use in industrial and commercial applications Part 1 General requirements (second revision)	IS:4092-1981	1992-11-30
13.	IS:4839 (Part 3)-1992 Code of practice for maintenance of canals Part 3 Canal structure, drains, outlets, jungle, clearance, plantation and regulation. (second revision)	IS:4839 (Part3)-1979	1992-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
14. IS:5933-1992 Rolling bearings-thrust ball bearing tolerances (first revision)	IS:5933-1970		1992-07-31
15. IS:6002-1992 Tommy bars for box spanners-specification (first revision)	IS:6002-1971		1992-10-31
16. IS:6390(Part 3)-1992 Domestic electrical clothes washing machines—specification Part 3 requirements for spin extractors.	IS:		1992-09-30
17. IS:6680-1992 Railway carriage fans—Specification (first revision)	IS:6680-1972		1992-10-31
18. IS:6831-1992 Caustic potash-specification (second revision)	IS:6831-1982		1992-11-30
19. IS:6936-1992 Guide for location selection and hydraulic design of canal escapes (first revision)	IS:6936-1973		1992-10-31
20. IS:7326(Part 1) 1992 Penstock and turbine inlet butterfly valves for hydropower stations and systems Part 1 Criteria for structural and hydraulic design (first revision)	IS:7326(Part1)-1974		1992-10-31
21. IS:7328-1992 High density polyethylene materials for moulding and extrusion-specification (first revision)	IS:7328-1974		1992-08-31
22. IS:9165(Part2)-1992 Surgical instruments-needles, suture part 2 eyed needles-sizes, shapes and dimensions.	—		1992-10-31
23. IS:9337 (Part2)-1992 Textiles machinery and accessories-bobbins and pirns-specification Part 3 plastic flyer bobbins.	—		1992-10-31
24. IS:9764(Part1)-1992 Plain bearings-washers for plain bearings and wrapped bushes—specification Part 1 ring type thrust washers (first revision)	IS:9764-1981		1992-09-30
25. IS:10386(Part4)-1992 construction, operation and maintenance of river valley projects—safety code part 4 handling, storage and transportation of explosives.	IS:		1992-08-31
26. IS:11502-1992 Surgical instruments—forces tissue, adson-browns pattern-shape and dimensions. (first revision)	IS:11502-1985		1992-11-30
27. IS : 11558-1992 Surgical instruments—vessel forceps, de bakey's pattern—sizes, shape and dimensions [first revisions]	IS:11558-1986		1992-10-31
28. IS:11821(Part 1)—1992 Method of test and acceptance conditions for protective structures of agricultural tractors Part 1 Dynamic test. (first revision)	IS:11821 (Part 1)—1986		1992-07-21
29. IS:11821 (Part 2)—1992 Method of test and acceptance conditions for protective structures of agricultural tractors Part 2 static test. (first revision)	IS: 11821 (Part 2)—1992		1992-09-30

(1)	(2)	(3)	(4)
30.	IS:12970(Part 3/Sec 1)—1992 Semiconductor devices—integrated circuits Part 3 digital integrated circuits-measuring methods section 1 general.	—	1992-10-31
31.	IS:12970 (Part 1/Sec. 3)—1992 Semiconductor devices—integrated circuits Part 6 analogue integrated circuits measuring methods section 3 voltage regulators	—	1992-10-31
32.	IS:13193-1992 Polyalkylene terephthalate (pet and PBT) for moulding and extrusion specification.	—	1992-09-30
33.	IS:13220-1992 Graphical symbols for use on mine plans	—	1992-08-31
34.	IS:13276 (Part 1)—1992 Evaluation of human exposure to whole-body vibration Part 1 general requirements.	—	1992-09-30
35.	IS:13276 (Part 2)— 1992 Evaluation of human exposure to whole-body vibration Part 2 continuous and shock-induced vibration in buildings (1 Hz to 80 Hz)	—	1992-06-30
36.	IS:13339-1992 Multi-operator type arc welding transformers specification.	—	1992-09-30
37.	IS:13360-(Part 5/Sec 130-1992 Plastics-methods of testing Part 5 mechanical properties section 13 determination of rockwell hardness.	—	1992-10-31
38.	IS:13380-1992 Forestry tools-hole punch, bow saw blades specification.	—	1992-09-30
39.	IS:13402—1992 Pesticides—anilophos, technical—specification.	—	1992-09-30
40.	IS:13473 (Part 1)—1992 Cranes-vocabulary Part 1 general	IS:5532 (Part 1 to 4) 1984	1992--07-31
41.	IS:13477-1992 Industrial water tube boiler purchaser's data sheet.	—	1992-08-31
42.	IS:13483-1992 Lawn and garden ride-on (riding) tractors-Power take-off.	—	1992-10-31
43.	IS:13495-1992 Design of sediment excluder—guidelines.	—	1992-10-31
44.	IS:13497-1992 Fusible plug for dissolved acetylene gas cylinder—specification	—	1992-09-30
45.	IS:3501-1992 Textile-determination of flammability by oxygen index.	—	1992-09-30
46.	IS:13503-1992 General classification of insulating liquids	—	1992-08-31
47.	IS:13504-1992 Method of measurement of non-linearity in resistors.	—	1992-09-30
48.	IS:13519-1992 Inspection of fixed steel of shore structuring fabrication and installation-guidelines	—	1992-09-30
49.	IS:4560-1992 Textile machinery and accessories-dum. pulleys used in ring spinning and doubling frames — specification.	—	1992-11-30
50.	IS:13561—1992 Textiles machinery and accessories—ear-shaped nylon travellers forging doubling and twisting specification.	—	1992-11-30

1	2	3	4
51. IS-13568-1992 Lead acid light weight storage batteries for motor cycles and similar vehicles fitted with AC circuit-specification	—	1992-10-31	
52. IS-13571-1992 Hydraulic fluid power-calibration of automatic count instruments for particle suspended in liquids method using classified AC fine test dust contaminant.	—	1992-10-31	
53. IS-13630 (Part 3)—1992—Ceramic tiles-methods of test Part 3 determination of moisture expansion using boiling water-unglazed tiles.	—	1992-12-31	

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices—Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13/2]

N. SRINIVASAN, Addl. Dir. Gen.

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1994

का. आ. 403—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिरिक्त मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस : 21-1992 बर्तनों हेतु एल्युमीनियम और एल्युमीनियम मिश्रधातु—विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आईएस : 21-1975	1992-11-30
2.	आईएस : 277-1992 जस्तीकृत इस्पात की शब्दर (सादा और नालीदार)—विशिष्ट (पांचवां पुनरीक्षण)	आईएस : 277-1992	1992-12-31
3.	आईएस : 309-1992 संपीड़ित आक्सीजन गैस विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 309-1974	1992-10-31
4.	आईएस : 366-1991 विजली को इस्तरियाँ—विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आईएस : 366-1991	1991-12-31
5.	आईएस : 909-1992 अग्निशामक भूमिगत हाइड्रैन्ट, स्लूस वाल्व टाइप विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 909-1958	1992-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)
6. आईएस : 1363 (भाग 1)—1992 ग्रेड सी के षटकोणीय शीर्षक काबले पेंच और डिबरियों	आईएस : 1367—1967	1992-10-31	
7. आईएस : 1364 (भाग 1)—1992 उत्पाद ग्रेड ए और बी को षटकोणीय शीर्ष काबले पेंच और डिबरियां भाग 1 षटकोणीय शीर्ष काबले (साइज रेंज एम 1.6 से एम 64 तक) (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1364 (भाग 1) — 1967	1992-10-31	
8. आईएस : 1364 (भाग 2)—1992 उत्पाद ग्रेड ए और बी को षटकोणीय शीर्ष काबले पेंच और डिबरियां भाग 2 षटकोणीय शीर्ष पेंच (साइज रेंज एम 1.6 से एम 64 तक) (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1364 (भाग 2)—1967	1992-10-31	
9. आईएस : 1364 (भाग 3)—1992 उत्पाद ग्रेड ए और बी को षटकोणीय शीर्ष काबले पेंच और डिबरियां भाग 3 षटकोणीय शीर्ष डिबरियां (साइज रेंज 1.6 से एम 64 तक) (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1364 (भाग 3)—1967	1992-10-31	
10. आईएस : 1364 (भाग 4)—1992 उत्पाद ग्रेड ए और बी को षटकोणीय शीर्ष काबले पेंच और डिबरियां भाग 4 षटकोणीय पतली डिबरियां (चेमर्ड) (साइज रेंज एम 1.6 से एम 64 तक) (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1364—1967	1992-10-31	
11. आईएस : 1374—1992 कुक्कुट आहार—विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आईएस : 1374—1979	1992-12-31	
12. आईएस : 1391 (भाग 1)—1992 कमरा एयरकंडीशनर—विशिष्ट भाग 1 यूनीटरी एयरकंडीशनर	आईएस : 1391—1971	1992-12-31	
13. आईएस : 1391 (भाग 2)—1992 कमरा एयरकंडीशनर—विशिष्ट भाग 2 स्पलट एयरकंडीशनर (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1391 (भाग 2)—1971	1992-12-31	
14. आईएस : 1570 (भाग 7)—1992 पिटबां इस्पात की अनुसूची भाग 7 उच्च ताप सेवा हेतु इस्पातरत (विसर्पण प्रतिरोधी इस्पात)	आईएस : 1570 (भाग 7)—1961	1992-05-31	
15. आईएस : 1844—1993 पिसल्स—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1844—1962	1992-04-30	
16. आईएस : 1885 (भाग 42)—1992 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 42 पावर संधारित्र (पहला पुनरीक्षण)	—	1992-05-31	
17. आईएस : 1885 (भाग 54)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 54 विद्युत रोधन (इन्सूलेटर) (पहला पुनरीक्षण)	—	1993-05-31	
18. आईएस : 1885 (भाग 69)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 69 बिजली का उत्पादन, प्रेषण-वितरण—उत्पादन)	—	1993-05-31	
19. आईएस : 1885 (भाग 70)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 70 बिजली का उत्पाद, प्रेषण, वितरण—प्रचालन	—	1993-05-31	
20. आईएस : 1885 (भाग 71)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 71 बिजली का उत्पादन, प्रेषण, वितरण—उपग्राह	—	1993-05-31	

(1)	(2)	(3)	(4)
21. आईएस : 1885 (भाग 72)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 72 गणित	—		1993-05-31
22. आईएस : 1885 (भाग 73/खंड 2)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 73 भौतिकी और रसायन विज्ञान खंड 2 विद्युत रासायनिक अवधारणाएं	—		1993-05-31
23. आईएस : 1885 (भाग 73/खंड 3)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 73 भौतिकी और रसायन विज्ञान खंड 3 मात्राओं और इकाइयों से संबद्ध अवधारणाएं	—		1993-05-31
24. आईएस : 1885 (भाग 75)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 75 स्वाचालित नियंत्रण	—		1993-05-31
25. आईएस : 1885 (भाग 76)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 75 ट्रांसडक्टर	—		1993-05-31
26. आईएस : 1885 (भाग 78)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 78 बिजली का उत्पादन, प्रेषण और वितरण—सामान्य	—		1993-05-31
27. आईएस : 1885 (भाग 79)—1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 79 बिजली का उत्पादन, प्रेषण और वितरण पावर प्रणाली आयोजना और प्रबंध	—		1993-05-31
28. आईएस : 2705 (भाग 3)—1992 धारा ट्रांसफार्मर—विशिष्ट भाग 3 रक्षीधारा ट्रांसफार्म (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 2705 (भाग 3)—1964		1992-11-30
29. आईएस : 2705 (भाग 4)—1992 धारा ट्रांसफार्मर—विशिष्ट भाग 4 विशेष उपयोगों के लिए रक्षीधारा ट्रांसफार्मर (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 2705 (भाग 4)—1964		1992-08-31
30. आईएस : 2018 (भाग 1)—1993 कैल्शियम सिलिकॉन का रासायनिक विश्लेषण भाग 1 सिलिकॉन का निर्धारण (पहला पुनरीक्षण)	—		1993-06-30
31. आईएस : 2021—1993 मैंगनीज धातु—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 2021—1962		1993-05-31
32. आईएस : 2074—1992 प्राइमिंग हेतु हवा में सूखने वाला रेडआक्साइड जिंक क्रोम तैयारशुदा रोगन—विशिष्ट	आईएस : 2074—1962		1993-05-31
33. आईएस : 2182—1993 मशीन औजारों की संकेतक प्लेटों पर दिए जाने वाले प्रतीक (पहला पुनरीक्षण)	—		1993-06-30
34. आईएस : 2486 (भाग 1)—1993 1000 वो से अधिक सांकेतिक वोल्टता की शिरोपरि पावर लाइनों के इन्सुलेटर की धातु फिटिंग भाग 1 सामान्य अवस्थाएं और परीक्षण (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 2486—1963		1993-05-31
35. आईएस : 2705 (भाग 2)—1992 धारा ट्रांसफार्मर—विशिष्ट भाग 2 मापन धारा ट्रांसफार्मर (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 2705—1960		1993-09-30

(1)	(2)	(3)	(4)
36.	आईएस : 2812-1993 एल्युमीनियम और एल्युमीनियम मिश्रधातु की मैन्युअल टंगस्टन अक्रिय-गैस आर्क वेल्डिंग हेतु—सिफारिशें (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 2812-1964	1993-05-31
37.	आईएस : 3248-1993 (डिब्बाबंद टमाटर—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 3248-1965	1993-05-31
38.	आईएस : 3563-1993 मोटरवाहन-हैडलाइट (बदले जा सकने वाले लैम्प टाइप)—विशिष्ट	आईएस : 3563-1993	1993-07-31
39.	आईएस : 3659-1993 टेबल टेनिस की गेंद—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 3659-1968	1993-06-30
40.	आईएस : 4552 (भाग 1)—1993 मोटर वाहन—मोटरवाहनों के लिए सुवाह्य जैक भाग I यांत्रिक जैक—विशिष्ट	आईएस : 4552-1968	1993-05-31
41.	आईएस : 4645-1993 कागज और बोर्ड के भंडारण की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	—	1993-06-30
42.	आईएस : 5190-1993 ड्रम में प्राकृतिक रबड़ लेटेक्स को पैकेजिंग की संहिता (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 5190-1969	1993-05-31
43.	आईएस : 5641-1993 वस्त्रादि फर्श कवचिंग—हाथ से बने ऊनी गलीचे—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 5641-1970	1993-06-30
44.	आईएस : 6040-1993 यथार्थ खराद का परीक्षण चार्ट 500 मिमी तक स्विंगओवर बेड सहित और 1500 मिमी तक केन्द्र दूरियों वाले खराद (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 6040-1972	1993-06-30
45.	आईएस : 7631-1993 पैलेट स्टैकर्स और हार्ड लिफ्ट प्लेटफार्म ट्रक—स्थिरता परीक्षण की विधि	आईएस : 7631-1975	1993-05-31
46.	आईएस : 8623 (भाग 3)—1992 अल्प बोल्टता स्विचगीयर और कंट्रोल गीयर एंसेम्बली की विशिष्ट भाग 3 उपस्करों की विशिष्ट अपेक्षाएं जहां अमृतक व्यक्तियों को उनके उपयोग के लिए मूल्यांकित किया गया	—	1993-05-31
47.	आईएस : 8758-1993 अस्थायी संरचनाओं और पंडालों के निर्माण में आग से सुरक्षा के लिए प्रयुक्त एहतिदायी उपायों की सिफारिशें (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 8758-1978	1993-05-31
48.	आईएस : 8828-1993 घरेलू और ऐसे ही संस्थाओं हेतु आर्क द्वारा रक्षण के लिए परिपथ वियोजक (पहला पुनरीक्षण)	—	1993-05-31
49.	आईएस : 11720 (भाग 5)—1993 संश्लिष्ट रबड़ हेतु परीक्षण विधि भाग 5 भस्म का निर्धारण	—	1993-05-31
50.	आईएस : 11738 (भाग 2)—1993 वक्क प्रहस्तन उपस्कर—क्राउलर ट्रेक्टर आकृतिपत्र भाग 2 उत्पादक/आपूर्तिकर्ता द्वारा दी जाने वाली सूचना (पहला पुनरीक्षण)	—	1993-04-30
51.	आईएस : 12720-1993 स्पिलवे ट्रेनिंग बाल और डिवाइड बाल की संरचना डिजाइन—कसौटी	—	1993-05-31

(1)	(2)	(3)	(4)
52.	आईएस : 13516—1993 उच्च बोल्टता प्रस्तावर्तीधारा परिपथ वियोजकों की संश्लिष्ट परीक्षण विधियां	आईएस : 3758—1978	1993-05-31
53.	आईएस : 13669—1993 मुद्रित परिपथ के उत्पादन में प्रयुक्त स्थायी पालीमर लेप सामग्री (टांका प्रतिरोधी)—विशिष्ट	—	1993-04-30
54.	आईएस : 13601—1993 खाद्य सामग्री औषध और नैय जल के सम्पर्क में आने वाले निरापद इथाइलीन विनाइल—विशिष्ट	—	1993-05-31
55.	आईएस : 13679—1993 ओकारा के बीजों का तेल—विशिष्ट	—	1993-05-31
56.	आईएस : 13708—1993 जलपोत निर्माण समुद्री रडार परावर्तक—विशिष्ट	—	1993-05-31
57.	आईएस : 13685 (भाग 1)—1993 बल्क प्रहस्तन उपस्कर—जलपोत लोडर—चुनाव के लिए रेन माउन्टेड आंकड़ा पत्र भाग 1 श्रेता द्वारा भेजी जाने वाली सूचना	—	1993-02-28
58.	आईएस : 13703 (भाग 4)—1993—1000 वो एसी या 1500 वो डी सी से अनधिक बोल्टता हेतु अल्प बोल्टता फ्यूज की विशिष्ट भाग 4 अर्द्ध चालक युक्तियों के रक्षण हेतु फ्यूज संबंधों हेतु पूरक अपेक्षाएं	—	1993-06-30
59.	आईएस : 13712—1993 सिरेमिक टाइल परिभाषाएं, वर्गीकरण, अभिलक्षण और चिह्नंकन	—	1993-04-30
60.	आईएस : 13716—1993 आग से सुरक्षा—होटल में—रीति संहिता	—	1993-05-31
61.	आईएस : 13718 (भाग 1)—1993 होरोलॉजी घड़ी की पट्टी भाग 1 चमड़े की पट्टी—विशिष्ट	—	1993-06-30
62.	आईएस : 13748—1993 ताना बुनाई मशीन हेतु बस्त्रादि मशीनरी और सहायक जंजीर—पद और परिभाषाएं प्रतीक	—	1993-05-31
63.	आईएस : 13758 (भाग 1)—1993 कोलतार पिच—परीक्षण विधि भाग 1 क्विनोलीन में अविलेय सामग्री का निर्धारण	—	1993-05-31

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों ग्रहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. वि. 13:2]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 10th January, 1994

S.O. 403.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each.

SCHEDULE

Sl. No., Year and Title of the Indian Standard(s) No. established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standards.	Date of Establishment
1	2	3
4		
1. IS: 21-1992 wrought aluminium and aluminium alloys for manufacture of utensils—specification (fourth revision)	IS:21-1975	1992-11-30

1	2	3	4
2.	IS:277-1992 Galvanized steel sheets (plain and corrugated specification (fifth revision)	IS:277-1992	1992-12-31
3.	IS:309-1992 Compressed oxygen gas-specification (third revision)	IS:309-1974	1992-10-31
4.	IS:366-1991 Electric iron specification (fourth revision)	IS:366-1991	1991-12-31
5.	IS:909-1992 Underground fire hydrant, sluice valve type-specification (third revision)	IS:909-1958	1992-08-31
6.	IS:1363(Part 1)—1992 Hexagon head bolts, screws and nuts of product grade C Part 1 hexagon head bolts (size range M 5 to M 64 (third revision)	IS:1367-1967	1992-10-31
7.	IS:1364-(Part 1)—1992 hexagon head bolts screws and nuts of product grade A and B part 1 hexagon head bolts (size range M1.6 to M 64) (third revision)	IS:1364(Part 1)-1967	1992-10-31
8.	IS:136-4(Part 2)—1992 hexagon head bolts, screws and nuts of product grades A and B Part 2 hexagon head screws (size range M1. 6 to M 64) (third revision)	IS:1364(Part2)—1967	1992-10-31
9.	IS:1364 (Part 3)—1992 hexagon head bolts, screws and nuts of products grades A and B Part 3 hexagon nuts (size range M1.6 to M 64) (third revision)	IS : 1364 Part 3 —1967	1992-10-31
10.	IS : 1364 (Part 4)—1992 Hexagon head bolts screws and nuts of product grades A and B Part 4 Hexagon thin nuts (chamfered) (size range M1. 6 to M 64) (third revision)	IS:1364 (Part 4)—1967	1992-10-31
11.	IS:1374-1992 (poultry feeds specification (fourth revision)	IS : 1374-1979	1992-12-31
12.	IS: 1391 (Part 1)—1992 room air conditioners specification Part 1 Unitary air conditioners (second revision)	IS:1391-1971	1992-12-31
13.	IS:1391 (Part 2)—1992 room air conditioners specification Part 2 split air conditioners (second revision)	IS:1391 (Part 2)—1971	1992-12-31
14.	IS: 1570 (Part 7)—1992 Schedule of wrought steels part 7 steel for elevated temperature service (creep resistant steels)	IS:1570(Part 7)-1961	1992-5-31
15.	IS:1844-1993 (Bristles specification (second revision)	IS:1844-1962	1992-04-30
16.	IS:1885 (Part 42)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 42 power capacitors (first revision)	—	1993-05-31
17.	IS:1885 (Part 54)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 54 insulators (first revision)	—	1993-05-31

1	2	3	4
18.	IS:1885 (Part 69)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 69 generation, transmission and distribution of electricity-generation	—	1993-05-31
19.	IS:1885 (Part 70)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 70 generation, transmission and distribution of electricity-operation	—	1993-05-31
20.	IS:1885 (Part 71)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 71 generation, transmission and distribution of electricity sub-stations	—	1993-05-31
21.	IS:1885 (Part 72)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 72 mathematics.	—	1993-05-31
22.	IS:1885 (Part 73/Sec 2)—1993—Electrotechnical vocabulary Part 73 physics and chemistry section 2 electro-chemical concepts.	—	1993-05-31
23.	IS:1885 (Part 73/Sec 3)—1993—Electrotechnical vocabulary Part 73 physics and chemistry section 3 concepts related to quantities and units.	—	1993-05-31
24.	IS:1885 (Part 75)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 75 automatic control	—	1993-05-31
25.	IS:1885 (Part 76)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 76 transducers.	—	1993-05-31
26.	IS:1885 (Part 78)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 78 generation transmission and distribution of electricity-general	—	1993-05-31
27.	IS:1885 (Part 79)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 79 generation, transmission and distribution of electricity-power system planning and management.		1993-05-31
28.	IS:2705 (Part 3)—1992 current transformers—specification part 3 protective current transformers (second revision)	IS:2705(Part(3)-1964	1992-11-30
29.	IS:2705 (Part 4)—1992 current transformers—specification Part 4 protective current transformers for special purpose applications. (second revision)	IS:2705(Part 4)-1964	1992-08-31
30.	IS:2018 (Part 1)—1993 Chemical analysis of calcium silicon Part 1 determination of silicon (first revision)	—	1993-06-30
31.	IS:2021-1993 Manganese metal-specification (second revision)	IS:2021-1962	1993-05-31
32.	IS:2074-1992 ready mixed paint, air drying red oxide zinc chrome, priming specification (second revision)	IS:2074-1962	1993-05-31
33.	IS:2182-1993 Symbols to be given on indication plates of machine tools recommendations. (first revision)	—	1993-06-30
34.	IS:2486(Part 1)—1993 Metal fittings of insulators for overhead power lines with nominal voltage greater than 1000 V—specification Part 1 general requirements and tests (second revision)	IS:2486-1963	1993-05-31

1	2	3	4
35.	IS:2705 (Part 2)—1992 Current transformers—specification Part 2 measuring current transformers (second revision)	IS:2705-1960	1993-09-30
36.	IS:2812 1993 Recommendations for manual tungsten inert-gas arc welding of aluminium and aluminium alloys (first revision)	IS:2812-1964	1993-05-31
37.	IS:3248-1993 canned tomatoes—specification (first revision)	IS:3248-1965	1993-05-31
38.	IS:3563-1993 Automotive vehicles-headlights (replaceable lamp type)—specification (second revision)	IS:3563-1993	1993-07-31
39.	IS:3659-1993 table tennis ball—specification (first revision)	IS:3659-1968	1993-06-30
40.	IS:4552(Part 1)—1993 Automotive vehicles portable jacks for automobiles Part 1 mechanical jacks—specification (first revision)	IS:4552-1968	1993-05-31
41.	IS:4645-1993 Code of practice for storage of paper and board. (first revision)	—	1993-06-30
42.	IS:5190-1993 Code of packaging of natural rubber latex in drums (first revision)	IS:5190-1969	1993-05-31
43.	IS:5641-1993 Textile floor covering—handmade wool carpets—specification (second revision)	IS:5641-1970	1993-06-30
44.	IS:6040-1993 Test chart for precision leather—lathes with swing over bed up to 500 mm and distance between centres up to 1 500 mm (first revision)	IS:6040-1972	1993-06-30
45.	IS:7631-1993 pallet stackers and highlift platform trucks methods of stability tests (first revision)	IS:7631-1975]	1993-05-31
46.	IS:8623 (Part 3)—1993 specification for low voltage switchgear and control gear assemblies part 3 particular requirements for equipments where unskilled persons have access for their use.	IS:	1993-05-31
47.	IS:8758-1993 Recommendations for fire precautionary measures in construction of temporary structures and pandals (first revision)	IS:8758-1978	1993-05-31
48.	IS:8828-1993 Circuit-breakers for overcurrent protection for household and similar installations specification (first revision)		1993-05-31
49.	IS:11720 (Part 5)—1993 Methods for test for synthetic rubber Part 5 determination of ash.	—	1993-05-31

1	2	3	4
50. IS:11738 (Part 2)—1993 Bulk handling equipment crawler tractors—data sheet part 2 information to be supplied by manufacturer/supplier (first revision)	IS:11738-1996	1993-04-30	
51. IS:12720-1993 Structural design of spillway training walls and divide walls-criteria (first revision)	—	1993-05-31	
52. IS:13516-1993 Methods of synthetic testing of high voltage alternating current circuit-breakers	—	1993-05-31	
53. IS:13669-1993 Permanent polymer coating materials. (solder-resist) for use in the manufacture of printed circuits—specifications	—	1993-04-30	
54. IS:13601-1993 Ethylene vinyl acetate (eva) copolymers for its safe use in contact with foodstuffs, pharmaceuticals and drinking water—specification.	—	1993-05-31	
55. IS:13679-1993 Okra seed oil specification	—	1993-05-31	
56. IS:13708-1993 Shipbuilding marine radar reflectors—specification.	—	1993-05-31	
57. IS:13685 (Part 1)—1993 Bulk handling equipmentship loader-rain mounted—data sheet for selection part 1 information to be supplied by purchaser.	—	1993-01-28	
58. IS:13703 (Part 4)—1993 Specification for low-voltage fuses for voltages not exceeding 1000 V AC or 1500 V DC Part 4 Supplementary requirements for fuse links for the protection of semiconductor devices.	—	1993-06-30	
59. IS:13712-1993 Ceramic tiles—definitions, classifications, characteristics and marking.	—	1993-04-30	
60. IS:13716-1993 Fire safety in hotels—code of practice	—	1993-05-31	
61. IS:13718 (Part 1)—1993 Horology-watch straps Part 1 leather straps—specifications	—	1993-06-30	
62. IS:13748-1993 Textiles machinery and accessories chain links for warp knitting machines—terms and definitions, symbols.	—	1993-05-31	
63. IS:13758(Part 1)—1993 Coal tar pitch-methods of tests part 1 determination of matter insoluble in quinoline.	—	1993-05-31	

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices—Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13:2]

N. SRINIVASAN, Addl. Dir. General

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

क्र.मा. 404.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड "ख" के प्रकृष्टण से भारतीय मानक ब्यूरो एवम द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे दिए गए मानक (कीं) में संशोधन किया गया है/किये गये हैं।

संशोधन

क्रम संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष संख्या	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)
1. आईएस : 4159-1983	संशोधन सं. 5 दिसम्बर 1993	31 दिसम्बर 1993
2. आईएस : 4283-1981	संशोधन सं. 1 जनवरी 1994	31 जनवरी 1994
3. आईएस : 302-2-201 (1992)	संशोधन सं. 2 दिसम्बर 1993	31 दिसम्बर 1993

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों प्रहमबाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कामपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, राजिवाबाद तथा फरीदाबाद तथा कोयम्बतूर में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संख्या के./प्र.वि./13:5]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, 12th January, 1994

S.O. 404.—In pursuance of clause(b) of sub-rule (1) of rule 7 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued.

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standard amended	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect.
1	2	3	4
1.	IS 4159-1983	Amendment No. 5 December 1993	31 December 1993
2.	IS 4283-1981	Amendment No. 1 January 1994	31 January, 1994
3.	IS 302-2-201(1992)	Amendment No. 2 December 1993	31 December 1993

Copies of these Amendments are available from the Bureau of Indian Standards, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and from the Regional Offices at Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also from Branch Offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Patna and Thiruvananthapuram.






[No. CMD/13:5]

N. SRINIVASAN,
Addl. Director General.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का.अ. 405.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 9 के उपनियम (1) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिमूचित करता है कि नीचे आशुकी में दिए गए भारतीय मानकों संबंधी मानक गृह के डिजाइन निर्धारित कर दिए गए हैं :-

अनुसूची

क्र. सं.	मानक गृह का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	भारतीय मानक का सं. और वर्ष	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5
1.		चलने की छड़	आई एस : 5145- 1969	1993-09-01
2.		अस्थि दोषों हेतु इस्पात के कैलोपर और ब्रेस हेतु श्रेणी का बैंड	आई एस : 6221- 1971	1993-06-16
3.		अस्थि दोषों हेतु इस्पात के कैलोपर और ब्रेस हेतु जांच का बैंड	आई एस : 6222- 1971	1993-06-16
4.		अस्थि दोषों हेतु इस्पात के कैलोपर और ब्रेस हेतु पिडली का बैंड	आई एस : 6223- 1971	1993-06-16
5.		इंजेक्शन संबंधित पी.वी.सी. फिटिंग रिड्यूसर	आई एस : 7834 (भाग 1)-1987	1993-07-15


[सं. के.प्र.वि./13 : 9]





एन.श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 405.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 9 of Bureau of the Indian Standard Rules 1987 the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the Standard Mark (s) for the Indian Standard given in the schedule.

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Year of the Indian Standard	Date of Effect
1	2	3	4	5
1.		Walking stick	IS:5145-1969	1993-09-01

1	2	3	4
2.		Pelvic band for steel orthopaedic calipers and braces.	IS:6221-197 1993-06-16
3.		Thigh band for orthopaedic calipers and braces.	IS:6222-1972 1993-06-16
4.		Calf band for orthopaedic calipers and braces	IS:6223-1971 1993-06-16
5.		Injection moulded PVC fittings—reducers.	IS:7834(Part)—1987 1993-07-15

[No. CMD/13:9]

N. SRINIVASAN, Addl Director, General

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का.मा. 406.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 6 के उपविनियम (3) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एक्ट-द्वारा नीचे अनुसूची में दिए गए उत्पादों को नृहरांकन फॉस प्रविष्टित करता है।

अनुसूची

क्र.सं. सं.	उत्पाद/उत्पाद का श्रेणी	भारतीय मानक का संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई नृहरांकन फॉस	जागृहति का तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	बलने के लिए छड़ी	आईएस : 5145- 1969	1 बलने के लिए छड़ी	रु. 0.10	1993-09-31
2.	अस्थिदोषों हेतु इस्पात के कैंनीपर और ब्रेस हेतु श्रेणी का बैंड	आईएस : 6221- 1971	100 श्रेणी बैंड	रु. 3.00	1993-06-16
3.	अस्थिदोषों हेतु इस्पात के कैंनीपर और ब्रेस हेतु प्लास का बैंड	आईएस : 6222- 1971	100 प्लास का बैंड	रु. 3.00	1993-06-16
4.	अस्थिदोषों हेतु इस्पात के कैंनीपर और ब्रेस हेतु पिइली का बैंड	आईएस : 6223- 1971	100 पिइली का बैंड	रु. 3.00	1993-06-16
5.	इंजेक्शन संयुक्त पी.वी.सी. फिटिंग-रिड्यूसर	आईएस : 7834 (भाग 1)— 1987	100 नमू	रु. 5.00	1993-07-15

[सं. फे.म.वि. 10 : 10]

एम. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 406.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 6 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the marking fee(s) for the products given in the schedule.

SCHEDULE

Sl. Product/Class of Product No.	No. and Year of Indian Standard	Unit	Marking fee per unit	Date of effect
1	2	3	4	5
1. Walking stick	IS:5145-1969	1 Walking stick	Rs. 0.10	1993-09-91
2. Pelvic band for steel orthopaedic calipers and braces.	IS:6221-1971	100 pelvic	Rs. 3.00	1993-06-16
3. Thigh band for orthopaedic calipers and braces.	IS:6222-1971	100 Thigh-Band	Rs. 3.00	1993-06-16
4. Calf band for orthopaedic Calipers and braces.	IS:6223-1971	100 Calf Band	Rs. 3.00	1993-06-16
5. Injection moulded PVC fittings—reducers.	IS:7834(Part I)-1987	100 Pieces	Rs. 5.00	1993-07-15

[No. CMD/13/10]

N. SRINIVASAN, Addl. Director, General

सांख्यिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1994

का.भा. 407—केंद्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उद्योग प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित प्रतिमान बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (प्रतिमान का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और यह संभावना है कि उक्त प्रतिमान सविस्तार उपयोग की सम्बन्धी आवश्यकताएँ ठीक बना रहेगा और विभिन्न दशकों में सही सेवा देगा।

प्रतः अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निरीक्ष "पी. एस. 7" और "प्रीसिजन" ब्रांड वाले नाम वाले स्वतः सूक्ष्म, गैर रक्तचापित मोलन उपकरण के प्रतिमान का (जिसे एवमें इसके पश्चात् प्रतिगाम कहा गया है) जो सॉमर्स दि प्रीसिजन स्कैन प्राइवेट लिमिटेड, सी/पर्सोनीय प्रार्टमेंट राहते कारोली गार्गुल-410022 द्वारा विनिर्मित है और जिसे अनुमोदन बिन्दु आई. एन. सी. सी/01/04 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

पुनः, केंद्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा करती है कि प्रतिमान के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उस सामग्री से विनिर्मित, जिनके अनुमोदन प्रतिमान का विनिर्माण किया गया है, गणना की युक्ति सज्जित या रहित उसी निरीक्ष का सत्य प्रकार गुणता और प्रदर्शन का 3 किलोग्राम, 5 किलोग्राम, 15 किलोग्राम और 25 किलोग्राम का सत्य उपकरण भी है।



(आकृति-1)

प्रतिमान (आकृति 1 रेखा) एक नक्षत्र शुद्धता (शुद्धता वर्ग 3) बाजु मोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 10 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 10 ग्राम है। गणनायक अवतार (7) 2 ग्राम है। इसमें एक टैलर युक्ति है जिसका व्यावसायिक प्रतिपादन टैलर प्रमाण 100 प्रतिशत है। इसका आधार और भार सही क्रमशः मुकु रटीय और स्टेनलेस स्टीम के बने हैं। भार भारी का व्यास 300 मिमीमीटर — 280 मिमीमीटर है। 12.5 मिमीमीटर गंभीरता व्यास का प्रमाण उत्सर्जक द्विपक्षी प्रदर्ण मोलन गणनायक उप-अंशित करता है यह उपकरण 230 वोल्ट 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती आग विद्युत प्रणाल पर कार्य करता है।

[का.म. अध्याय 21(1)93]

सती नायर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS
AND PUBLIC DISTRIBUTION

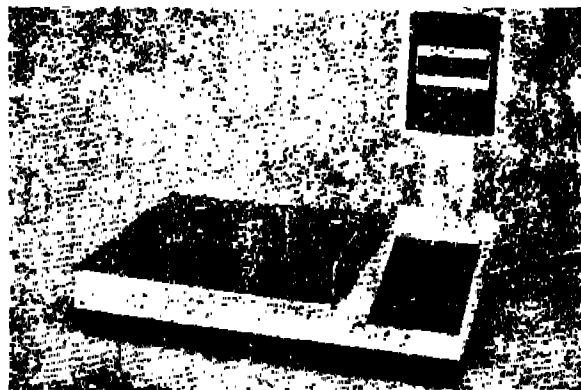
New Delhi, the 20th January, 1994

S.O. 407.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the Self-indicating, non-automatic weighing instrument of 'PS-7' series and with brand name "PRECISION" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. The Precision Scale Private Ltd., B-1/1, Yashodeep Apartments, Rahate Colony, Nagpur-440 022, and which is assigned the approval mark-IND/01/94/04:

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make accuracy and performance of the same series with a maximum capacity of 3 kilogram, 5 kilogram, 15 kilogram and 25 kilogram with or without counting facility manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

The Model (see Figure 1) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 10 kilogram and a minimum capacity of 40 gram.



(Figure-1)

The verification scale interval (e) is 2 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The base and load receptor are made up of mild steel and stainless steel respectively. The load receptor has the dimension of 300 millimetre×280 millimetre. The Light Emitting Diode display character size 12.5 millimetre indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply.

[P. No. WM-21(1)/93]

SATHI NAIR, Jt. Secy.

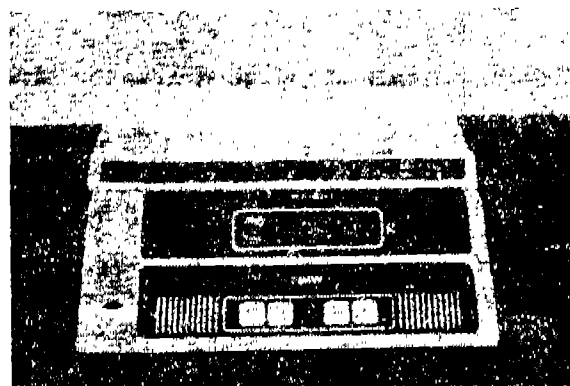
नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1994

का.धा. 407.—केंद्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित प्रतिमान घाट और मापक यंत्र नियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मापक

(प्रतिमान का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुषंग है और यह संभावना है कि उक्त प्रतिमान यंत्रित उपकरण की लम्बी अवधि तक ठीक बना रहेगा और विभिन्न दशाओं में सही सेवा देगा।

अतः अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 को उप धारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विरंजि "पीएस 6" और "प्रीसीजन" ब्रांड नाम वाले स्वतः सूचक, गैर स्वचालित नोलन उपकरण के प्रतिमान का (जिसे इसमें इसके पश्चात्, प्रतिमान कहा गया है) जो सीएस दि प्रीसीजन स्केल प्राइवेट लिमिटेड, बी-1/1, यशोदीप अपार्टमेंट्स, राहाते कॉलोनी, नागपुर-440022 द्वारा निर्मित है और जिसे अनुमोदन चिह्न आईएन डी/01/94/04 समन्वेषित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है:—

पुनश्च, केंद्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा करती है कि प्रतिमान के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अन्तर्गत उम्मी निर्माता द्वारा उम्मी सिद्धांत के अनुसार और उन सामग्री से निर्मित जिससे अनुमोदित प्रतिमान का निर्माण किया गया है, गणना की सुविधा सहित या रहित उम्मी विरंजि की सम्पूर्ण प्रकार शुद्धता और कार्यकरण का 500 ग्राम, 1 किलोग्राम और 2.5 किलोग्राम के अधिकतम क्षमता वाला नोलन उपकरण जिसका वृत्ताकार स्टेनलेस स्टील भार ग्राही है जिसका 118 मिमीमीटर व्यास है, भी है।



(आकृति 1)

प्रतिमान (आकृति 1 देखिए) एक मध्यम शुद्धता (शुद्धता वर्ग 3) वाला नोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 5 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 ग्राम है। संस्थापन मापक और अंतर (ऊ) 1 ग्राम है। इसमें एक टैरर युक्ति है जिसका शेषाभावनक प्रतिशत टैरर प्रभाव 100 प्रतिशत है। इसका आधार और भारग्राही कमज. मृदु स्टील और प्लास्टिक के बने हैं। मापग्राही जाकाकार है। एक वर्ग की लम्बाई 214 मि.मी.टर है। 15 मि.मी.टर सत्रवीक धातु का सात खड़ीय प्रकाश उत्सर्जक डायोडों प्रदर्श नोलन परिणाम उपस्थित करता है। यह उपकरण 230 वाट 50 हर्ट्ज के परावर्तन प्राण विद्युत प्रदान पर कार्य करता है।

[का.धा. डे यू.ए. 21(1)/93]

सती नायर, ज. स. स.

New Delhi, the 20th January, 1994

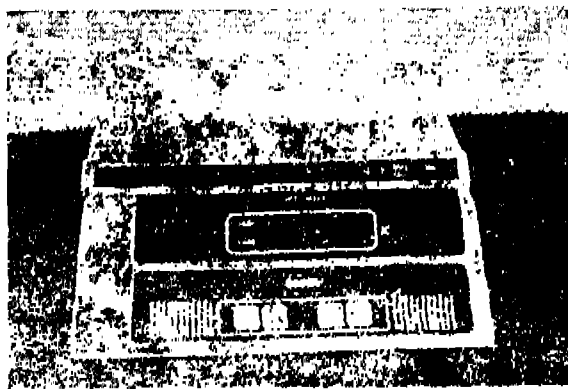
S.O. 408.—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models)

Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the Self-indicating, non-automatic weighing instrument of 'PS-6' series and with brand name 'PRECISION' (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. The Precision Scales Private Ltd., B-111, Yashodeep Apartments, Rahate Colony, Nagpur-440 022, and which is assigned the approval mark-IND/01/94/03.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of the same series with a maximum capacity of 500 gram, 1 kilogram and 2.5 kilogram with or without counting facility and with stainless steel load receptor of circular shape having a diameter of 118 millimetre manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

The Model (see Figure 1) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 5 kilogram and a minimum capacity of 20 gram.



(Figure-1)

The verification scale interval (e) is 1 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The base and load receptor are made up of mild steel and plastic respectively. The load receptor which is square in shape has the side length of 214 millimetre. The seven segment Light Emitting Diode display of character size 15 millimetre indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply.

[E. No. WM-21(1)/93]

SATHI NAIR, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 20 जनवरी 1994

का.सं. 409.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित प्रतिमान बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (प्रतिमान का अनुमोदन) नियम 1987 के उपबंधों के अनुसार है और वह संभावना है कि उक्त प्रतिमान अधिकृत उपयोग की सभी अवधि तक ठीक चला रहेगा और विभिन्न दशाओं में सही सेवा देगा।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इसी के लिए "तोशनीवाल" ब्रांड नाम वाले टाइप नं. ओ.आई. 50 के (जल में मिश्र) द्रव मीटर

पश्चात् प्रतिमान कहा गया है) को मीसर्स तोशनी वाल हाइड्रक (प्रा.) लि., 4डी/6 इंडस्ट्रियल एस्टेट अम्बालूर, मद्रास-600050 द्वारा विनिर्मित किया गया है और इसे अनुमोदन चिह्न ए.एन.ई/094/05 सम्पुष्टित किया गया है और मोशन समाचार प्रकाशित करना है।

पुनः केन्द्रीय सरकार उक्त माप की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषित करती है कि प्रतिमान के अनुमोदन के उक्त प्रमाणपत्र के अंतर्गत, इसी विनिर्माता द्वारा उक्त मीटरों के अनुसार और वैसे ही सामग्री से निर्मित कि अनुमोदित प्रतिमान विनिर्मित है, विनिर्मित ऐसे मीटर भी हैं जो 5 लीटर प्रति मिनट और 10 लीटर प्रति मिनट ग्राह्य की स्तम्भन दर के करीब टाइप नं. ओ.आई-5 और ओ.आई-10 के समान प्रकार, शुद्धता कार्यवाहन के हैं और प्लास्टिक रॉबर टाइप या दोहरे मकेन टाइप या स्विट रॉबर रजिस्टर टाइप के आसन वाले हैं।



(आकृति 1)

यह प्रतिमान 10 लीटर प्रति मिनट की न्यूनतम प्रवाह दर और 300 लीटर प्रति मिनट की अधिकतम प्रवाह दर वाला टाइप नं. ओ.आई-50 का द्रव मीटर है। मीटर गोले की स्थायी चुम्बकीय युग्मन के माध्यम द्वारा मानक क्रिया-विधि से सम्पुष्टित किया गया। यह एकल सकल टाइप है और इसका डायल 1 लीटर के सीपान में 100 लीटर तक अंशांकित है। सर्वसोपान 10 लीटर के सीपान में 99, 98, 990 लीटर तक रजिस्टर कर सकता है।

[का.सं. एचयू.एस-9(33)/93]

सती नायर, संयुक्त सचिव

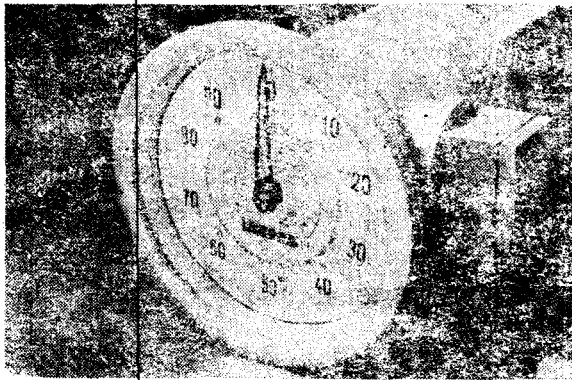
New Delhi, the 20th January, 1994

S.O. 409.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1975 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the Meter for liquids (other than Water) of type No. OI-50 and with brand name "TOSHNIWAL" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Toshniwal Hyvac (P) Ltd., 4D/6, Industrial Estate, Ambalpur, Madras-600 050 and which is assigned the approval mark-IND/09/94/05:

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall

also cover the Meters of similar make, accuracy and performance of type No. OI-5 and OI-10 with a minimum rate of flow of 5 litre per minute and 10 litre per minute respectively and having a dial of either single pointer type or double pointer type or reset roller type propose to be manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.



(figure-1)

The Model is a meter for liquids of type No. OI-50 with a minimum flow rate of 30 litre per minute and a maximum flow rate of 300 litre per minute. The meter head is hermetically sealed from the metering mechanism by means of a permanent magnet coupling. It is of single pointer type with the dial calibrated upto 100 litre in steps of 1 litre. The totaliser can register upto 9999.990 litre in steps of 10 litre.

[F. No. WM-9(33)/89]

SATHI NAIR, Jt. Secy.

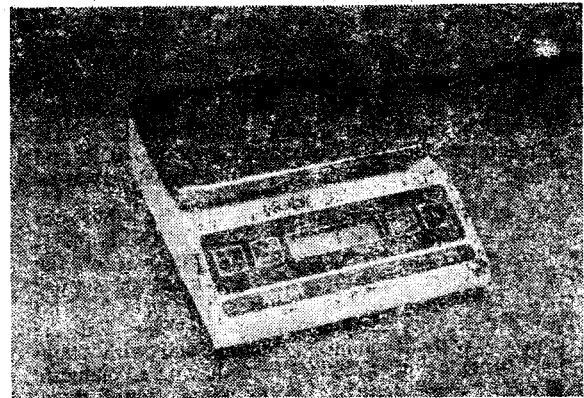
नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1994

का. आ. 410.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् संसाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित प्रतिमान बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (प्रतिमान का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और यह संभावना है कि उक्त प्रतिमान आदिशित उपयोग की लम्बी अवधि तक ठीक बना रहेगा और विभिन्न दशाओं में सही सेवा देगा ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, टाइप सं. टी सी 60 और "एवरी" ब्रांड नाम वाले स्वतः सूचक, गैर स्वचालित तोलन उपकरण के प्रतिमान का (जिसे इसमें इसको पश्चात् प्रतिमान कहा गया है), जो मैसर्स एवरी इंडिया लिमिटेड प्लाट सं. 50-59 सेक्टर 25 बल्लभगढ़ (हरियाणा) पिन कोड 121004 द्वारा विनिर्मित है, जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी 01/94/02 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है ;

पुनः, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि प्रतिमान के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत के अनुसार उस सामग्री से जिससे नुमोदित प्रतिमान का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित 600 ग्राम की अधिकतम क्षमता

वाला टाइप संख्यांक टी.सी. -61 के प्रकार शुद्धता और कार्यकरण वाला तोलन उपकरण भी है।



(आकृति 1)

प्रतिमान (आकृति देखिए) एक मध्यम शुद्धता (शुद्धता वर्ग 3) वाला तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 6 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 ग्राम है संसाधान अंतर (3) प्राप्त है इसमें एक डेयर युक्ति है जिसका व्यक्तिगत प्रतियोगण डेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है उसका आधार और भार वाली क्षमता मृदु स्टील प्लेट और स्टेनलेस स्टील के बने हुए हैं। भार वाली का आकार 215 मिली-मीटर x 170 मिलीमीटर है। 12.5 मिलीमीटर संप्रतीक आकार का सात घंटीय प्रकाश उत्पन्न शिफ्टी प्रदर्श, तोलन परिणाम उपदिशित करता है यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21(24)/90]

सती नायर, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 20th January, 1994

S.O. 410.—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the Self-indicating, non-automatic weighing instrument of type No. TC-60 and with brand name 'AVERY' (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Avery India Ltd., Plot No. 50-59, Sector 25, Ballabgarh (Haryana), Pin Code-121 004, and which is assigned the approval mark-IND/01/94/02;

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance with type number TB-61 and with a maximum capacity of 600 gram, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.



(figure-1)

The Model (see figure 1) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with the maximum capacity of 6 kilogram and a minimum capacity of 20 gram. The verification scale interval (e) is 1 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The base and the load receptor are made up of mild steel plate and stainless steel respectively. The load receptor has the dimension of 215 millimetre × 179 millimetre. The seven segment vacuum fluorescent display of character size 12.5 millimetre indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply.

[F. No. WM-21(24)/90]
SATHI NAIR, Jt. Secy.

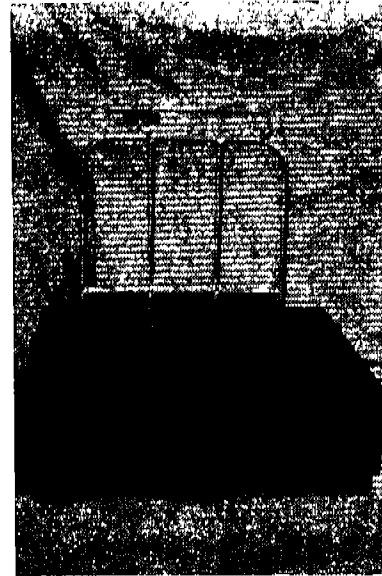
नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1994

का.आ. 411.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा, उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित प्रतिमान, बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (प्रतिमान का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और यह संभावना है कि उक्त प्रतिमान अविरत उपयोग की खंबी क्षमति तक ठीक बना रहेगा और विभिन्न दशाओं में सही सेवा देगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, टाइप संख्या एच 300/एल 101 और "एवरी" ब्रांड नाम वाले स्वतः सूचक, गैर स्व-चालित तोलन उपकरण के प्रतिमान का, (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्रतिमान कहा गया है) जो सीमर्स एवरी इंडिया लिमिटेड, प्लॉट नं. 50—59, सैक्टर 25, बल्लभगढ़, हरियाणा—121004 द्वारा विनिर्मित है, जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी 01/94/01 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

पुनश्च, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि प्रतिमान के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माण द्वारा उम्मी विद्वान्त के अनुसार उस सामग्री से, जिससे अनुमोदित प्रतिमान का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित 60 किलो ग्राम की अधिकतम क्षमता वाला उसी प्रकार शुद्धता, के कार्यकरण बालतोलन उपकरण भी है।

178 GI/94—7



(आकृति 1)

प्रतिमान (आकृति 1 देखिए) एक मध्यम शुद्धता (शुद्धता वर्ग 3) वाला तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 150 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 1 किलोग्राम है सम्पादन मापमान अंतर (e) 50 ग्राम है इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यवस्थानात्मक प्रति धारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है इसका आधार और प्लेटफॉर्म क्रमशः मृदु स्टील और स्टेनलेस स्टील के बने हैं। प्लेटफॉर्म आयतनकार है और उसकी दोनों तरफों की लम्बाई 550 मिलीमीटर × 500 मिलीमीटर है। 12.5 मिलीमीटर सप्रतीक आकार का सात खंडीय निर्माण प्रदीप्तीशील प्रदर्श तालन परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 23 वोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

[का. स. डब्ल्यू. एम-21(18)/90]
सती नायर, सयुक्त सचिव

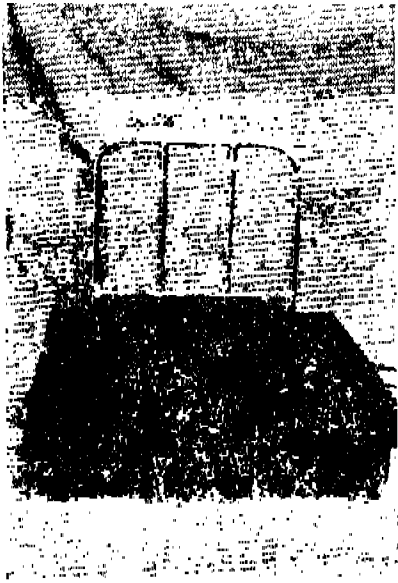
New Delhi, the 20th January, 1994

S.O. 411.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the Self-indicating, non-automatic weighing instrument of type No. H 300/L 101 and with brand name 'AVERY' (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Avery India Ltd., Plot No. 50-59, Sector 25, Ballabgarh (Haryana), Pin Code-121 004, and which is assigned the approval mark-IND/01/94/01;

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance with a maximum capacity of 60 kilogram, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

The Model (see figure 1) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with the maximum capacity of 150 kilogram and a minimum capacity of 1 kilogram. The verification scale interval (e) is 50 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare



(figure-1)

effect The base and platform are made up of mild steel and stainless steel respectively. The platform is of rectangular shape with sides of length 550 millimetre×500 millimetre. The seven segment vacuum florescent display of character size 12.5 millimetre indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply

[F. No. WM-21 (18)/90]

SATHI NAIR, Jt. Secy.

कृषि संजाल

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अ.देश

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1994

का.आ. 412 बहु-राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम, 1984 (1984 की नं. 51) की धारा 99 की उपधारा (2) के खण्ड (क) के उपखण्ड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एम्प्लॉय क्रिशक भारत सहकारी लिमिटेड (क्रिशक) को बहु-राज्यीय सहकारी समिति (विशेषाधिकार, सम्पत्ति और निधि, सेवा, सेवा-प्रदाता, डिजिटल का समापन एवं निष्ठा, आदेश तथा निर्णय) नियम, 1985 को भूकम्प से प्रभावित महाराष्ट्र के लोगों के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में, वर्ष 1992-93 में निम्नलिखित में से 23.00 लाख रुपये (दोस्र लाख रुपए) दान देने को स्वकृति प्रदान करता है।

[नं. आ.र.-11017/37/91-ए.ए. एण्ड एम.]

भगत सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agricultural & Co-operation)

ORDER

New Delhi, the 21st January, 1994

S.O. 412.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (i) of clause (a) of sub-section (2) of section 99 of the Multi State Co-operative Societies Act, 1984 (No. 51 of 1984), the Central Government hereby exempts Krishak Bharti Cooperative Limited (KRIBHCO) from the provisions of clause (c) of rule 5 of the Multi-State Co-operative Societies (Privileges, Properties and Funds, Accounts, Audit-Winding-up and Execution of Decrees, Orders and Decisions) Rules, 1985, to donate Rs. 23.00 lakhs (Twenty three lacs rupees) out of its net profit in the year 1992-93 to the Prime Minister's Relief Fund for the people of Maharashtra effected by earth-quake.

[F. No. R-11017/37/91-L&M]

BHAGAT SINGH, Jt. Secy.

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 मई, 1993

का.आ. 413.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित गई और भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख, 25 मई, 1991 में प्रकाशित भारत सरकार के तत्कालीन ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना में सं. का.आ. 1453 तारीख 15 मई, 1991 द्वारा उन अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में, 1050.54 हेक्टर (लगभग) या 2596.63 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में सभी अधिकारों का और 26.27 हेक्टर (लगभग) या 64.91 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनन अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और महाराष्ट्र सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 417.97 हेक्टर (लगभग) या 1032.80 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, खदान, खोर करने, उनकी खुदाई करने और खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों को अर्जित किया जाना चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 417.97 हेक्टर (लगभग) या 1032.80 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में

खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई करने और खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाते हैं।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के स. शी 1(ई)/III/एफआर/517.0692 तारीख 1 जून, 1992 वाले रेखांक का निरीक्षण कलक्टर, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, कार्जसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में, या वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) कॉल एस्टेट, सिविल लाइन्स नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

मकरधोकरा ब्लाक

नागपुर क्षेत्र

जिला—नागपुर (महाराष्ट्र राज्य)

खनन अधिकार

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी सर्किल संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7
1.	मकरधोकरा	17	उमरेर	नागपुर	5.69	भाग
2.	बोपेश्वर	17	उमरेर	नागपुर	114.00	भाग
3.	कटरा	22	उमरेर	नागपुर	133.77	भाग
4.	सिरपुर	22	उमरेर	नागपुर	39.46	भाग
5.	कन्हवा	22	उमरेर	नागपुर	85.59	भाग
6.	गन्पावली	22	उमरेर	नागपुर	39.46	भाग
कुल क्षेत्र .					417.97 हैक्टर (लगभग)	
					वा	
					1032.80 एकड़ (लगभग)	

ग्राम मकरधोकरा में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक :

322 से 325

ग्राम बोपेश्वर में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक :

17, से 19, 20/1, 20/2, 20/3, 20/4, 21, 22, 63 से 68, 69/1, 69/2, 70 से 78 78 से 84, 85/1, 85/2, 86 से 90, 91/1, 91/2, 91/3, 91/4, 92, 93, 94 (भाग), 97/1, 97/2, 97/3, 97/4, 98/1, 98/2, 98/3, 99 से 101, 102/1, 102/2, 103, 104, 104/1, 104/2।

ग्राम कटरा में अर्जित किए गए प्लॉट

संख्यांक :

5 भाग, 10 से 12, 13/1, 13/2, 13/3, 13/4, 13/5, 14 से 30, 54, 59 से 97, 132, 142, 143, सड़क भाग, नाला।

ग्राम सिरपुर में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक :

73, 74, 79, 80, 81/3, 81/2, 81/3, 85 से 91, 94/1, 94/2।

ग्राम कन्हवा में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक :

90 से 115, 120 से 122 203, सड़क भाग, नाला भाग

ग्राम गनपावली में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक :

26, 27/1 27/2, 37/1, 37/2, 38, 39/1, 39/2, 40 में 55, सड़क भाग।

सीमा वर्णन :

क—ख : रेखा “क” बिन्दु से आरम्भ होती है और प्लॉट संख्यांक 322, 323, की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम मकरधोकरा से गुजरती है उसके बाद ग्राम मकरधोकरा और ग्राम बोमेश्वर की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है और “ख” बिन्दु पर मिलती है।

ख—ग : रेखा प्लॉट 97/3, 97/1, 98/1, 93 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम बोमेश्वर से गुजरते हुए प्लॉट सं. 94 में जाती है। उसके बाद प्लॉट सं. 17, 22, 84, 83, 78, 73, 71, 70, 69/1, 63 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है। उसके बाद ग्राम बोमेश्वर और गनपावली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और “ग” बिन्दु पर मिलती है।

ग—घ : रेखा प्लॉट संख्यांक 26, 27/1, 27/2, 39/1, 39/2, 38, 37/1, 37/2, 46 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम गनपावली से होकर गुजरती है, सड़क पार करती है और प्लॉट सं. 50 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है और “ङ” बिन्दु पर मिलती है।

ङ—च—छ : रेखा ग्राम गनपावली और ग्राम कन्हवा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है रेल लाइन पार करती है, उसके बाद प्लॉट सं. 107, 122 की बाहरी सीमा के साथ ग्राम कन्हवा से होकर चलती है, सड़क पार करती है और सड़क, प्लॉट संख्यांक 114, 115, सड़क, 113, 90 की बाहरी सीमा के साथ चलती है, नाला पार करती है और “छ” बिन्दु पर मिलती है।

छ—ज—झ : रेखा ग्राम कन्हवा और ग्राम सिरपुर की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है, उसके बाद प्लॉट संख्यांक 94/1, 94/2, 91, 86, 85, 81, 81/2, 81/3, 79, 74, 73 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम सिरपुर से होकर चलती है और 1 ग्राम सिरपुर तथा ग्राम कटरा की सम्मिलित सीमा के साथ गुजरती है और “झ” बिन्दु पर मिलती है।

झ—ञ : रेखा नाला प्लॉट संख्यांक 96, 97, 60, 59, 54 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम कटरा से होकर प्लॉट संख्यांक, 5 में जाती है, रेल लाइन पार करती है और उसके बाद प्लॉट सं. 30 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है सड़क पार करती है और प्लॉट सं. 11, 10 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और उसके बाद ग्राम कटरा और ग्राम बोमेश्वर की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है और “ञ” बिन्दु पर मिलती है।

ञ—क : रेखा प्लॉट संख्यांक 91/1, 91/2, 104/1, 104/2, 103, 102/2, 101 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम बोमेश्वर से होकर गुजरती है और ग्राम बोमेश्वर और ग्राम मकर धोकरा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है उसके बाद प्लॉट सं. 324, 324, 323, 322 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती ग्राम मकर धोकरा होकर गुजरती है और आरम्भिक बिन्दु “क” पर मिलती है।

[सं. 43015/4/88-एल. एस. डब्ल्यू.]

बी.वी. राव, प्रवर सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 26th May, 1993

S.O. — 413.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) number S.O. 1453 dated the 15th May, 1991, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 25th May, 1991, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government gave notice of its intention to acquire all rights in the lands measuring 1050.84 hectares (approximately) 2596.63 acres (approximately) and mining rights in the lands measuring 26.27 hectares (approximately) or 64.91 acres (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Maharashtra, is satisfied that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away

minerals in the lands measuring 417.97 hectares (approximately) or 1032.80 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 417.97 hectares (approximately) or 1032.80 acres (approximately) described in the said Schedule appended hereto are hereby acquired.

The plan bearing No. C-1(E)/III/FR/517-0692 dated the 1st June, 1992 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Nagpur (Maharashtra) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra).

SCHEDULE
MAKARDHOKRA BLOCK
NAGPUR AREA
DISTRICT NAGPUR (MAHARASHTRA STATE)

Mining Rights

S. No.	Name of village	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1	Makardhokra	17	Umrer	Nagpur	5.69	Part
2	Bopeshwar	17	Umrer	Nagpur	114.00	Part
3	Katara	22	Umrer	Nagpur	133.77	Part
4	Sirpur	22	Umrer	Nagpur	39.46	Part
5	Kanhwa	22	Umrer	Nagpur	85.59	Part
6	Ganpawali	22	Umrer	Nagpur	39.46	Part
Total area :						417.97 hectares (approximately) or 1032.80 acres (approximately)

Plot numbers acquired in village Makardhokra,
322 to 325.

Plot numbers acquired in village Bopeshwar:

17 to 19, 20/1, 20/2, 20/3, 20/4, 21, 22, 63 to 68, 69/1, 69/2, 70 to 73, 78 to 84, 85/1, 85/2, 86 to 90, 91/1, 91/2, 91/3, 91/4, 92, 93, 94 Part, 97/1, 97/2, 97/3, 97/4, 98/1, 98/2, 98/3, 99 to 101, 102/1, 102/2, 103, 104/1, 104/2.

Plot numbers acquired in village Katara:

5 Part, 10 to 12, 13/1, 13/2, 13/3, 13/4, 13/5, 14 to 30, 54, 59 to 97, 132, 142, 143 Road Part, Nalla.

Plot numbers acquired in village Sirpur:

73, 74, 79, 80, 81/1, 81/2, 81/3, 85 to 91, 94/1, 94/2.

Plot numbers acquired in village Kanhwa:

90 to 115, 120 to 122, 203, Road Part, Nalla Part.

Plot numbers acquired in village Ganpawali:

26, 27/1, 27/2, 37/1, 37/2, 38, 39/1, 39/2, 48 to 55, Road, Part.

Boundary description:

A—B: Line starts from point 'A' and passes through village Makardhokra, along the outer boundary of plot numbers 322, 323, then proceeds along the common boundary of villages Makardhokra and Bopeshwar and meets at point 'B'.

- B—C** Line passes through village Bopeshwar along the outer boundary of plot numbers 97/3, 97/1, 98/19, 93, in plot number 94, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 17, 22, 84, 83, 78, 73, 71, 70, 69/1, 63, then passes along the common boundary of villages Bopeshwar and Ganpawali and meets at point 'C'.
- C—D—E** Line passes through village Ganpawali along the outer boundary of plot numbers 26, 27/1-27/2, 39/1-39/2, 38, 37/1-37/2, 46, crosses road and passes along the outer boundary of plot number 50 and meets at point 'E'.
- E—F—G** Line passes along the common boundary of villages Ganpawali and Kanhwa, crosses the railway line, then proceeds through village Kanhwa, along the outer boundary of plot numbers 107, 122, crosses road and passes along the outer boundary of road, plot numbers 114, 115, Road, 113, 90, crosses nallah and meets at point 'G'.
- G—H—I** Line passes along the common boundary of villages Kanhwa and Sirpur, then proceeds through village Sirpur, along the outer boundary of plot numbers 94/1-94/2, 91, 86, 85, 81/1-81/2-81/3, 79, 74, 73 and passes along the common boundary of villages Sirpur and Katara and meets at point 'I'.
- I—J** Line passes through village Katara along the outer boundary of nallah, plot numbers 96, 97, 60, 59, 54 in plot number 5, crosses railway line, then passes along the outer boundary of plot number 30, crosses road and passes along the outer boundary of plot numbers 11, 10 and then proceeds along the common boundary of villages Katara and Bopeshwar and meets at point 'J'.
- J—A** Line passes through village Bopeshwar along the outer boundary of plot numbers 91/1, 91/2, 104/1, 104/2, 103, 102/2, 101 and proceeds along the common boundary of villages Bopeshwar and Makardhokra, then passes through village Makardhokra along the outer boundary of plot numbers 324, 325, 323, 322 and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/4/88-LSW]

B. B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1994

New Delhi, the 13th January, 1994

का. प्र. 414.—केन्द्रिय सरकार, राजमाहा (संघ केशायकीय प्रयोगों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसूच में कोयला मुख्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण-क्षेत्र, साउथ ईस्टर्न कोयलाफील्ड्स लि. और ईस्टर्न कोयलाफील्ड्स लि. के निम्नलिखित क्षेत्र (मुख्यालय) को, जिसके 80 कार्यचर्यावृत्त ने हिंदी का कार्यवाहक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करता है:—

1. साउथ ईस्टर्न कोयलाफील्ड्स लि., क्षेत्रीय मुख्यालय, चिरिमिरी क्षेत्र।
2. साउथ ईस्टर्न कोयलाफील्ड्स लि., क्षेत्रीय मुख्यालय, बैकुण्ठपुर क्षेत्र।
3. साउथ ईस्टर्न कोयलाफील्ड्स लि., क्षेत्रीय मुख्यालय, जोहिला क्षेत्र।
4. साउथ ईस्टर्न कोयलाफील्ड्स लि., क्षेत्रीय मुख्यालय, कोरबा क्षेत्र।
5. ईस्टर्न कोयलाफील्ड्स लि., राजमाहा क्षेत्र।

[का. सं. ई-11016/1/94-हिंदी]

कमल कान्त मिश्र, संयुक्त सचिव

S.O. 414.—In pursuance of sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official purpose of the Union), Rule 1976, the Central Government hereby notifies, the Area (HQ) Offices of South Eastern Coalfields Limited and Eastern Coalfields Limited of the following company, under the Administrative Control of the Ministry of Coal, the 80 per cent staff whereof have acquired working knowledge of Hindi.

1. South Eastern Coalfields Limited, Area (HQ), Chirimiri Area.
2. South Eastern Coalfields Limited, Area (HQ), Bakandhpur Area.
3. South Eastern Coalfields Limited, Area (HQ), Johila Area.
4. South Eastern Coalfields Limited Area (HQ), Korba Area.
5. Eastern Coalfields Limited, (Rajmahal), Area Rajmahal Area.

[No. E-11016/1/94-Hindi]

K. K. MISRA, Jr. Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(महिला एवं बाल विकास विभाग)
पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले
में राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में
नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1994

का. अ. 415:--राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनके सहमति से पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के खण्ड 10(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सूचना द्वारा आदेश देता है कि नीचे दिए गए व्यौरे के अनुसार रु. 8,87,379 (आठ लाख सत्तासी हजार तीन सौ उन्नासी मात्र) सिडिकेट बैंक, हीन खास, नई दिल्ली में 70 दिनों के लिए फिक्स डिपॉजिट योजना के अंतर्गत 7 प्रतिशत की व्याज दर से 15-12-93 को पुनः निवेश का गई :-

क्रम सं.	राशि	पिछले निवेश का तारीख	भुगतान का तारीख	अभियुक्तियां
1.	रु. 8,87,379/- (व्याज सहित)	30-10-93	15-12-93	

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के दिनांक 2 मार्च, 1979 के समय-समय पर यथा संशोधित सं. अ. 120 (ई) का अधिसूचना के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के संचालन का योजना के अनुसार प्रयोग किए जाने हेतु उपरोक्त खाता भारतीय पूर्व विन्यास के खान्दों के नाम होगा।

[सं. 13-4/93-टो-अर-II]

सुरजित लाल, धवर सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(Department of Women & Child Development)

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT 1890 (6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January, 1994

S.O. 415.—On the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi and in exercise of the powers conferred by Section 10(2) of the Charitable Endowments Act 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 8,87,379/- (Rupees Eight Lakh Eightyseven Thousand Three hundred and Seventynine only) as per particulars given below be re-invested in Fixed Deposit Scheme for 70 days in Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi at the rate of interest 7 per cent per annum w.e.f. 15-12-1993.

Sl. Amount Date of pre- Date of Remarks
No. vious Invest- Matur-
ment rity

1. Rs. 8,87,379/- 30-10-93 15-12-93
(along with interest)

2. The above account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi published with the Notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120(E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F. No. 13-4/93-TR-III]

SURJIT LAL, Under Secy.

विद्युत् मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1994

का. अ. 416:--केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की वेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दो गई सारणों के स्तंभ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के समतुल्य रैंक का अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करता है, जो, उक्त सारणों के स्तंभ (2) की तत्स्थाना प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के प्रयोगों का बाबत, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन अपने अधिकारिता की स्थानों संसाधनों के भीतर करेगा।

सारण

अधिकार का नाम	सरकारी स्थानों के प्रयोग और अधिकारिता की स्थानों संसाधन
1	2
कार्मिक अधिकारी (संपदा प्रशासन), नाथपा झाकरी पावर कारपोरेशन लि., पंजीकृत कार्यालय कुमार हाउस, शिमला- 171084	हिमाचल प्रदेश के शिमला और किन्नोर जिले के रामपुर, झाकरी, जेकरा, भावनगर और नाथरी में नाथपा झाकरी पावर कारपोरेशन लिमिटेड, नाथपा झाकरी जल विद्युत् परियोजना के बा उद्देश्य द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर या अर्जित किए गए स्थान

[सं. 1/9/93-डी. (का. एण्ड एन.)]

का. के. दत्तान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF POWER

New Delhi, the 14th January, 1994

S. O. 416.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorized Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an Officer equivalent in rank to a gazetted officer of the Government to be estate officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officer by or under the said Act within the local limits of his

jurisdiction in respect of the categories of Public Premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the officer	Categories of the Public Premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
Personal Officer (Estate Administration), Nathpa Jhakri Power Corporation Limited, Registered Office : Kumar House, Shimla-171004.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Nathpa Jhakri Power Corporation Limited/Nathpa Jhakri Hydro-Electric Project at Rampur, Jhakri, Joori, Bhabaragar and Nathpa under the Shimla and Kinnaur districts of Himachal Pradesh.

[No.1/9/93—D(B&N)]

V. K. DEWAN, Jt. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का. प्रा. 417:—केन्द्रीय सरकार, होमियोपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1973 (1973 का 59) का धारा 13क को उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय होमियोपैथी परिषद, से परामर्श करने के बाद उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

दूसरी अनुसूची में “कर्नाटक” शीर्षक के अंतर्गत क्रम सं. 7ग और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

1	2	3	4
“7ग बंगलूर विश्वविद्यालय	बैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी	को.एच.एम.एस. 1990 से 1993 तक।”	

[सं. प्रा. 14015/8/90-होमियो]

ब. सी. मेहता, डेस्क अधिकारी (होमियो)

पादटिप्पण:—यह अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-II खंड (I) में दिनांक 20 दिसम्बर, 1973 के का.प्रा. सं. 76 के सहित प्रकाशित की गई और बाद में भारत के राजपत्र भाग-II, खंड 3, उपखंड (i) में उसमें निम्नलिखित के द्वारा संशोधन प्रकाशित किए गए:—

का. प्रा. सं. 3325 दिनांक 4-11-1978
 का. प्रा. सं. 1517, दिनांक 26-2-1983
 का. प्रा. सं. 1481, दिनांक 12-3-1983
 का. प्रा. सं. 3099 दिनांक 21-6-1985
 का. प्रा. सं. 2048 दिनांक 23-3-1986
 का. प्रा. सं. 2270 दिनांक 24-5-1986
 का. प्रा. सं. 2449 दिनांक 1-8-1990
 का. प्रा. सं. 2501 दिनांक 1-8-1990

का. प्रा. सं. 2502 दिनांक 21-8-1990

का. प्रा. सं. 710 दिनांक 20-2-1992

का. प्रा. सं. 891 दिनांक 5-3-1992

का. प्रा. सं. 1210 दिनांक 23-4-1992

का. प्रा. सं. 2669 दिनांक 24-9-1992

का. प्रा. सं. 978 दिनांक 28-4-1993

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 417.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 13 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), the Central Government after consulting the Central Council of Homoeopathy, hereby makes the following amendment in the Second Schedule to the said Act, namely:—

In the Second Schedule, under the heading “KARNATAKA” after serial number 7C and entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

1	2	3	4
“7 D Bangalore University	Bachelor of Homoeopathic Medicine & Surgery.	B.H.M.S.	From 1990 to 1993.”

[No. R-14015/8/90-Homoeo]

B. C. MEHTA, Desk Officer.

Foot Note: The Principal notification was published in No. S.O. 76, dated the 20th December, 1973 in Gazette of India, Extraordinary Part II, Section I and subsequently amended vide:—

S.O. 3325 dated 4-11-1978,
 S.O. 1517 dated 26-2-1983,
 S.O. 1481 dated 12-3-1983,
 S.O. 3099 dated 21-6-1985,
 S.O. 2048 dated 24-3-1986,
 S.O. 2270 dated 24-5-1986,
 S.O. 2449 dated 1-8-1990,
 S.O. 2501 dated 1-8-1990,
 S.O. 2502 dated 21-8-1990,
 S.O. 710 dated 20-2-1992,
 S.O. 891 dated 5-3-1992,
 S.O. 1210 dated 23-4-1992,
 S.O. 2669 dated 24-9-1992,
 S.O. 978 dated 28-4-1993,

Published in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (ii).

संचार मंत्रालय

(दूर संचार विभाग)

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1994

का. भा. 418--सूक्ति भारतीय तार नियमावली, 1951 के नियम 434 (iii) (2) (ग) के अनुसार कल्याण, उल्हासनगर, अम्बरनाथ तथा कुल्गांव टेलीफोन एक्सचेंज प्रणालियों के स्थानीय क्षेत्रों में संशोधन करने के बारे में कल्याण, उल्हासनगर, अम्बरनाथ तथा कुल्गांव में प्रचलित समाचार-पत्रों में एक सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की गई थी जिसमें सम्भवतः हमारे प्रभावित होने वाले व्यक्तियों की प्राप्ति तथा उनके सुझाव समाचार-पत्रों में सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर मंगे गए थे।

और सूक्ति उपर्युक्त सूचना "लोक सत्ता" में 21-6-93 तथा "इण्डियन एक्सप्रेस" समाचार-पत्र में 22-6-93 को प्रकाशित की गई थी ;

और सूक्ति उपर्युक्त सूचना के बारे में जनता से प्राप्त आपत्तियों तथा सुझावों पर केन्द्र सरकार ने विचार कर लिया है;

अतः अब उपर्युक्त नियमावली के नियम 434 (iii) (2) (ग) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, दूरसंचार एतद्वारा घोषणा करते हैं कि 1-2-94 से कल्याण, उल्हासनगर, अम्बरनाथ तथा कुल्गांव के संशोधित स्थानीय क्षेत्र इस प्रकार होंगे:--

1. कल्याण टेलीफोन प्रणाली :

कल्याण टेलीफोन प्रणाली में कल्याण नगर निगम के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र शामिल होगा जिसकी अधिसूचना महाराष्ट्र सरकार की दिनांक 26-9-1993 की अधिसूचना सं. के सी सी 1082/सी आर--18/82 (i)/यू डी--20 के जरिए तथा संशोधन दिनांक 10-4-1992 की अधिसूचना सं. के सी सी 3090/1012/सी आर--105/90 (1)/यू डी--23 द्वारा किया गया था।

अर्थात् कि जो टेलीफोन उपभोक्ता कल्याण नगर निगम की सीमा से बाहर रहते हैं लेकिन जिन्हें कल्याण टेलीफोन प्रणाली द्वारा सेवा प्रदान की जा रही है, वे तब तक स्थानीय शुल्कों का भुगतान करते रहेंगे जब तक (क) वे इस प्रणाली के किसी भी एक्सचेंज की 5 कि. मी. की अरीय दूरी के भीतर रहते हैं और (ख) इस तथ्य के बावजूद कि किसी निकटवर्ती टेलीफोन प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत आते हुए भी, विभागीय कारणों से इससे जुड़े रहते हैं।

2. उल्हासनगर टेलीफोन प्रणाली :

उल्हासनगर टेलीफोन प्रणाली में उल्हासनगर नगरपालिका के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र शामिल होगा जिसकी अधिसूचना महाराष्ट्र सरकार की दिनांक 10-4-1992 की अधिसूचना सं. के सी सी 3090/1012/सी आर--105/90 (4)/यू डी--23 द्वारा की गई थी।

अर्थात् कि जो टेलीफोन उपभोक्ता उल्हासनगर की नगर पालिका सीमा से बाहर रहते हैं लेकिन जिन्हें उल्हासनगर टेलीफोन प्रणाली द्वारा सेवा प्रदान की जा रही है, वे तब तक स्थानीय शुल्कों का भुगतान करते रहेंगे जब तक (क) वे इस प्रणाली के किसी भी एक्सचेंज की 5 कि. मी. की अरीय दूरी के भीतर रहते हैं और (ख) इस तथ्य के बावजूद कि किसी निकटवर्ती टेलीफोन प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत आते हुए भी, विभागीय कारणों से इससे जुड़े रहते हैं।

3. अम्बरनाथ टेलीफोन प्रणाली :

अम्बरनाथ टेलीफोन प्रणाली में अम्बरनाथ नगर पालिका के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र शामिल होगा जिसकी अधिसूचना महाराष्ट्र सरकार की दिनांक 10-4-1992 की अधिसूचना सं. के सी सी 3090/1012/सी आर--105/90 (ii)/यू डी--23 के द्वारा की गई थी।

अर्थात् कि जो टेलीफोन उपभोक्ता अम्बरनाथ नगर पालिका की सीमा से बाहर रहते हैं लेकिन जिन्हें अम्बरनाथ टेलीफोन प्रणाली द्वारा सेवा प्रदान की जा रही है, वे तब तक स्थानीय शुल्कों का भुगतान करते रहेंगे जब तक (क) वे इस प्रणाली के किसी भी एक्सचेंज की 5 कि. मी. की अरीय दूरी के भीतर रहते हैं और (ख) इस तथ्य के बावजूद कि किसी निकटवर्ती टेलीफोन प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत आते हुए भी, विभागीय कारणों से इससे जुड़े रहते हैं।

4. कुल्गांव टेलीफोन प्रणाली :

कुल्गांव टेलीफोन प्रणाली में बदलापुर नगर पालिका के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र शामिल होगा जिसकी अधिसूचना महाराष्ट्र सरकार की दिनांक 10-4-1992 की अधिसूचना सं. के सी सी 3090/1012/सी आर--105/90 (iii)/यू डी--23 के द्वारा की गई थी।

अर्थात् कि जो टेलीफोन उपभोक्ता बदलापुर नगर पालिका की सीमा से बाहर रहते हैं लेकिन जिन्हें कुल्गांव टेलीफोन प्रणाली द्वारा सेवा प्रदान की जा रही है, वे तब तक स्थानीय शुल्कों का भुगतान करते रहेंगे जब तक (क) वे इस प्रणाली के किसी भी एक्सचेंज की 5 कि. मी. की अरीय दूरी के भीतर रहते हैं और (ख) इस तथ्य के बावजूद कि किसी निकटवर्ती टेलीफोन प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत आते हुए भी, विभागीय कारणों से इससे जुड़े रहते हैं।

[काइल सं. 3-3/90--पी एच बी]

नुरदीप सिंह, निदेशक (फोल्ड-ई)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

New Delhi, the 21st January, 1994

S.O. 418.--Whereas a public notice for revising the local area of Kalyan, Ulhasnagar, Ambarnath and Kulgaoon Telephone Exchange Systems was published as required by rule 434 (III)(2)(c) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Kalyan, Ulhasnagar, Ambarnath and Kulgaoon inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 21-6-93 in Lok Satta and 22-6-93 in the Indian Express newspapers;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 434 (III) (2) (c) of the said Rules, the Director General Telecommunications hereby declares that with effect from 1-2-94 the revised local area of Kalyan, Ulhasnagar, Ambarnath and Kulgaoon shall be as under :--

1. Kalyan Telephone System :

The local area of Kalyan Telephone System shall cover an area falling under the jurisdiction of Kalyan Municipal Corporation as notified vide Govt. of Maharashtra Notification No. KCC 1082/CR-18/82(i)/UD-20 dt. 26th September, 1983 and modified vide Notification No. KCC 3090/1012/CR-105/90(i)/UD-23. dated 10th April, 1992 ;

Provided that the telephone subscribers located outside the Kalyan Municipal Corporation limits but who are served from Kalyan Telephone System shall continue to pay local tariffs as long as (a) they are within 5 kms. radial distance of any exchange of this system and (b) remain connected to it due to departmental reasons notwithstanding the fact that they may fall within the local area of any adjacent telephone system.

2. Ulhasnagar Telephone System :

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1994

The local area of Ulhasnagar Telephone System shall cover an area falling under the jurisdiction of Ulhasnagar Municipality as notified vide Govt. of Maharashtra Notification No. KCC 3090/1012/CR-105/90(iv) UD-23 dated 10-4-1992 ;

Provided that the telephone subscribers located outside the Ulhasnagar Municipality limits but who are served from Ulhasnagar Telephone System shall continue to pay local tariffs as long as (a) they are within 5 kms. radial distance of any exchange of this system and (b) remain connected to it due to departmental reasons notwithstanding the fact that they may fall within the local area of any adjacent telephone system.

3. Ambarnath Telephone System :

The local area of Ambarnath Telephone System shall cover an area falling under the jurisdiction of Ambarnath Municipality as notified vide Govt. of Maharashtra Notification No. KCC 3090/1012/CR-105/90(ii) UD-23 dated 10th April, 1992;

Provided that the telephone subscribers located outside the Ambarnath Municipality limits but who are served from Ambarnath Telephone System shall continue to pay local tariffs as long as (a) they are within 5 kms. radial distance of any exchange of this system and (b) remain connected to it due to departmental reasons notwithstanding the fact that they may fall within the local area of any adjacent telephone systems.

4. Kulgaon Telephone System :

The local area of Kulgaon Telephone System shall cover an area falling under the jurisdiction of Badlapur Municipality as notified vide Govt. of Maharashtra Notification No. KCC 3090/1012/CR-105/90(iii) UD-23 dated 10th April, 1992;

Provided that the telephone subscribers located outside the Badlapur Municipality limits but who are served from Kulgaon Telephone System shall continue to pay local tariffs as long as (a) they are within 5 kms. radials distance of any exchange of this system and (b) remain connected to it departmental reasons notwithstanding the fact that they may fall within the local area of any adjacent telephone systems.

[F. No. 3-3/90-PHB]

GURDIP SINGH, Director (Phones-E)

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय

(नागर विमानन विभाग)

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1994

का. धा. 419.—अधिवसिता की आय प्राप्त करने पर, श्री के. एन. अर्धनाथस्वरन, आईए एस (बिहार: 58) राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं और भारत अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष के पद के अतिरिक्त प्रसार से 31-12-1993 (अंतराह्व) से कार्यमुक्त हो गये।

[एफ नम्बरा एवी 11015/3/91-एन एए (बीबी)]

एच. एस. मधु. सवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION & TOURISM

(Department of Civil Aviation)

New Delhi, the 7th January, 1994

S. O. 419.—Shri K. N. Ardhanaveswaran, I A S (BH:58) relinquished the charge of the post of Chairman, National Airports Authority and additional charge of the post of Chairman, International Airports Authority on attaining the age of superannuation on 31-12-1993 (A.N.).

[F. No. AV. 11015/3/91-NAA (VB)]

H. S. SANDHU, Under Secy.

का. धा. 420.—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (2) और (4) के अनुसरण में रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड निम्नलिखित रेल कार्यालयों को, जहाँ कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यमाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अधिसूचित करता है :—

I. उत्तर रेलवे

बीकानेर मंडल :

1. स्टेशन अधीक्षक मंडी, धावसपुर
2. स्टेशन मास्टर, भर्जनसर
3. स्टेशन मास्टर, धासलू
4. स्टेशन मास्टर, बगवाली
5. स्टेशन मास्टर, बनवाली
6. स्टेशन मास्टर, बड़ागढ़
7. स्टेशन मास्टर, भवानी खेड़ा
8. स्टेशन मास्टर, बेनीसर
9. स्टेशन अधीक्षक, भट्टी
10. स्टेशन मास्टर, बीगा
11. स्टेशन अधीक्षक, बिबानी
12. स्टेशन मास्टर, बीरंग खेड़ा
13. स्टेशन मास्टर, बिरबाल
14. स्टेशन मास्टर, बिजवासन
15. स्टेशन मास्टर, भगवानसर
16. स्टेशन मास्टर, चण्डी
17. स्टेशन अधीक्षक, चरखी दादरी
18. स्टेशन मास्टर, चहीना जैनाबाद
19. स्टेशन मास्टर, दिल्ली सदर बाजार
20. स्टेशन अधीक्षक, दिल्ली छावनी
21. स्टेशन अधीक्षक, दिल्ली मराय रोहिल्ला
22. स्टेशन मास्टर, नेपालसर
23. स्टेशन मास्टर, ढाबां
24. स्टेशन मास्टर, डाबली रथन
25. स्टेशन मास्टर, धीरेरा
26. स्टेशन मास्टर, धोलीपाव
27. स्टेशन मास्टर, दुधवा खेरा
28. स्टेशन मास्टर, धूलमेरा
29. स्टेशन अधीक्षक, डोंग
30. स्टेशन अधीक्षक, ऐलनाबाद
31. स्टेशन मास्टर, गाड़वाला
32. स्टेशन अधीक्षक, गजसिंहपुर
33. स्टेशन अधीक्षक, गढ़ी हरनर
34. स्टेशन मास्टर, गोगामेड़ी
35. स्टेशन मास्टर, गुरसर सहनेवाला
36. स्टेशन मास्टर, हड़ियाल
37. स्टेशन मास्टर, दीपलाला
38. स्टेशन अधीक्षक, हीसी
39. स्टेशन मास्टर, हरपालू
40. स्टेशन मास्टर, हठ्ठापुरी
41. स्टेशन मास्टर, जगदेववाला
42. स्टेशन मास्टर, जाखोवखेड़ा
43. स्टेशन मास्टर, जादुसना

44. स्टेशन मास्टर झाड़सी
45. स्टेशन मास्टर, झुपा
46. स्टेशन मास्टर, जुहारपुरा
47. स्टेशन मास्टर, जाटोला जोड़ी सांवका
48. स्टेशन अधीक्षक, कालावाली
49. स्टेशन मास्टर, कानासर
50. स्टेशन अधीक्षक, कनौना खाम
51. स्टेशन अधीक्षक, बीकानेर

हलाहाबाद मंडल :

1. स्टेशन प्रबंधक, हलाहाबाद
2. वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/लोको, कानपुर
3. वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टी. एम. शाव, कानपुर
4. सहायक विद्युत अभियंता/क. वि., कानपुर
5. मंडल विद्युत अभियंता/क. वि., कानपुर
6. मंडल विद्युत अभियंता/क. वि., दूण्डला
7. मंडल सिगनल एवं दूर संचार अभियंता, अलीगढ़
8. सहायक यातायात प्रबंधक, अलीगढ़
9. वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी, अलीगढ़
10. कोचिंग डिपो अधिकारी, अलीगढ़
11. सहायक अभियंता, जूनार
12. मुख्य रेलपथ निरीक्षक, जूनार
13. मुख्य निर्माण निरीक्षक, जूनार
14. सवारी एवं माल डिब्बा अधीक्षक, जूनार
15. स्टेशन अधीक्षक, जूनार
16. स्टेशन प्रबंधक, कानपुर
17. मंडल परिचालन प्रबंधक, दूण्डला
18. सहायक अभियंता, दूण्डला
19. चिकित्सा अधीक्षक, दूण्डला
20. सहायक यांत्रिक अभियंता, दूण्डला
21. सवारी एवं माल डिब्बा अधीक्षक, दूण्डला
22. स्टेशन अधीक्षक, दूण्डला
23. सहायक सिगनल एवं दूर संचार इंजी., दूण्डला
24. वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/लोको शेड, गाजियाबाद
25. स्टेशन अधीक्षक, नैनी
26. सहायक विद्युत अभियंता/क. वि., मिर्जापुर
27. स्टेशन अधीक्षक, हाथरस जं.
28. स्टेशन अधीक्षक, मिर्जापुर
29. स्टेशन अधीक्षक, एटा
30. स्टेशन अधीक्षक, फिरोजाबाद
31. स्टेशन अधीक्षक, मेतपुरी
32. स्टेशन अधीक्षक, गिकोहाबाद
33. स्टेशन अधीक्षक, फर्रूख

II. दक्षिण मध्य रेलवे :

1. डीजल शेड, गुत्ती
2. सहायक यांत्रिक इंजीनियर का कार्यालय, लोको शेड, पूर्ण, हैदराबाद मंडल

III. दक्षिण पूर्व रेलवे

(क) नागपुर मंडल :

1. सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी का कार्यालय, अजन्तो
2. रेलपथ निरीक्षक का कार्यालय, हाऊबाग
3. निरीक्षक, रेल सुरक्षा बल का कार्यालय, छिड़वाड़ा

4. निरीक्षक, रेल सुरक्षा बल का कार्यालय, हाऊबाग
5. कैरेज फोरमैन का कार्यालय, गोंदिया

(ख) मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, बिलासपुर

IV. महानगर परिवहन परियोजना, बंबई

[सं. हिंदी-93/रा. भा० 1/12/6]

मसीदुज्जमाँ, सचिव, रेलवे बोर्ड एवं
पदेन प्रवर सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 20th January, 1994

S.O. 420.—In pursuance of sub-Rule (2) and (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Ministry of Railways (Railway Board), hereby notify the under mentioned Railway Offices where the staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

NORTHERN RAILWAY
BIKANER DIVISION

1. Station Suptd., Mandi Adampur
2. Station Master, Arjansar
3. Station Master, Aslu
4. Station Master, Bagwali
5. Station Master, Banwali
6. Station Master, Baragudha
7. Station Master, Bawani Khera
8. Station Master, Banisar
9. Station Suptd., Bhatti
10. Station Master, Bigga
11. Station Suptd., Bhiwani
12. Station Master, Birangkhara
13. Station Master, Biradhwai
14. Station Master, Bijwasan
15. Station Master, Bhagwansar
16. Station Master, Charaud
17. Station Suptd., Charkhi Dadri
18. Station Master, Dahina Zainabad
19. Station Master, Delhi Sadar Bazar
20. Station Suptd., Delhi Cantt.
21. Station Suptd., Delhi Sarai Rohilla
22. Station Master, Depalsar
23. Station Master, Dhaban
24. Station Master, Dabli Rathan
25. Station Master, Dhirera
26. Station Master, Dholipal
27. Station Master, Dudhwa Khera
28. Station Master, Dulmera
29. Station Suptd., Ding
30. Station Suptd., Ellenabad
31. Station Master, Gadhwala
32. Station Suptd., Gajsinghpur
33. Station Suptd., Garhiharsaru
34. Station Master, Gogameri
35. Station Master, Gurusar Sahnewala
36. Station Master, Hadyal
37. Station Master, Diplana
38. Station Suptd., Hausi
39. Station Master, Harpalu
40. Station Master, Inchhapuri
41. Station Master, Jagdeowala
42. Station Master, Jakhod Khera
43. Station Master, Jatusana

44. Station Master, Jharli
45. Station Master, Jhunpa
46. Station Master, Juharpura
47. Station Master, Jataula Jawri Sampka
48. Station Suptd., Kulanwali
49. Station Master, Kanasar
50. Station Suptd., Kanina Khas
51. Station Suptd., Bikaner

ALLAHABAD DIVISION

1. Station Manager, Allahabad
2. Sr. Divisional Elect, Eng./Loco, Kanpur
3. Sr. Divisional Elec. Eng./T.M. Shop, Kanpur
4. Asstt. Electrical Engineer, Traction Distribution, Kanpur
5. Divisional Electrical Engineer, Traction Distribution, Kanpur
6. Divisional Electrical Engineer, Traction Distribution, Tundla
7. Divisional Signal & Telecommunication Engineer, Aligarh
8. Assistant Traffic Manager, Aligarh
9. Sr. Divisional Medical Officer, Aligarh
10. Coaching Depot Officer, Aligarh
11. Assistant Engineer, Chunar
12. CPWL, Chunar
13. Chief Inspector of works, Chunar
14. C & W Suptd., Chunar
15. Station Suptd., Chunar
16. Station Manager, Kanpur
17. Divisional Operating Manager, Tundla
18. Assistant Engineer, Tundla
19. Medical Suptd., Tundla
20. Assistant Mechanical Engineer, Tundla
21. Carriage & Wagon Suptd., Tundla
22. Station Suptd., Tundla
23. Assistant Signal & Telecommunication Engineer, Tundla
24. Sr. Divisional Elect, Eng./Loco Shed, Ghaziabad
25. Station Suptd., Naini
26. Assistant Electrical Engineer/Traction Distribution, Mireapur
27. Station Suptd., Hathray Jn.
28. Station Suptd., Mirzapur
29. Station Suptd., Etah
30. Station Suptd., Firozabad
31. Station Suptd., Mainpuri
32. Station Suptd., Shikohabad
33. Station Suptd., Phaphund

(2) S.C. RAILWAY

1. Diesel Shed, Gutti.
2. Office of Assistant Mechanical Engineer, Locoshed, Purna, Hyderabad Division.

(3) S.E. RAILWAY

(A) NAGPUR DIVISION

- (i) Office of the Assistant Divisional Medical Officer, Ajni
- (ii) Office of the Permanent way Inspector, Howbagh
- (iii) Office of the Inspector, R.P.F., Chindwara
- (iv) Office of the Inspector, R.P.F., Howbagh
- (v) Office of the Carriage Foreman, Gondia

(B) Office of DRM, Bilaspur

(4) Metropolitan Transport Project, Bombay

[No. Hindi-93/OL-1/12/6]

MASIHUZZAMAN, Secy. Railway Board &
Ex. Officio Addl. Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1994

का.आ. 421.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में एस ई सी एल के प्रवक्ता-तन्त्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-94 प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/161/88-डी-IV(बी)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 11th January, 1994

S.O. 421.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 4-1-94.

[No. L-22012/161/88-D.IV(B)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

Present :

Sri R. K. Dash, I.L.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 8 OF 1989
(CENTRAL)

Dated, Bhubaneswar, the 22nd December, 1993

BETWEEN

The management of Rampur Colliery, Ib Valley Area of M/s. South Eastern Coalfields Ltd., P. O. Brajrajnagar, Dist. : Sambalpur. .. First party-management.

AND

Their workman Sri Bharatlal Kahar, Ex-Loader of Rampur Colliery, Ib Valley Area of South Eastern Coalfields Ltd., No. 6, Loharpara, P. O. Rampur Colliery, Dist. : Sambalpur. .. Second party-workman

Appearances :

None—for the first party management.

Sri G. Pujari, Advocate—for the second party workman.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of powers conferred upon it by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) have referred the following dispute for adjudication by this Tribunal vide their Order No. L-22012(161)/88-D.IV.B. dated 19-3-1989 :-

"Whether the action of the Management of Rampur Colliery of M/s. S.E.C. Ltd., Sambalpur in terminating the services of Sri Bharat Lal Kahar w.e.f. 22/23-11-82 by way of dismissal is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. Briefly stated the case of the workman is that a false charge was laid against him that while he being in employ-

ment of Rampur Colliery committed theft of company's property on 10-10-82 night. On the self same allegation a report was made to the Police as a result G. R. Case No. 76 of 1982 was registered and after trial the learned Magistrate acquitted him of the charge. Despite of such finding by a competent Court of law, the management dismissed him from service illegally and in violation of the principles of natural justice.

3. The case of the management on the other hand is that for gross misconduct, in as much as, for committing theft of the company's property he was charge-sheeted culminating in a domestic enquiry on conclusion whereof he was found guilty. Consequently, on the basis of the enquiry report, the authority terminated his service by way of dismissal vide order dated 22-11-82. It is, therefore, urged that the action so taken against him is legal and justified.

4. Hearing was ordered to be taken-up on 22-9-92 at Sambalpur circuit. Parties were accordingly informed by registered post. On the date of hearing the workman entered appearance alongwith his counsel but the management did not despite of registered notice sent on 15-7-92. Though acknowledgement receipt was not received but since one month had already elapsed by the aforesaid date, the management was set exparte. Ultimately, exparte hearing was taken-up and the workman in support of his case filed affidavit stating in detail what he has pleaded in his statement of claims.

5. On going through the pleadings of the parties and the affidavit of the workman, I am of the view that the management's action in terminating his services is illegal and unjustified. So, he be reinstated in service with full back wages and the back wages be paid within three months from the date of publication of this Award.

Dictated & corrected by me.

R. K. DASH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1994

का.आ. 422.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, टेलचर कोलियरी आफ मैसर्स सी सी एल. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-19012/40/86-डी-IV (बी)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th January, 1994

S.O. 422.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Talcher Colliery of M/s. C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 4-1-1994.

[No. L-19012/40/86-D.IV (B)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR
PRESENT :

Sri R. K. Dash, I.L.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case Nos. 19/87 and 50/87 (C)
Bhubaneswar, the 16th December, 1993

BETWEEN

The management of Talcher Colliery of M/s. Coalfields Ltd., Talcher, Dist. Dhenkanal —First party-management.

AND

Their workmen (named below) represented through Talcher Coal Mines Employees' Union S.C Ghosh Building, Vill. Kemua, P.O. Talcher, Dist. Dhenkanal.

Sl. No. Name of the workmen with father's name and address :

1. S/Sri Antaryami Garnaik,
S/o Bipin Behari Garnaik.
Antabareni, P.O. Damara.
2. Bankanidhi Pradhan,
S/o Maheswar Pradhan.
Kamarei, P.O. Jamda, Via Kaniba.
3. Dambarudhar Sahoo,
S/o Pranabandhu Sahu,
Indipur, P.O. Kamakshya Nagar, Dhenkanal.
4. Prafulla Behera,
S/o Chandrasekhar Behera,
Dumduma, P.O. Ekgharia, Talcher.
5. Maharag Sahu,
S/o Bauri Sahu,
Jake, P.O. Manikmara, Dhenkanal.
6. Madan Naik,
S/o Sukadev Naik,
At/P.O. Kandhala.
7. Nrusingha Behera,
S/o Purandar Behera.
Chandrabil, P.O. Badatribida.
8. Chhabi Behera,
S/o Dhani Behera,
At/P.O. Biru Takher.
9. Kalu Das,
S/o Biru Das.
Antarbatia Berhampur, P.O. Rangeilunda, Ganjam.
10. Purusottam Sahoo,
S/o Sukadev Sahoo,
At/P.O. Kumuda, Talcher.
11. Udaynath Behera,
S/o Kahnu Ch. Behera,
At : Dumduma, P.O. Ekgharia, Talcher.
12. Ratnakar Nanda,
S/o Anirudha Nanda,
At : Dumduma, P.O. Ekgharia, Talcher.
13. Bhramar Garnaik
S/o Manti Garnaik,
Lachhmanpur, P.O. Damara.
14. Ramesh Majhi,
S/o Gouranga Majhi,
Ambalal, P.O. Natada,
Angul.
15. Basanta Bhukta,
S/o Pranabandhu Bhukta,
Rakash, P.O. Hensumul,
Talcher.
16. Kartik Dumala,
S/o Jadav Dumala,
Barsinga, P.O. Kangulu,
Angul.
17. Sara Naik,
S/o Baidya Naik,
At/P.O. Badatribida,
Talcher.
18. Lambodar Biswal,
S/o Late Bhikari Biswal,
At/P.O. Danra.

19. Purna Ch. Garnaik,
S/o Late Kunja Garnaik,
Nakeipari, P.O. Danra,
Talcher.
20. Rama Pradhan,
S/o Sanu Pradhan,
Ampal, P.O. Natada,
Angul.
21. Kishore Ch. Nanda,
S/o Late Bhagaban Nanda,
Dumduma, P.O. Ekgharia,
Talcher.
22. Niranjan Sahu,
S/o Kartik Sahu,
At/P.O. Gahama,
Talcher.
23. Bipin Naik,
S/o Dukhabandhu Naik,
At : Ekdal, P.O. Hensumul.
24. Bira Sahoo,
S/o Nakafodi Sahoo,
Langijoda, P.O. Dera,
Talcher.
25. Keshab Pradhan,
S/o Gamghi Pradhan,
At/P.O. Natada,
Angul.
26. Basanta Naik,
S/o Duryodhan Naik,
At : Kamarei, P.O. Jarada,
Talcher.
27. Sambhunath Pradhan,
S/o Choudhury Pradhan,
At/P.O. Santarabunda,
Angul.
28. Banamall Sahoo,
S/o Sanatan Sahoo,
Jakandu, P.O. Manikamar,
Dhenkanal.
29. Pandab Naik,
S/o Jayadev Naik,
Jilinda, P.O. Hensumul,
Talcher.
30. Sunia Behera,
S/o Late Palau Behera,
Arakhpal, P.O. Gurujanj,
Talcher.
31. Chaturbhuj Sahu,
S/o Gandu Sahu,
Jaka, P.O. Manikmar,
Dhenkanal.
32. Biswanath Bhukta,
S/o Late Baidhar Bhukta,
Antaberei, P.O. Danra,
Talcher.
33. Pati Swain,
S/o Late Sartuka Swain,
At/P.O. Kalamachhin,
Talcher.
34. Uchhaba Pradhan,
S/o Late Baidhar Pradhan,
At/P.O. Natada, Angul.
35. Gandhi Naik,
S/o Maheswar Naik,
At Jadunathpur,
P.O. Ekgharia, Talcher.
36. Kulamani Naik,
S/o Adikanta Naik,
At Kilapanpasi, P.O. Bala,
Mayurbhanj.
37. Jugi Palei,
S/o Late Kanak Palei,
At/P.O. Kandhal, Talcher.
38. Kunja Sahu,
S/o Nakafodi Sahu,
At Ranpabeda, P.O. Bijogol.
39. Sankarsan Singh,
S/o Miludhar Singh,
Ninjindha, P.O. Badalu,
Dhenkala.
40. Sunia Sahu,
S/o Bauri Sahu,
At/P.O. Soloda,
Talcher.
41. Gandharba Bhukta,
S/o Gangadhar Bhukta,
At Antabareni,
P.O. Danra.
42. Bihari Garnaik,
S/o Late Balakrishna Garnaik,
At Antabareni,
P.O. Danra.
43. Bibhuti Sahu,
S/o Bhagabatia Sahu,
Biraramchandrapur,
P.O. Hensumul, Talcher.
44. Late Pada Dehury,
S/o Arakhita Dehiri,
At/P.O. Danra, Talcher.
45. Govinda Sethi,
S/o Kapila Sethi,
Ekadal, P.O. Hensumul,
46. Pabitra Pradhan,
S/o Bansi Pradhan,
At/P.O. Badakarjang,
47. Ramlal Chauhan,
S/o Desi Chauhan,
At Dera, P.O. Dera.
48. Dharanidhar Sahu,
S/o Makaji Sahu,
At Dubapal,
P.O. Badatribida.
49. Chakra Das,
S/o Sukru Das,
At Gurundi,
P.O. Ganjam.
50. Prafulla Majhi,
S/o Gandu Majhi,
Ambal, P.O. Natada,
Angul.
51. Kamar Naik,
S/o Madhu Naik,
Jilinda, P.O. Hensumul,
52. Bhagaban Naik,
S/o Dasia Naik,
Sarkisorpur,
P.O. Maniknuru,
Dhenkanal.
53. Nilambar Sahu,
S/o Kutartha Sahu,
At/P.O. Solada,
Talcher.
54. Lambodar Sahu,
S/o Baishnab Sahu,
At/P.O. Natada,
Angul.
55. Siridhari Pradhan,
S/o Dhanja Pradhan,
At/P.O. Natda, Angul.
56. Bitangi Dehury,
S/o Kulamani Dehury,
At Ekdal, P.O. Hensumul,

57. Gagan Behera,
S/o Akul Behera,
At Badagunduri, Talcher.
58. Sankarsan Jal,
S/o Kailash Jal,
Handidiha, P.O. Enkarbandh,
Dhenkanal.
59. Sanu Dehury,
S/o Santra Dehury,
Chhalia, P.O. Jaradakunku,
Talcher.
60. Rasa Sahu, S/o Baji Sahu,
Sandhapal, P.O. Kosala,
Angul.
61. Lokanath Sahu,
S/o Purna Ch. Sahu,
Dhobapal,
P.O. Badatribida, Talcher.
62. Hrusikesh Sahu,
S/o Demodar Sahu,
Dhobapal, Badatribida,
Talcher.
63. Prabasi Sahu,
S/o Budha Sahu,
Hiloi, P.O. Hensumul,
Talcher.
64. Tankar Dandpat,
S/o Sudarsan Dandpat,
Khuntagadia, P.O. Kuruda,
Angul.
65. Gopal Dehury,
S/o Kulamani Dehury,
Ekdal, P.O. Hensumul,
Talcher.
66. Baisakha Naik,
S/o Bida Naik,
At/P.O. Badatribida,
Talcher.
67. Kabi Pradhan,
S/o Ankura Pradhan,
At Ekdal, P.O. Hensumul.
68. Nakul Biswal,
S/o Pabitra Biswal,
Ekdal, P.O. Hensumul.
69. Natha Dehury,
S/o Gandu Dehury,
Ekdal, P.O. Hensumul.
70. Bharat Dehury,
S/o Gandu Dehury,
Ekdal, P.O. Hensumul.
71. Karuna Dehury,
S/o Bhagaban Dehury,
Ekdal, P.O. Hensumul.
72. Bhikari Sahoo,
S/o Kandha Sahoo,
At/P.O. Soloda,
Talcher.
73. Dinabandhu Sahu,
S/o Baishnab Sahu,
At/P.O. Natda, Angul.
74. Umesh Chandra Sahu,
S/o Sada Sahu,
At/P.O. Hensumul,
Dera.
75. Bira Garnaik,
S/o Ghanshyam Garnaik,
At Lachhmanpur,
P.O. Danra.
76. Sahadev Naik,
S/o Adikanda Naik,
Kiapanapasi,
P.O. Bala, Karanjia,
Mayurbhanj.
77. Anama Biswal,
S/o Govinda Biswal,
Kiapanapasi,
P.O. Bala, Karanjia,
Mayurbhanj.
78. Kirtan Naik,
S/o Dasa Naik,
Bolanda, P.O. Dera,
Talcher.
79. Rabi Sahu,
S/o Dukhi Sahu,
Jamunda, P.O. Tukuda,
Angul.
80. Raja Behera,
S/o Palau Behera,
Sanatribida,
P.O. Badatribida,
Dhenkanal.
81. Kutartha Sahu,
S/o Balakrishna Sahu,
Brajnathpur,
P.O. Radharamanpur,
Talcher.
82. Bikram Dehury,
S/o Lambodar Dehury,
Jillikoio, Dhenkanal.
83. Budhimanta Sahu,
S/o Subal Sahu,
Rahaberani,
P.O. Boroi, Dhenkanal.
84. Tripura Behera,
S/o Kandarpa Behera,
Hiloi, P.O. Hensumul,
Dhenkanal.
85. Sarathi Gochhayat,
S/o Chatur Gochhayat,
Hariharpur,
P.O. Ekgharia, Talcher.
86. Magha Naik,
S/o Iswar Naik,
Vill. Ekdal, P.O. Hensumul.
87. Kulamani Behera,
S/o Bina Behera,
Hiloi, P.O. Hensumul.
88. Harmohan Dehury,
S/o Bhagwan Dehury,
Ekdal, P.O. Hensumul,
Talcher.
89. Ramesh Naik,
S/o Basu Naik,
Budhapanga, P.O. Banarpal,
Dhenkanal.
90. Neula Bhukta,
S/o Pandi Bhukta,
Vill./P.O. Soroda,
Dhenkanal.
91. Binod Behera,
S/o Bichanda Behera,
Vill. Antaberani,
P.O. Danra, Dhenkanal.
92. Nityananda Garnaik,
S/o Rajendra Garnaik,
At Brahmanibahal,
P.O. Danra.
93. Bhagwan Behera,
S/o Anadi Behera,
Harchandpur,
P.O. Badatribida,

94. Judhisthir Behera,
S/o Murali Behera,
Raghanathpur,
P.O. Hensumul, Dhenkanal.
95. Keshab Bhutia,
S/o Bichanda Bhutia,
Zillinda, P.O. Hensumul,
Dhenkanal.
96. Surendra Parida,
S/o Joy Parida,
Zillinda, P.O. Hensumul,
Dhenkanal.
97. Bichhanda Behera,
S/o Maguni Behera,
Vill. Brajanathpur,
P.O. Radharamanpur,
Dhenkanal.
98. Suresh Garnaik,
S/o Kulamani Garnaik,
Vill./P.O. Kuio,
Dhenkanal.
99. Arakhita Sahu,
S/o Bhanja Sahu,
Vill. Arakhpal,
P.O. Hensumul,
Dhenkanal.
100. Bhimasen Behera,
S/o Puranachandra Behera,
Vill./P.O. Badatribida,
Dhenkanal.
101. Keshab Mohapatra,
S/o Govardhan Mohapatra,
Vill./P.O. Darana,
Dist. Dhenkanal.
102. Budhimanta Kathua,
S/o No known,
Hariharpur.
103. Prasanna Ku. Sahu,
S/o Kathi Sahu,
Vill./P.O. Badakantapur,
Dhenkanal.
104. Pitabas Sahu,
S/o Sadha Sahu,
Badasara, P.O. Angul,
Dhenkanal.
105. Dhaneswar Naik,
S/o Srinivas Naik,
Vill./P.O. Hensumul,
Dhenkanal.
106. Golakha Pradhan,
S/o Dancra Pradhan,
Vill. Badahara,
P.O. Badatribida.
107. Artatrana Paida,
S/o : Daya Paida,
Vill. Zillinda,
P.O. Hensumul,
Dhenkanal.
108. Danardan Deo,
S/o Padmacharan Deo,
Vill. Kiabala,
P.O. Basa,
Dist. Mayurbhanj.
109. Ramesh Moharana,
S/o Mangulu Moharana,
Vill. Kiasahi,
P.O. Bala, Mayurbhanj.
110. Nabaghana Sahu,
S/o Anthi Sahu,
Vill. Brajanathpur,
P.O. Radharamanpur,
Dist. Dhenkanal.
111. Bipin Moharana,
S/o Gopal Moharana,
Vill./P.O. Darana,
P.O. Radharamanpur,
Dhenkanal.
112. Biranchi Mohapatra,
S/o Gopal Moharana,
Vill. Danara,
Dhenkanal.
113. Sahadev Majhi,
S/o Ganesh Majhi,
Vill. Ambal, P.O. Natada,
Dhenkanal.
114. Govinda Sahu,
S/o Gopal Sahu,
Vill./P.O. Danra,
Dhenkanal.
115. Bhagaban Sahu,
S/o Gandu Sahu,
At/P.O. Danra, Dhenkanal.
116. Dhruba Sahu,
S/o Gaira Sahu,
At/P.O. Danra, Dhenkanal.
117. Nidhi Naik,
S/o Mahi Naik,
Vill./P.O. Hensumul,
Dhenkanal.
118. Umesh Pradhan,
S/o Bira Pradhan,
Vill. Hiloi, P.O. Hensumul,
Dist. Dhenkanal.
119. Suguri Behera,
S/o Bita Behera,
Nuapada, P.O. Patala,
Dist. Dhenkanal.
120. Lochan Behera,
S/o Arakshita Behera,
Baghamara, P.O. Tentulei,
Dhenkanal.
121. Uchhaba Sahu,
S/o Bidyadhar Sahu,
At/Kansamunda,
P.O. Tentulei, Dhenkanal.
122. Kamala Sethi,
S/o Kanduri Sethi,
At Jana, P.O. Manikamara,
Dist. Dhenkanal.
123. Bipin Pradhan,
S/o Dayanidhi Pradhan,
At Bahulgadia, P.O. Kumunda,
Dhenkanal.
124. Rasa Shu,
S/o Nuhara Sahu,
At Tribida,
P.O. Tribida,
Dhenkanal.
125. Bhudhia Butia,
S/o Mahadev Bhutia,
At Ekdal,
P.O. Hensumul.
126. Judhisthir Naik,
S/o Raghu Naik,
Vill. Natada,
P.O. Natada,
Dhenkanal.
127. Dheneswar Biswal,
S/o Dhruba Biswal,
At/P.O. Natada, Dhenkanal.
128. Prasanna Kumar Majhi,
S/o Haladhar Majhi,
At Anantabareni,
P.O. Danra, Dhenkanal.

129. Sudhekar Majhi,
S/o Sanatan Majhi.
At Antabareni, P.O. Danra,
Dist. Dhenkanal.

130. Shyama Bhoi,
S/o Nirmal Bhoi,
Baghabasapur, P.O. Gopalprasad,
Dist. Dhenkanal.

Industrial Dispute Case No. 43/87 (C)

BETWEEN

The Management of Central Coalfields Ltd., Talcher,
P.O. Dera Colliery, Dist. Dhenkanal.

AND

Their workmen (named below), represented through
Talcher Coal Mines Employees' Union, S.C. Ghosh
Building, Vill. Remua, P.O. Talcher, Dist. Dhenkanal.

1. Dinabandhu Sahu,
S/o Baishnab Sahu,
At Natada.

2. Neula Bhutia,
S/o Pandei Bhutia,
At Soroda.

3. Ramlal Chauhan,
S/o Desi Chauhan,
At Deurghat.

4. Sahadev Naik,
S/o Adikanda Naik,
At Kisanapani.

5. Juddhisthi Nayak,
S/o Raghu Naik,
At Natada.

6. Prasanna Kumar Majhi,
S/o Haladhar Majhi,
At Anantabareni.

7. Dhaneswar Sahu,
S/o Mangulu Sahu,
At Hensumul.

8. Maharaga Sahu,
S/o Bauri Sahu,
At Jaka.

9. Madan Naik,
S/o Sukadev Naik,
At Kandhala.

10. Niranjan Sahu,
S/o Kartik Sahu,
At Gahama.

11. Basanta Kumar Nayak,
S/o Duryodhan Nayak,
At Kamarei.

12. Sunia Behera,
S/o Palau Behera,
At Aharpal.

13. Bitangi Dehury,
S/o Kulamani Dehury,
Ekdal.

14. Gagan Behera,
S/o Akula,
Badagunduri.

15. Sana Dehuri,
S/o Santra Dehuri.

16. Rasa Sahoo,
S/o Baji Sahoo,
Sandhapal.

17. Lokanath Sahu,
S/o Purna Chandra.

18. Hrusikesh Sahu,
S/o Damodar,
Dhobapal.

19. Prabasi Sahu,
S/o Budha Sahoo,
Hiloi.

20. Gopal Dehuri,
S/o Kulamani,
Ekdal.

21. Kabi Pradhan,
S/o Ankura Pradhan,
Ekdal.

22. Nakula Biswal,
S/o Pabitra Biswal.

23. Natha Dehuri,
S/o Gandu Dehuri,
Ekdal.

24. Bharata Dehuri,
S/o Gandu Dehuri,
Ekdal.

25. Karuna Dehuri,
S/o Bhagawan Dehuri,
Ekdal.

26. Kulamani Behera,
S/o Dina Behera,
Ekdal.

27. Juddhisthir Behera,
S/o Murali Behera,
Raghunathpur.

28. Surendra Parida,
S/o Jaya Parida,

29. Budhia Bhutia,
S/o Mahadev Bhutia,
Ekdal.

30. Dhaneswar Biswal,
S/o Dhruba Biswal,
Natada.

31. Shyama Bhoi,
S/o Nirmal Bhoi,
Baghabasapur.

32. Sambhunath Pradhan,
S/o Choudhury Pradhan,
Santra.

33. Pandaba Naik,
S/o Jayadev,
Zillinda.

34. Gandhi Naik,
S/o Maheswar Naik,
Jadunathpur.

35. Jogi Palei,
S/o Janua Palei,
Khandal.

36. Sankarsan Singh,
S/o Miludhar Singh,
Nijinda.

37. Govinda Sethi,
S/o Kapila Sethi,
Ekdal.

38. Chakra Das,
S/o Sukru Das,
Gurindi.

39. Kumara Naik,
S/o Madhu Naik,
Jillinda.

40. Bhagawan Naik,
S/o Dania,
Sarkisorpur.

41. Girdhari Pradhan,
S/o Dhanis Pradhan,
Natada.
42. Sankarsan Jal,
S/o Kailash Jal,
Handikina.
43. Kirtan Naik,
S/o Dasu Naik,
Bolanda.
44. Harmohan Dehuri,
S/o Bhagawan Dehuri,
Ekdal.
45. Ramesh Naik,
S/o Basu Naik,
Budhapanga.
46. Nidhi Naik,
S/o Mani Naik,
Hensumul.
47. Umesh Pradhan,
S/o Bira Pradhan,
Hiloi.
48. Pabitra Pradhan,
S/o Bansi Pradhan,
Badakarjanga.
49. Bhramara Garnaik,
S/o Manti Garnaik,
Lachmanpur.
50. Bira Garnaik,
S/o Ghanashyam Garnaik,
Lachmanpur.
51. Balsakha Naik,
S/o Bida Naik,
Badatribida.
52. Narasingha Behera,
S/o Purandar Behera,
Chandrabail.
53. Suresh Garnaik,
S/o Kutamani Garnaik,
Kulo.
54. Udayanath Behera,
S/o Kahanu Charan Behera,
Dumduma.
55. Sonia Sahu,
S/o. Bauri Sahu,
Solada.
56. Golakha Pradhan,
S/o Danera Pradhan,
Badahar.
57. Kishore Nanda,
S/o Bhagaban Nanda,
Dumduma.
58. Banamali Sahu,
S/o Sanatan Sahu,
Jakandu.
59. Chaturbhuj Sahu,
S/o Gandu Sahu,
Jaka.
60. Tripura Behera,
S/o Kandarpa Behera,
Hiloi.
61. Ratnakar Nanda,
S/o Anirudha Nanda,
Dumduma.

—Second party-workmen.

APPEARANCES :

- Sri R. S. Sharma, Dy. Personnel Manager—for the First party-management.
- Sri D. C. Mohanty, President and Sri A. K. Ray, General Secretary of Talcher Coalmines Employees Union—for the second party-workmen.

AWARD

Both I. D. Case No. 19 of 1987 (Central) and 50 of 1987 (Central) arises out of one and the same reference of the Government of India, Ministry of Labour under their letter No. L-19012(40)/86-D.IV (B) dated 23-1-87. The reason for two cases being registered is that copies of the reference were received by this Tribunal at different times and without knowing that I. D. Case No. 19/87 (C) has been registered the office on receipt of the second copy of the said reference registered another case vide I. D. Case No. 50 of 1987 (C). The dispute between the parties under reference is whether the demand of the workmen Sri Antaryami Garnaik and 129 others that they should be treated as the workmen of the management of Talcher Colliery of the Central Coalfields Ltd., Talcher and paid wages and other benefits in accordance with the N.C.W.A-III is justified and if no, from what date.

2. There is another reference by the Government of India, Ministry of Labour in their letter No. L-19012/65/86-D.IV (B) dated 20th April, 1987 to decide as to whether the action of the management of Central Coalfields Ltd., Talcher in retrenching Sri Dinabandhu Sahoo and 46 others with effect from December 1985 and Sri Pabitra Pradhan and 13 others with effect from March 1986 is legal and justified and if not, to what relief the workmen are entitled to. On receipt of the said reference, I. D. Case No. 43 of 1987 (C) has been registered. In all these three cases 61 workmen whose names find mention in annexure to the reference in I. D. Case No. 43 of 1987 (C) are common. So, for the sake of convenience and to avoid conflicting of decision, this common award is passed which shall govern all these cases.

3. Briefly stated the case of the workmen in I. D. Case No. 19 of 1987 (C) is that the affected 130 workmen have been engaged in permanent nature of job, such as drilling of holes, preparation of blasting etc. and are paid low wages at the rate of Rs. 8 to Rs. 10 per day. To deny them other benefits as are being given to the employees in permanent roll as per N.C.W.A-III, they have been shown as contractors' labours although the concerned contractors do not possess licence nor the management has valid registration certificate as per the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970. In this view of the matter, they have urged that they should be treated as the workmen of the management and be paid wages and other benefits in accordance with the aforesaid agreement.

4. Refuting the claim of the workmen, as aforesaid, the management has inter-alia urged that Talcher Coal Mines Employees' Union addressed a letter to the Asst. Labour Commissioner (Central), Bhubaneswar claiming that since the affected workmen have been doing permanent and perennial nature of duties they should be treated at par with the permanent employees in so far as the wages and other service benefits are concerned. In substance, their demand was to abolish the contract labour system in the establishment. Further, the positive assertion of the management is that there are various works which are of short durations, in other words, casual in nature; these are—isolation and ventilation stopping, transportation of pipes, woods and small steel items, white washing, clearance of debris etc. All such works are undertaken through contractors and therefore, the workers engaged for the purpose are the contractors' labours and not of the management. So, the affected workmen involved in this proceeding have their remedy, if any under the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 and not under the Industrial Disputes Act, 1947. It has, therefore, prayed that the demand of the Union to treat the 130 workmen as the employees of the management is not legal and justified.

5. In I. D. Case No. 43 of 1987 (C), 61 workmen are involved. They were Loaders, Dressers and Tyndals as would be evident from the list appended to the reference. Their case in short, is that the nature of duties which they had been performing was permanent and perennial and their period of employment under the management was varying from two to eleven years. Though they came to be engaged through contractors but their attendance was being taken and work was supervised by the management's employees everyday. In view of the specific term in the agreement

settlement entered in the National level in 1983 that the industry shall not employ labour through contractors or engage contractors' labours on jobs like permanent and perennial nature, the management ought to have treated them as their employees since the job of Loaders, Dressers and Tyndals was permanent and perennial. Instead, the management illegally and with a view to victimise them retrenched them from service. Their prayer, therefore, is that such retrenchment be held illegal and they should be reinstated in service and treated as the management's employees.

6. While challenging the maintainability of the reference, the management has pleaded that the workmen being the contractors' labours came to be engaged by their respective contractors to execute certain contract works which were temporary in nature. So, there being no employer-employee relation between the affected workmen and the management, the former can not be termed as the employees of the management.

7. Hearing of both the cases were taken-up separately and the parties tendered evidence, both oral and documentary in support of their respective case.

The factum of employment is not in dispute in the present case. Admittedly, the workmen are there at the one end of the vinculum. Who is at the other end; whether the contractors or the Central Coalfields Ltd.? This is the crux of the issue and to answer the same, I would first take-up I. D. Case No. 43 of 1987 (C) and discuss the evidence in detail. WW-1 would say that all the affected workmen worked in Talcher Colliery for a considerable period varying from two years to eleven years as Loaders, Tyndals and Dressers and for no fault of theirs the management removed them from service. He further speaks that the jobs which they had been doing were permanent and perennial in nature. However, during cross-examination, it is elicited that all the workmen including him came to be engaged in 1980 in the Colliery by one Suresh Rout, a contractor. The said contractor has been examined as witness No. 2 for the management. He speaks to have not known the second party-workmen involved in this proceeding. Be that as it may, in view of the unequivocal admission of WW-1 as referred to above, it is not necessary to make a further discussion to ascertain as to whether the affected workmen first came to be engaged directly by the management or by the contractors. But then the question arises whether they shall be treated as the employees of the management or of the contractors and whether their retrenchment is legal and justified.

The representative of the workmen having taken me through the ocular testimony of the witnesses, the relevant term of N.C.W.A-III and the dictum of the Apex Court in Hussainbhai, Calicut Vrs. Alath Factory Thozhilai Union, Calicut and others; 1978 (II LLJ page 397) persuades me to hold that the affected workmen were the employees of the management of Talcher Colliery and not of the contractors and hence their retrenchment is illegal.

8. Repelling the aforesaid submission, the representative of the management contended that since the workmen were the contractors' labours as admitted by WW-1 it will be a futile exercise to further probe to ascertain as to if the relief they have sought for could be granted.

The consistent case of the workmen is that they being Loaders, Tyndals and Dressers were doing various works of permanent and perennial nature. No doubt, the management has refuted such plea but there is overwhelming evidence to support the stand taken by the workmen. A reference in this context may be made to the evidence of WW-1. He speaks that they had been employed as Loaders, Tyndals and Dressers and were performing permanent nature of duties. Not only that, their attendance was regularly taken and they were allotted duties by the management's employees. Such evidence of his could not be assailed by the management during cross-examination. Added to it, WW-1 to a Court question would say that Loaders, Dressers and Tyndals were not contractors' labours but of the management. To the same effect is the evidence of MW-3. The fact that all the workmen came to be engaged in different categories as aforesaid finds support from the list appended to the reference where their designation has been clearly

noted. So, their consistent case well proved by acceptable evidence being that they had been engaged to perform permanent nature of duties, in absence of any evidence to the contrary it would be wrong to accept the management's plea that the nature of works undertaken through the contractors were temporary and not permanent.

9. From the above evidence, what I gather is that all the workmen named in the reference though came to be engaged initially by the contractors but they had been performing permanent nature of duties and that it was the management which had over all control and supervision on their day to day work. But with a view to denying them their legitimate rights and various service benefits which are available to their counterparts in permanent employment, the management treated them as contractors' labours.

In a domestic, socialist, republic like ours contract labour system if allowed to continue will not fulfil the desires of the framers of the Constitution. Contract labour is one of the ugly and uncivil off springs of the classical capitalism. A Prime Minister of England with literary talents exclaimed bitterly :—

"The capitalism flourishes, he amasses immense wealth; we sink lower and lower; lower than the beasts of burden."

So long as workers interest in the field of industry are not well protected and a feeling is not instilled in their mind that they have a share in the industry it will be a day-dream to secure country's economic growth. I recalled what Hon'ble Justice Bhagwati observed in the case of National Textiles Vrs. P. R. Ram Krishnan; 1983 (46) F.L.R. 38 as under :—

"It is clear from what we have stated above that it is not only the shareholders who have supplied capital who are interested in the enterprise which is being run by a company but the workers who supply labour are also equally, if not, more interested because what is produced by the enterprise is the result of labour as well as capital. In fact, the owners of capital bear only limited financial risk and otherwise contribute nothing to production while labour contributes a major share of the product. While the former invest only a part of their moneys, the latter invest their life itself. The workers, therefore, have a special place in a socialist pattern of society. They are not mere vendors of toll, they are not a marketable commodity to be purchased by the owners of capital. They are producers of wealth as much as capital. They supply labour without which capital would be important and they are, at the least, equal partners with capital in the enterprise. Our constitution has shown profound concern for the workers and given them a pride of place in the new socio-economic order envisaged in the Preamble and the Directive Principles of State Policy. The Preamble contains the profound declaration pregnant with meaning and hope for millions of peasants and workers that India shall be a socialist, democratic republic where social and economic justice will inform all institution of national life and there will be equality of status and opportunity for all and every endeavour shall be made to promote fraternity ensuring the dignity of the individual."

The Parliament perhaps keeping in view the pitiable living conditions of the contract labours and their insecurity in employment enacted the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970. It is worthwhile to refer the statement of objects and reasons of the said Act as under :—

"The system of employment of contract labour lends itself to various abuses. The question of its abolition has been under consideration of the Government for a long time. In the Second Five-Year Plan, the Planning Commission made certain recommendations, namely, undertaking of studies to ascertain progressive abolition of system and improvement of service conditions of contract labour where abolition was not possible. The

matter was discussed at various meetings of tripartite committees at which the State Governments were also represented and the general consensus of opinion was that the system should be abolished where from possible or practicable and that in cases where the system cannot be abolished altogether, the working conditions of contract labour should be regulated so as to ensure payment of wages and provisions of essential amenities."

10. The workmen in coal industry had been agitating to abolish the contract labour system in those jobs which are permanent and perennial. Ultimately, it was mutually resolved under N.C.W.A.-III (marked Ext. 3 in I. D. Case No. 19 of 1987 (C)) to abolish such system. The relevant term of the agreement/settlement is reproduced hereunder :—

11.5 Abolition of Contract Labour :

"11.5.1—Industry shall not employ labour through contractor or engage contractor's labour on jobs of permanent and perennial nature.

11.5.2—Jobs of permanent and perennial nature which are at present being done departmentally will continue to be done by regular employees."

The aforesaid agreement/settlement came to be executed between the parties on 11-11-83. But the management violating the terms thereof continued to engage these workmen through contractors in various jobs which admittedly permanent and perennial in nature. In my opinion, therefore, the contractors were merely name-lenders because of the reason that the works were being daily allotted and supervised by the management's employees. So, by borrowing the principles from the dicta of the Apex Court in Hussainbhai's case (supra), I would hold that the workmen involved in this proceeding, that is, I. D. Case No. 43 of 1987 (C) were the employees of the management and not of the contractors.

11. This takes me to find whether their retrenchment from service is legal and justified.

WW-1 speaks that it was the management which removed them from service. But Ext. 4, a petition that was filed on behalf of the workmen during the conciliation proceeding however, speaks otherwise. It is stated therein that the concerned contractor retrenched them without giving any notice or notice pay since they raised a dispute with the management to implement the terms of N.C.W.A.-III. Be that as it may, when they have been refused of employment they should be reinstated and allowed to work as permanent employees of the management.

In view of my discussions made above, I hold that the workmen involved in I. D. Case No. 43 of 1987 (C) being the employees of the management have been illegally and unjustifiably denied of their job and so they be reinstated forthwith but without back wages, the reason being that it should not be established by leading evidence that during all these days they searched for job elsewhere but could not find.

12. Next I shall take-up the case of the remaining workmen involved in I. D. Case No. 19 of 1987 (C).

In the appendix attached to the reference though the names of the aggrieved workmen are mentioned but it does not indicate their designation and the nature of duties they perform. Hence, it is desirable to make brief reference to the pleadings of the parties. It is specifically averred by the workmen in their statement of claims that they were being employed in the works of dressing, drilling of wholes, preparation of blasting and transportation of materials. On the other hand, the management's case is that the workmen were the contractors' labours who were being engaged intermittently by their respective employer to execute the contract work such as isolation and ventilation stopping and other civil works which were of short duration. In course of hearing the workmen would however, admit that they were the contractors' labours. In this context, it is necessary to have a bird's eye view on the evidence of the workmen's witnesses. On being questioned by the Court, WW-1 would

say that despite of specific prohibition in the N.C.W.A.-III, all the workmen had been engaged as contractors' labours. In the same line is the evidence of WWs, 2 and 3. It will be seen from the evidence of WW-2 that he was employed by one Suresh Rout, a Contractor, as an underground driller who was making payment of his wages daily. However, WW-4 gives somewhat a different version. As deposed to by him he was although supplied by the contractor, Hardam Singh to work in the Colliery but his work was supervised and payment of wages made by the management's employees in presence of his employer. On being cross-examined he gives a contradictory statement and states that he was being paid wages by the Mumsbi of the contractor in presence of the Colliery employees.

The management by examining a good number of witnesses has successfully established that the workmen were the contractors' labours engaged in executing the civil works entrusted to the contractors on contract basis.

In view of the above admitted facts, I would unhesitatingly hold that the workmen being the employees of the contractors, this Tribunal lacks jurisdiction to declare them as management's employees. As provided under the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970, it is the appropriate Government who after consultation with the concerned Board can prohibit engagement of contract labours in the establishment. Hence, I conclude that the demand of the union to treat the workmen (excluding those who are named in I. D. Case No. 43 of 1987 (C)) as the employees of the management of Talcher Colliery of Central Coalfields Ltd., Talcher is not legal and justified. In view of such finding and the concerned contractors being not parties to the proceeding, it is not possible to decide the question of entitlement of wages and other benefits by the workmen as referred to in the dispute.

Both the references are thus answered accordingly.

Dictated and corrected by me.

R. K. DASH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का.आ.423—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, उसे दिनांक 1-11-94 को प्राप्त इंडियन रेयर अर्थस प्रबंधन के संबंध में उनके कर्मचारों और गिरोहों के बीच हुए औद्योगिक विवाद के संबंध में अनुबंध में यथोक्त केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है।

[सं. एल-29012/64/91-आईआर (विधि)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 423.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of INDIAN RARE EARTHS and their workmen, which was received by the Central Government on 11-1-94

[No. L-29012/64/91-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL : ORISSA : BHUBANESWAR

Present :

Sri R. K. Dash, LL.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 12 OF 1992 (Central)

Dated, Bhubaneswar, the 31st December, 1993

BETWEEN

The management of Indian Rare Earths Ltd., (OSCOM).
Chhatrapur, Dist. : Ganjam — First party-
management.

AND

Their workmen represented through Rare Earth Emp-
loyees' Union (OSCOM), P.O. Matikhalo-761 045,
Dist. : Ganjam Second party-workmen

Appearances :

Sri S. K. Patra, Asst. Manager (Personnel).—For the
party-management.

None.—For the second party-workmen.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in
exercise of powers conferred upon it by clause (d) of sub-
section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Indus-
trial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) have referred the fol-
lowing dispute for adjudication vide their Order No. L-29012/
64/91-IR (Misc) dated 8-4-92 :—

"Whether the action of the management of Indian Rare
Earth Ltd. is justified in not granting E.L. to the
employees who were appointed as trainees in their
(Mining) establishment for the training period ? If
not, to what relief they are entitled to ?"

2. This case was posted to be heard in the Circuit at
Gopalpur on 9-9-93. On that day neither the workmen
appeared nor did they take any step for which they were
set aside. The management's representative who was pre-
sent also declined to lead any evidence. As it appears, the
parties are no more interested in the 'list'. There is also no
material on record to answer the reference in either way.
Hence, a no dispute award is passed in so far as the present
reference is concerned.

Dictated & corrected by me.

R. K. DASH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1994

का.प्रा. 424.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947
का 14) की धारा 17 के अन्वये, केन्द्रीय सरकार,
कार्पोरेशन बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके
कर्मचारियों के बीच, अन्वये में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में
केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बंगलूर के पंचपट को
प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 12-1-1994 को
प्राप्त हुआ था।

[संख्या : एल-12012/332/92- आईआर (बी-II)]

एस. एस. के. राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th January, 1994

S.O. 424.—In pursuance of Section 17 of the Industrial
Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government
hereby publishes the Award of the Central Government In-
dustrial Tribunal-cum-labour court Bangalore as shown in
the Annexure in the Industrial Dispute between the emp-
loyers in relation to the Corporation Bank and their work-
men, which was received by the Central Government on
12-1-1994.

[No. L-12012/332/92-IR(B-II)]

S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL-CUM-
LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this 31st day of December 1993

Present :

Sri M. B. Vishwanath, B.Sc., B.L., Presiding Officer.
CENTRAL REF. NO. 4/1993

I party

S. Chandra Shekar
s/o Sathyappa,
Basavanakunta,
Club Road,
Bellary.

v/s.

II party

The Rgl. Manager,
Corporation Bank,
Regional Office,
1st Floor,
Mooru Savira Math Press
Bldgs. New Cotton Market,
Hubli-580 029

(By Sri P. S. Sowkar, Advoca-
cate)

(By Sri K. Raghavendra Rao,
Advocate).

AWARD

In this reference made by the Hon'ble Central Govt. by
its order No. L-12012/332/92-IR(B II) Dt. under
Sec. 10(2A) (1) (d) of the I. D. Act the point for adjudica-
tion as per schedule to reference is :—

"Whether the action of the management of Corporation
Bank in terminating the services of Sh. S. Chandra
Shekar, ex-temporary sub-staff justified ? If not, to
what relief is the workman entitled to ?"

2. The I party workman is S. Chandra Shekar s/o Sathy-
appa. Subsequently the claim petition has been amended and
the Joint Secretary, Corporation Bank Employees' Associa-
tion C/o. Corporation Bank, Rajajinagar, Bangalore-10 has
come on record as additional I party.

3. The original I party workman S. Chandra Shekar has
filed the claim statement.

4. The II party has not filed the counter statement.

5. On 21-12-93 the I party was present before the Tri-
bunal. Joint memo of compromise signed by I party, addi-
tional I party, counsel for the additional I party and counsel
for the II party has been filed. This memo has been signed
also by the Senior Manager of the II party.

6. As per the terms of the joint memo of compromise
the I party is permitted to withdraw the dispute. The II
party shall appoint the I party workman as peon on regular
basis within 30 days from the date of compromise memo.
The I party is not entitled to claim any benefits related to
past temporary service rendered by him except as admis-
sible under relevant provisions of the bipartite settlement.

7. Award passed as stated above. The joint memo of
compromise shall form part and parcel of the Award. Sub-
mit to Government.

(Dictated to Steno-grapher, typed by him, corrected, signed
by me on this 31st day of Dec., 1993).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL, BANGALORE

C. R. NO. 4/93

BETWEEN

Shri S. Chandrasekhar S/o Sathyappa, Bellary : First Party.

AND

The Regional Manager, Corporation Bank Regional Office Hubli; Second Party

JOINT MEMO SUBMITTED BY THE PARTIES

It is submitted that the first party workman, who raised the aforesaid dispute approached the Corporation Bank Employees Union, of which he is a member, to take up his case with the second party and settle the dispute amicably. Accordingly, the union took up the case of the first party with the second party Bank. The union pleaded that the workman has been working as a temporary peon in the leave vacancy of a permanent peon at Bellary Branch of the second party, intermittently, from 1986 and that from 27-04-1992 onwards, he has been continuously working as a temporary peon in the permanent vacancy at the said branch and that the workman may be offered appointment as a permanent peon in the branch. On a discussion of all the issues connected with the dispute particularly the submissions of the Union, the parties have come to certain terms for amicable settlement of the matter.

Now therefore, the parties submit a joint memo with the following terms, in full and final settlement of the dispute :

1. The first party hereby agrees to withdraw the above Dispute.
2. The second party Bank agrees to appoint Shri S. Chandrasekhar as peon in the Bank on regular basis within 30 days from the date of this memo of settlement.
3. The first party agrees that Shri Chandrasekhar is not entitled to claim any benefits related to the past temporary service rendered by him except as admissible under the relevant provisions of the Binartite Settlement applicable to the Award staff.

The parties submit that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept the joint memo and pass award accordingly.

K. S. JOSHI
Vice-President,
Corporation Bank,
Employees Union.

M. P. KUNJU,
Senior Manager,
Personnel Admn. Division,
Corporation Bank,
HO—Mangalore.

I Party
Addl. First Party

Second Party
(P. MUKUNDAN, Personnel Officer RD B'lore)
Counsel for Addl. First Party
Counsel for the Second Party

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1994

का.आ. 425—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-1994 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या : एल-12012/161/91-आई.आर. (बी-2)]

एम. एस. के. राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th January, 1994

S.O. 425.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 11-1-1994.

[No. L-12012/161/91-IR(B-II)]

S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT., INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 86/92

Ramesh Vaid Vs. Punjab National Bank.

For the workmen : None.

For the management : Shri Rajesh Gupta.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-12012/161/91-IR.B.II dated 30-7-92 issued U/S 10(1)(d) of I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Punjab National Bank, Regional Office, Chandigarh in relation to dismissal of the services of Sh. Ramesh Vaid, ex-daftree, w.e.f. 18-5-87, is just, fair and legal ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. Despite registered notices the petitioner does not put up the appearance. The management was asked to lead the evidence. The management produced MW1 Rajesh Gupta. He filed his affidavit Ex. M1. He also relied on enquiry file Ex. M2. He has also stated that the petitioner has confessed his guilt on 21-8-1987, thereafter on 21-7-1988 and on 12-4-1989 at the time of personal hearing given to the petitioner.

3. I have gone through the available evidence and heard the representative of the management.

4. The petitioner was charge sheeted for having withdrawal of Rs. 1000/- from the saving bank account No. 22091 of one Smt. Krishna Devi. Enquiry officer was appointed and an enquiry was conducted against the petitioner. The petitioner during the course of enquiry had admitted his guilt as apparent from letter 21-8-1987, he made confession stating that he is sorry for the lapses and requested for a lenient view. Subsequent confession he made on 21-7-1988. The matter did not rest here. The petitioner made a representation dated 12-4-1989 during the course of personal hearing by the disciplinary authority in which he had prayed for lenient view having admitted his guilt vide his letter dated 21-8-1987. He was dismissed from service. The petitioner has not contested his case after raising industrial dispute obviously for the reason that he made repeated confessions during the course of the enquiry and as well as at the time of personal hearing before the disciplinary authority, therefore, there is no merit in this reference and the same is dismissed and returned to the Ministry.

Chandigarh
22-12-1993.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1994

का.आ. 426.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, ओरियण्टल बैंक आफ कामर्स के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों

और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11 जनवरी, 1994 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या : एल-12012/244/90-आई.आर. (बी-2)]

एस.एस.के. राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th January, 1994

S.O. 426.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Oriental Bank of Commerce and their workmen, which was received by the Central Government on 11-1-1994.

[No. L-12012/244/90-IR(B-II)]

S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 199/90

Gurdial Singh Vs. Oriental Bank of Commerce.

For the workman : None.

For the management : Shri Rajiv Bhatia.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-12012/244/90-I.R. (B.II) dated 11-12-90 issued U/S 10(1)(d) of I. D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Oriental Bank of Commerce in terminating the services of Sh. Gurdial Singh, SPO (Gunman) is justified? If not to what relief is he entitled to?"

2. Repeated registered notices were issued to the petitioner. He did not put up appearance. The management was asked to lead their evidence.

3. The management produced D. N. Vaid as MW1. He filed his affidavit Ex. M1. He also relied on the documents Ex. M2 to M4.

4. I have gone through the available evidence and heard the representative of the management.

5. Present case is of special police officer. As evident in the light of deteriorating law and order situation in Punjab State it has been thought fit by the police department to provide SPO at vulnerable branches and their honorarium was left to be paid by the bank branches so guarded. It is in that context, the petitioner was appointed in the said branch. Ex. M4 is the communication made by the S.S.P. to the management of the respondent bank indicating that the recruitment of the petitioner as SPO was done by the S.S.P., Ex. M2 and M3 the pay orders indicating that the petitioner was paid honorarium through senior superd. of police or the deputy superintendent of police. The management has referred various provisions of Police Act, 1952 which envisages appointment of SPO at the cost of individual U/S 13 of the police Act which provides that the district superintendent of police and officer senior to him on the application of any person depute any number of police officers at the charge of person making the application. It is quite clear that the petitioner was appointed as SPO by the police authorities in context of Section 17 and 18 of the police Act. The petitioner was deputed to guard the bank branches. The present petitioner never ap-

ply to the bank and respondent bank never issued any appointment letter to him. There is no relationship of master and servant between the bank and the petitioner. There is nothing on the record that any regular cadre of Special Police Officers was created by the bank. The petitioner was certainly not employee of the respdt. bank. Thus there is no question of termination of services of the petitioner by the respdt. bank. Thus there is no question of violation of any provisions of the Industrial Disputes Act 1947. The ratio of the decision of the Hon'ble Punjab and Haryana High Court in Baldev Raj and others Vs. State of Punjab and others decided on 19-7-1991 in Civil Writ Petition No. 1671/88 is followed.

6. In view of the discussion made in the earlier paras, the petitioner is certainly not entitled to any claim. The reference is answered accordingly.

Chandigarh.

21-12-1993.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1994

का.ग्रा. 427.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार, ओरियण्टल बैंक आफ कॉमर्स के प्रबन्धतन्त्र के संबद्ध निवासियों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11 जनवरी, 1994 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/245/90-आई.आर. (बी-2)]

एस.एस.के. राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th January, 1994

S.O. 427.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Oriental Bank of Commerce and their workmen, which was received by the Central Government on 11-1-1994.

[No. L-12012/245/90-IR(B II)]

S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 200/90

Sadhu Singh Vs. Oriental Bank of Commerce

For the Workman.—None.

For the management.—Shri Rajiv Bhatia.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-12012/245/90-I.R.(B.II) dated 11-12-90 issued U/S 10(1)(d) of I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Oriental Bank of Commerce in terminating the services of Sh. Sadhu Singh, S.P.O. is justified? If not what relief is he entitled to?"

2. Repeated registered notices were issued to the petitioner. He did not put up appearance. The management was asked to leave their evidence.

3. The management produced D. N. Vaid as MW1. He filed his affidavit Ex. M1. He also filed the appointment letter of the petitioner issued by the Executive Magistrate Ferozepur.

4. I have gone through the available evidence and heard the representative of the management.

5. Present case is of special police officer. As evident wherein in the light of deteriorating law and order situation in Punjab State it has been thought fit by the police department to provide SPO at vulnerable branches and their honorarium was left to be paid by the bank branches so guarded. It is in that context, the petitioner was appointed in the said branch. Ex. M2 is the appointment letter of the petitioner U/S 17 of the Police Act. This shows that the recruitment was done not by the respdt. management but the executive authorities. The management has referred various provisions of Police Act 1952 which envisages appointment of SPO at the cost of individual U/S 13 of the Police Act which provides that the District Superintendent of Police and officer senior to him on the application of any person depute any number of police officers at the charge of person making the application. It is quite clear that the petitioner was appointed as SPO by the police authorities in context of Sections 17 & 18 of the Police Act. The petitioner was deputed to guard the bank branches. The present petitioner never apply to the bank and respondent bank never issued any appointment letter to him. There is no relationship of master and servant between the bank and the petitioner. There is nothing on the record that any regular cadre of special police officers was created by the bank. The petitioner was certainly not employee of the respdt. bank. Thus there is no question of termination of services of the petitioner by the respdt. bank. Thus there is no question of violation of any provisions of the Industrial Disputes Act 1947. The ratio of the decision of the Hon'ble Punjab & Haryana High Court in Baldev Raj and Others Vs. State of Punjab and others decided on 19-7-1991 in Civil Writ Petition No. 1671/88 is followed.

6. In view of the discussion made in the earlier paras, the petitioner is certainly not entitled to any claim. The reference is answered accordingly.

Chandigarh.

21-12-1993.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1994

का.आ. 428.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, युनाइटेड इंडिया इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड के प्रबन्धतन्त्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11 जनवरी, 1994 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-17011/11/90-आई.आर. (बी.-1)]

एस.एस.के. राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th January, 1994

S.O. 428.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the United India Insurance Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on 11-1-1994.

[No. L-17011/11/90-IR(B-I)]
S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 89/90

Pier Chand Vs. United India Insurance Comp.

For the workman.—None

For the management.—Shri N. K. Zakhuni

AWARD

Central Govt. vide Gazette Notification No. L-17011/11/90-I.R.B.I dated 12-7-90 issued U/S 10(1)(d) of I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of United India Insurance Company Limited in terminating the services of Sh. Pier Chand, Casual Workman at their branches sectors 17 & 26, Chandigarh w.e.f. 1-7-85 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled and from what date?"

2. Case of the petitioner in the statement of claim that he joined the respdt. company on 10-3-1983 as casual monthly worker. He worked to the satisfaction of the management. He worked up to 31-5-1985. Thereafter he was granted leave. He resumed duties on 11-6-1985. He was asked that his services have been placed at the disposal of the Branch Office II, Chandigarh, where he worked upto 30-6-1985. Thereafter without assigning any reason his services were terminated. He also alleged that new persons were appointed and the juniors were retained. He, thus, sought the reinstatement with full back wages and continuity of service.

3. The management in their written statement has taken the stand that whenever sub staff employees are recruited they are appointed only through employment exchange. Name of the petitioner was never sponsored through employment exchange. He was employed on day to day basis on some days as per the exigency of work as and when any person was needed, a casual worker was appointed. Stand of the management that however on 30-5-1985 the petitioner was casual worker with branch office II, Chandigarh. The management has taken the plea that the petitioner was never in continuous service of the respondent management. He did not worked for 240 days in the preceding 12 calendar months from 30-6-1985. It was denied that the petitioner was doing the duties of clerk, rather stand of the management that he worked as waterman and thus has sought the dismissal of the reference

4. Replication was also filed reasserting the same facts as contained in the statement of claim.

5. The petitioner has no doubt filed his affidavit but has not put up appearance despite repeated notices to depose in respect of the affidavit filed by him. The management was asked to lead the evidence vide order dated 22-7-1993. The management produced MW1 Roop Singh Azad, Administrative Officer. He filed his affidavit Ex. M1.

6. I have gone through the available evidence and heard the counsel for the management.

7. The petitioner in his own showing had last worked with the respdt. management on 30-6-1985 having his services terminated w.e.f. 1-7-1985. The petitioner in order to have the benefits U/S 25-F of the Industrial Disputes Act 1947 has to establish that he had worked continuously for 240 days preceding 12 calendar months from the date of his termination. According to the petitioner his services were terminated w.e.f. 1-7-1985. MW1 Roop Singh Azad in his affidavit Ex. M1 has given number of days put in by the petitioner in preceding 12 calendar months wherein the petitioner has only shown to have worked up to 26-5-1985. He has not shown to have worked in June 1985 and he has also not worked for even a single

day in October 1984. In his affidavit he has given calculation also regarding the number of days put in by the petitioner in preceding 12 calendar months. The petitioner has only shown to have worked for 205 days. Therefore, the petitioner having not completed 240 days in 12 calendar months can not have the benefits of Section 25-F of the Industrial Disputes Act 1947.

8. The petitioner in relation to the violation of Section 25-G and 25-H of the Industrial Disputes Act has not stated that who has been appointed after termination of his services and when that subsequent appointment had taken place. He is heavily burdened to prove the same but there is complete silence in this regard. He has also not shown that which of his junior has been retained by the management. Therefore, the petitioner has miserably failed to establish the violation of Section 25-G and Section 25-H of the Industrial Disputes Act, 1947.

9. Hence nothing survive in the proceedings initiated by the petitioner and he is not entitled to reinstatement and back wages. The reference is dismissed and returned to the Ministry.

Chandigarh.

20-12-1993.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1994

का.भा. 429.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ राजस्थान लि. के प्रबन्धतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14 जनवरी, 1994 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या: एल-12012/246/92-आईआर (बी-1)]

एच.एस.के. राव, बैंक अधिकारी

New Delhi, the 14th January, 1994

S.O. 429.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Rajasthan Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on the 14-1-94.

[No. L-12012/246/92-IR(BI)]

S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 25/93

In the matter of dispute between :

Shri Vinod Kumar Mittal,
through Shri P. P. Trikha, General Secretary,
N.C.B.E. (Delhi State),
2124/2, Hari Singh Nalwa Street No. 58,
Karol Bagh, New Delhi-110005.

Voraus

The Regional Manager,
Bank of Rajasthan Ltd.,
Regional Office,
2213, Gurdwara Road,
Karol Bagh, New Delhi.

APPEARANCES :

None.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/246/92-I.R.(B-1) dated 5-3-93 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Bank of Rajasthan Ltd. in terminating the services of Shri Vinod Kumar Mittal, Clerk with effect from 18-6-92 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to and from which date ?"

2. None present on behalf of the workman nor on behalf of the management. Case has been called many times. It appears that both the parties are not interested in pursuing the dispute. No dispute award is given in this case leaving the parties to bear their own costs.

3rd January, 1994.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1994

का.भा. 430.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबन्धतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलौर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13 जनवरी, 1994 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/80/91-आईआर.बी. III/आईआर.बी.आई.]

एस.एस.के. राव, बैंक अधिकारी

New Delhi, the 14th January, 1994

S.O. 430.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Hyderabad and their workmen, which was received by the Central Government on the 13-1-1994.

[No. L-12012/80/91-I.R.B-III/IR.BI]

S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this 31st day of December, 1993

PRESENT :

Sri M. B. Vishwanath, B.Sc., B.L.,
Presiding Officer
Central Reference No. 26/91

I party

vs

II party.

Shri Nagappa,
s/o Sri Thiippanna,
c/o Sri V. Sripad
H. No. 7-4-43,
Gajgarpet,
Raichur-564101.
(V. Sripad Advocate) (By Sri C. M. Nagabhushan, Adv.)

The General Manager,
State Bank of Hyderabad,
Head Office,
Gun Foundry,
Hyderabad-584 101.

AWARD

In this reference made by the Hon'ble Central Govt. by its order No. L-12012/80/91-IR.B.HI Dt. 3-5-91 under Sec. 102(A)(1)(d) of I.D. Act the point for adjudication as per schedule to reference is :—

"Whether Shri Nagappa was a workman of the State Bank of Hyderabad ? If so, whether the action of the State Bank of Hyderabad in cancelling the contract entered into with Shri Nagappa as Janata Deposit Collector, constituted termination of services ? If so, to what relief Shri Nagappa is entitled to ?"

2. In the claim statement it is contended :—

The petitioner I party is a workman of the Respondent II party and he is appointed as a Janata Deposit Collector (Pigmy deposit collector) of by the respondent during the year 1980. The date of appointment is 24-1-1980. As per the terms and conditions laid down in the agreement the I party has deposited a sum of Rs. 1,000 as security deposit. He has rendered great service to II party bank. The II party terminated the services of the I party w.e.f. 19-5-81 illegally. The II party filed a criminal complaint also against the I party. But the I party was acquitted in the criminal case. The II party has not reinstated the I party despite representations. The I party is put to hardship and he has got a large family to support. The I party is entitled to re-employment with quantified amount of Rs. 1,200 per month till date of re-employment or reinstatement.

3. In the counter statement (written statement) it is contended :—

The I party is not a workman as defined under the I.D. Act. This Tribunal has therefore no jurisdiction to adjudicate the reference. The I party was engaged as a J. D. Collector as an agent of the II party bank under an agreement dt. 24-1-80 for the collection of Janatha Deposits under the Janatha Deposit Scheme which has been in vogue in the II party Respondent Bank. In accordance with the terms and conditions of the agency, agreement of the contract, the I party was paid commission at the prescribed rates. The J. D. collectors under the Janatha Deposit Scheme are agents and are paid commission at the prescribed rates and such Janatha deposit collectors are engaged under the scheme as agents under agreements executed by them to canvass for deposits for small depositors and to collect such deposits and to remit the same in the branch concerned. There is no relationship of workman and employer between the I party and the II party. The I party was only an agent under the agency agreement executed by him in favour of the II party. The I party had committed various irregularities in the amounts collected by him under Janatha Deposit Scheme from the account holders. There was a criminal case against the I party, though he was acquitted. It is not true that the services of the I party were illegally terminated on 19-5-81. The I party was not in the service of the II party at any time. The I party was not appointed by the Bank to the regular service of the bank. In view of the irregularities committed by the I party the contract of agency as per the agreement dt. 24-1-80 entered into between I party and II party, the agency of I party was terminated. The reference is not maintainable. The II party bank was constrained to take action of revoking the agency as per the agreement. The I party is not entitled to reinstatement or re-employment. The agency under the agreement dated 24-1-80 was terminated on 19-5-91. This petition is filed 9 years after termination is belated and has to be dismissed.

4. On behalf of the I party he (W.W.1) has got himself examined. He has examined one more witness W.W.2 on his behalf. On behalf of the II party M.W.1 Gururaja Rao, Chief Manager, S.B.H. Raichur has been examined.

5. I should have mentioned before para 4 that the following issue have been framed by the Tribunal on 16-1-92 :—

1. Whether the I party proves that he was a workman as defined under I.D. Act ?
2. Whether the II party proves that the termination of the services of I party is legal ?

The following additional issue was framed by consent on 17-2-92 :—

Whether II party proves that reference is not maintainable as contended in para 5 of counter statement ?

6. M.W.1 Gururajarao, the then Manager of S-B-H has stated in his evidence that the bank maintains records to show who are the employees of the bank and it is the attendance register. He has stated that the Janata Deposit collectors do not sign the attendance register. He has stated that they do not give instructions to J. D. collectors during what time they should work, whom he should contact and what deposit he has to collect. He has further stated that if the J. D. Collector does not collect even a paise on some day, the Bank has no power to take action against J. D. Collector because he is working on commission. M.W.1 has made it abundantly clear in his evidence that he can take action only against permanent employees or temporary clerks and he has no power to take action against the J. D. collector because he is not the employee of the bank.

7. So far as the say of M.W.1 that he can take action only against the permanent employees or temporary clerks and that he has no power to take action against J. D. Collector because he is not an employee of the bank, there is no cross-examination. What emerges is that the Bank cannot take action against J. D. Collector, if he absents himself any day and does not go for collection work. In cross-examination M.W.1 has made it clear that the Bank has no right to take action against I party, even he misappropriates the amount collection from the account holders. It is also clear that the I party was not marking attendance in the attendance register. If the I party were an employee of the II party bank, surely he would have put his signature every working day in the attendance register. The say of I party in his evidence that he does not remember whether he was marking in the attendance register is a convenient answer, but does not help him.

8. In examination-in-chief the I party has stated that if he wanted to go on leave, he had to inform the II party, take permission and then II party would make alternative arrangement and then he could go. But what is stated in cross-examination para 12 goes off at a tangent. He has clearly admitted in cross-examination at para 12 that on the days he had not gone for collection, nobody else from Bank had gone for collection.

9. W.W.1 has stated in cross-examination that when there was no collection, though there was no necessity for him to go to the Bank on the next day, he would go to the bank for other work of the Bank. He does not elaborate what was the other work, though it has been suggested that he was not doing any work except depositing in the bank the collections. What follows is that he was not going to bank every day regularly like a regular or temporary employee of the Bank.

10. Usually the employees of the bank subscribe to provident fund. The I party has admitted that he has not contributed to the provident fund. This circumstance also shows that I party was not an employee of the bank. It is more than clear from the material on record that the appointment of I party was not within the frame work of the bank recruitment rules.

11. The I party has stated in his evidence that he was preparing collection statements. This he was bound to do as a deposit collector, not as an regular employee of the bank. Mere preparation of the collection statements does not make the I party an

employee of the bank. The work he was doing was incidental in nature, incidental to his work and not bank's work. It has been laid down by the Supreme Court in AIR 1967 S.C. 678 [Management of M/s. May and Baker (India) Ltd., V/s. Their workmen] that a person cannot be called a workman under Sec. 2(s) of the I.D. Act, if he does manual or clerical work of an incidental nature.

12. There is absolutely nothing to show that I party was drawing salary from the bank like regular or temporary employee. What he was getting was commission for the work he was doing as a J. D. Collector. He has stated that for the period January '80 to April May '81 he was getting as commission Rs. 126 per month. This is borne out by the receipts Exs. M.1 to M.11.

13. It is admitted on all hands that Ex. W.1 is the agreement entered into between the II party and the I party on 24-1-80 as per which the I party became a pigmy deposit collector. Ex. W.1 clearly says that the I party was not entitled to any claim other than the amount by way of commission. Clause 3 clearly states that under Ex. W.1 what was created in favour of I party was only an agency and that the agency could be terminated either by the bank or by I party himself, giving 3 months notice of such intention. The recitals of agreement Ex. W.1 establish relationship of Principal and Agent between II party and I party. Nothing more. It is difficult, even impossible, to spell out from the recitals in the agreement Ex. W.1 that I party was an employee under the II party, much less a workman as defined under Sec. 2(s) of the I.D. Act.

14. From the evidence of M.W. 1 and I party himself it is clear as daylight that he was not doing any skilled or unskilled manual work, supervisory work, technical work or clerical work. The Hon'ble Supreme Court has laid down in Supreme Court Labour Judgments 1950—1983 Vol. 6, page 545 that for an employee to be 'workman' under the definition of 'workman' in Sec. 2(s) of the Act it is manifest that he must be employed to do skilled or unskilled manual work, supervisory work, technical work or clerical work. If the work done by an employee is not of such a nature, he would not be a workman. This authority of the Supreme Court clinches the issue against the I party.

15. From the circumstances and admitted facts, it is clear that I party agent was not required to attend office at a fixed time everyday, he did not have to mark his attendance. He was not required to remain in the Bank upto fixed hours. The bank could not take action against the I party if he did not make collections. He was not entitled to any salary or fixed wages. He was getting only commission for the work done by him. It is further clear from Ex. W.1 that the agency could be terminated at any time by either of the parties giving 3 months notice. In fact the disciplinary control which an employer had on an employee was completely absent. When that is the position, it has been laid down by the Punjab and Haryana High Court in 1992 ISK (Banking) 615 (Smt. Avtar Saha v/s. Canara Bank) that there was only a rural relationship of Principal and Agent between the Bank and the deposit collector and the deposit collector was not an employee of the Bank nor was he a workman as defined under Sec. 2(s) of the I.D. Act.

16. The Learned counsel for the I party set great store by the decision of the Madras High Court reported in 1990 (1) Madras 50 (The Management of Indian Bank v/s. The Presiding Officer and another). I have carefully and respectfully gone through this authority. This decision of the Madras High Court is clearly distinguishable on facts. From the facts of the Madras High Court authority it is clear that the Tiny deposit agent had to do some clerical work like filling up relevant forms, ledgers, pass books etc. The Bank could instruct the agent not to enrol new subscribers at any time. The agent could be "taken to task when any depositor closes account within a period of 2 years from the commencement thereon". There will be a reduction of the commission payable to the agent in that event. The agent had to inform the bank in advance if he was not in a position to make the collections himself. To repeat, the Madras High Court authority is clearly distinguishable on facts and it has no application to the facts of the

present case. It is significant to note that the Learned Judge of the Punjab and Haryana High Court has observed that he had reservation about the view expressed by the Madras High Court.

17. The Madras High Court decision is by a division bench. The Punjab Haryana High Court decision on which I have relied on a ten rendered by a single judge. It is submitted by the Learned counsel for the I party that I should follow the Judgment of the division bench in preference. In this regard he has submitted a passage from Law Points Vol. 2 page 560. I have carefully and respectfully gone through this passage. What the law says is that when there are conflicting judgments of the High Court before Subordinate Court, it is the duty of the Subordinate Court to follow the Judgment of the division bench in preference to the Judgment of the single judge. This position arises when a subordinate Court, subordinate to a particular High Court is faced with conflicting judgments of the same High Court. That is not the position with which I am facing. I have distinguished on facts the division bench decision of the Madras High Court. Assuming for a moment that the Madras High Court decision also applies. I respectfully follow the decision of the Punjab and Haryana High Court, in the absence of any decision by our Hon'ble High Court or the Supreme Court. It should be pointed out here that the Learned Judge of the Punjab and Haryana High Court has observed that he has got reservations about the law laid down by the Madras High Court.

18. The Learned counsel for the I party has relied on AIR 1978 S.C. 1410 (Hussainbhai v/s. The Alah Factory Tezhilali Union and others). In this authority the Hon'ble Supreme Court was dealing with a situation where there were intermediate contractors with whom the workers had immediate or direct relationship ex-contractor to. This authority is not applicable.

19. The Learned counsel for the I party has relied on AIR 1974 S.C. 37 (Silver Jubilee Tailoring House and others v/s. Chief Inspector of Shops and Establishments and another). This has been rendered under the Andhra Pradesh (Telengana Area) Shops and Establishments Act and it has no application of goods. The Bombay High Court was pleased to hold that relied on 1993 (1) L.L.J. 997 (Promer Sales Pvt. Ltd. v Manohar Sondhur and others). That was a case in which the sales representative was doing clerical work, repair of radio, collection of amounts, tally of accounts, taking stock of goods. The Bombay High Court was pleased to hold that such a person is workman within the meaning of Sec. 2(s) of the I.D. Act. In the instant case the I party was not doing any clerical work, was not doing any skilled or unskilled work of the bank. The Bombay High Court authority also is not applicable.

20. The Learned Counsel for the I party relied on 1968(1) L.L.J. 288 (State of Assam and others v/s. Kanak Chandra Dutta). The Hon'ble Supreme Court, in this case was pleased to deal with a Civil post and Article 311 of the constitution. This authority is not applicable to the facts of the present case.

21. For the aforesaid reasons I hold that the I party is not a workman as defined under Sec. 2(s) of the I.D. Act. I hold issue No 1 against the I party.

22. It is not necessary to answer issue No. 2 and additional issue.

23. All other documents and evidence not referred to by me above are not relevant. In any case they do not alter my conclusions reached above.

ORDER

The reference is rejected. Award passed rejecting the reference. Submit to Government.

(Dictated to Stenographer typed by him, corrected, signed by me on this 31st day of Dec., 1994).

M. B. VISHWANATHI, Presiding Officer

